THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 90 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ अमावस्या 2080 रविवार, 18 जून 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

A quality product from

PAN BAHAR

बाहुबली हो तो
बाहुबली मांगो

Bahubali
PAN MASALA

NO TOBACCO NICOTINE

www.panbahar.in

CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH. NOT FOR MINORS

सुविचार: लोगों की निंदा से परेशान होकर अपना रास्ता ना बदलना क्योंकि सफलता शर्म से नहीं, साहस से मिलती है।

शहीदों की स्मृति में भव्य रैली आयोजित की जानी चाहिए : श्रीनिवास

मंत्री ने रैली की अग्रिम व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहीदों के स्मरण दिवस के अवसर पर 22 जून को हैदराबाद में शहीदों की स्मृति रैली का भव्य आयोजन किया जाए। सीएम केसीआर के आदेश पर हैदराबाद में आयोजित की जा रही इस रैली में तेलंगाना कला की महिमा का प्रदर्शन होना चाहिए। मंत्री डॉ वी श्रीनिवास गौड़ ने अधिकारियों को

निर्देश दिया कि इस रैली में 5,000 से अधिक लोक, आदिवासी, दक्खनी कलाकार और शास्त्रीय कलाकार भाग लें। मंत्री ने कहा कि डॉ. बी आर अंबेडकर की 125 फीट की प्रतिमा से अमर ज्योति मंच तक 'शहीद स्मृति रैली' निकालेंगे। शहीदों की स्मृति रैली की अग्रिम व्यवस्था को लेकर मंत्री डॉ. वी. ने संबंधित अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। अमर वीरों के स्मरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के आदेश पर आबकारी, खेल, पर्यटन, संस्कृति, पुरातत्व एवं युवा सेवा मंत्री डॉ. वी. तेलंगाना संस्कृति विभाग के तहत इस महीने की 22 तारीख को हैदराबाद में डॉ. बी आर अम्बेडकर की 125 फीट की प्रतिमा से अमर ज्योति मंच तक आयोजित होने वाली 'शहीद स्मृति रैली' की व्यवस्थाओं को लेकर राज्य पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सल्तानिया के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई. जिसे राज्य सचिवालय के सामने शान से बनाया गया है। इस समीक्षा बैठक में मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद सीएम केसीआर के आदेशानुसार तेलंगाना की प्राचीन कलाओं को फिर से वैभव प्रदान किया गया। मंत्री ने अधिकारियों को इन कलाओं और कलाकारों की पहचान करने और शहीद स्मारक रैली में भाग लेने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। तेलंगाना, ओग्गुडोलु, बोनालू, कोलाटम, गुसादी, कोम्मुकोया, लम्बाडी, राजन्ना डोलू, कोलाटम, चिंदू यक्षगानम, बोनालू, पोटुराजुला विनयसालु, बथुकम्मालु, शेरी बाजा, मार्फा के साथ पेरिनी, कुचिपुड़ी, भरत नाट्यम, कथक के ड्रम कलाकार इसमें प्रस्तुति देंगे। मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अमर वीरों की स्मृति रैली के अवसर पर सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्निवाल का आयोजन किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में तेलंगाना साहित्य अकादमी के अध्यक्ष जुलुरी गौरी शंकर, संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष श्रीमती दीपिका रेड्डी, राजभाषा संघ की अध्यक्ष श्रीदेवी, राज्य संस्कृति विभाग के निदेशक मामिदी हरिकृष्णा, राज्य पर्यटन विकास निगम के एमडी मनोहर, पुरातत्व विभाग के उप निदेशक नारायण ने भाग लिया।

शब्बीर अली ने हजरत उस्मान के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अली शब्बीर अली ने हजरत अल्लामा हाफिज और मक्का मस्जिद के पूर्व इमाम कारी मुहम्मद उस्मान नक्शबंदी और मस्जिद-ए-प्रिंस शहमत जाह के खतीब के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शब्बीर अली ने शनिवार को एक शोक संदेश में कहा कि हजरत उस्मान नक्शबंदी ने अपने जीवन के पांच दशकों से अधिक समय दीन की निस्वार्थ सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि वह हजरत उस्मान नक्शबंदी को करीब 35 साल से जानते हैं और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार साझा करते हैं। "हजरत उस्मान नक्शबंदी का निधन उनके परिवार और दोस्तों और पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए एक जबरदस्त क्षति है। हैदराबाद डेक्कन में दीन और मुस्लिम उम्माह की सेवा करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता को हमेशा याद किया जाएगा।

सड़क हादसे में भाजपा नेता की मौत

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले हुजुराबाद मंडल के कनुकुलागिड्डे के सरपंच गोपू कोमुरा रेड्डी की शनिवार सुबह तड़के शंकरपट्टनम मंडल के कोठागट्टू के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकरा गई। पुलिस को संदेह है कि घटना के समय वाहन चला रहे कोमुरा रेड्डी ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। घटना के वक्त वह करीमनगर से हुजूराबाद जा रहे थे। हुजूराबाद के विधायक इटेला राजेंदर के करीबी सहयोगी, कोमुरा रेड्डी ने पहले हुजुराबाद मंडल टीआरएस अध्यक्ष और अन्य पदों पर काम किया था। वह राजेंद्र के साथ भाजपा में शामिल हो गए।

सीएम केसीआर ने मक्का मस्जिद इमाम के निधन पर शोक जताया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आज हैदराबाद मक्का मस्जिद के इमाम और इस्लामी विद्वान हाफिज मौलाना मुहम्मद उस्मान के निधन पर शोक व्यक्त किया। सीएम केसीआर ने कहा कि करीब 50 साल तक काम करने वाले इमाम की सेवाएं सराहनीय हैं। सीएम ने तेलंगाना आंदोलन के बाद से मौलाना के प्रयासों और दिवंगत इस्लामिक विद्वान के साथ उनके जुड़ाव को याद किया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

CLASSIFIEDS

Flat for rent

Flat for rent in domal-guda st no 06 On second floor 2400sft fully fur-nished 3bhk

Contact 9849065081

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने भूमि पूजन किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह चौधरी और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी जी-20 कार्यक्रम के तहत तीन दिनों के लिए हैदराबाद में है। आज राजेन्द्रनगर एनएएआरएम कार्यालय में स्थापित किसान प्रशिक्षण केन्द्र, कन्या छात्रावास एवं संकाय भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, एनएएआरएम के निदेशक डॉ. चौ श्रीनिवास राव, और संयुक्त निदेशक डॉ. जी वेंकटेश्वरलू आदि उपस्थित रहे।

ऑटो चालक ने ट्रांसजेंडर महिला से की शादी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना-सिरसिल्ला जिले में 23 वर्षीय एक ऑटो रिक्शा चालक ने शनिवार को वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में एक ट्रांसजेंडर महिला से शादी की। श्रीनिवास की पिंकी (22) से पांच साल पहले दोस्ती हुई थी। ये दोनों वारंगल जिले के नरसमपेट के रहने वाले हैं। दोस्ती प्यार में बदली तो उन्होंने शादी करने का फैसला किया। शनिवार को वे वेमुलावाड़ा मंदिर आए और शादी कर ली। स्नातक तक पढ़े श्रीनिवास हैदराबाद में ऑटोरिक्शा चालक के रूप में काम करते हैं।

SHRI SADGURU SAMARTH NARAYAN ASHRAM
SHRI SAMARTH KAMADHENU GOWSHALA
HYDERABAD,HARIHAR
Humble Appeal
There is huge input of cattle to the Gowshala due to the festival of sacrifice, rescued under law of the land.
The existing 6000+ cattle and growing numbers makes the daily care and maintenance more challenging especially for feed and fodder.
Hence, we request one and all to contribute possible assistance towards feed and fodder.
Always in service of Gow Mata.
Bank Details:
SHREE KALPAVRUKSHA KAMADHENU WELFARE TRUST (IT EXEMPTION UNDER CLAUSE 80G)
A/C:10015542319,IFSC:SBIN0007054,SBI,KING KOTI BRANCH
SHRI SADGURU SAMARTH NARAYAN ASHRAM
A/C:20100020864,IFSC:SBIN0002790,SBI,PPB,RED HILLS BRANCH
GOOGLE PAY/PHONEPE: 7013711317
PAYTM:9296358630
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज रविवार दि.18 जून 2023 अमावस्या के अवसर पर पधारे
श्री आईजी गौशाला (रजिस्ट्रेशन नं. 720/2008) 118, मल्कारम, जवाहरनगर (चेनापुर-बालाजी नगर) खापरा मंडल ☎ 7396306337
आज की महाप्रसादी - स्व. श्री मालारामजी सोलंकी की पुण्य स्मृति में धर्मपत्नी श्रीमती सुन्दरी बाई सोलंकी पुत्र नेमीचन्द सोलंकी, कैलाश सोलंकी चितल, हैदराबाद (मरुधर में निबेडा) के द्वारा रखी गई है।
गौशाला के बैंक एकाउंट मे अपनी दान राशी जमा कराकर, पुण्य के भागीदार बने
Sri Aaiji Gowshala, SBI, Cheeryal Branch, A/c. No. 62492036580 IFSC Code : SBIN0020435
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : जे.सी. प्रकाश चोलाराम हाम्बड ☎ 9573599190 सचिव : मंगलाराम पंवार ☎ 9246108583

आज अमावस्या है।
चलिये सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास गगनपहाड
कटने से बचाई गई हजारों गौवंश को अपने कर-कमलों से चारा-दाना अर्पण कीजिये।
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास
गगन पहाड़, राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रोड सिटीजन कांटे के पीछे, हैदराबाद
फोन : 9985385399, 9989403635, 9440437618, 9912142260, 9246522435, 9347211966, 9441210591, 9490941319, 9848031111
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyderabad, T.S. A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
Paytm/Google Pay Number : KARAN CHALLANI - 94909 41319
VPA: satya99894@barodampay
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE- AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
CANARA BANK - BASHEERBAGH BR. HYD. A/c : 0878132000033 IFSC CODE : CNRB0000878

जय श्री राम (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज रविवार दिनांक 18 जून 2023 आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर पधारे
या देवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में शंकर महाराज जोधपुर द्वारा कथा वाचन। प्रसादी माणिक चंद सिरवी की तरफ से रहेगी
विशेष : पधारे भगतों के लिए मध्यान 2 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था गौशाला में रहेगी। गौशाला में पधार कर दान पुण्यकर, दर्शन, पूजन, सेवा का लाभ लेकर पुण्यगामी बने।
सम्पर्क : नारायणलाल : 8712311785, सिरवि वी ताराराम पंवार : 9246368842
शुभकामनाओं सहित
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
गौभक्त सायोग व दान के लिए gpay/ phonepay कर सकते है : 9246368842
BEAUTIFUL HOMES

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः
चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।
Sri Jain Goshala Estd. 14-10-2001
अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य
आज अमावस्या आज रविवार, 18-6-2023 "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी
निवेदक : श्री जैन गौशाला
6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड्चल ज़िला (तेलंगाना)
सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045
BANK DETAILS BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited. Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust
BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No. : 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04
ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515 G Pay PhonePe
शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेड्चल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज रविवार 18 जून 2023 प्रातः 11 बजे से
आषाढ़ अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेड्चल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
भजन प्रस्तुति : छत्तीस कौम गौभक्त
दूरभाष : 9866405646, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

गावो विश्वस्य मातरः ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज रविवार, 18-6-2023 को अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशि इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
भोजन - प्रसाद के लाभार्थी : हीरालाल सैनंचा, सरूरनगर, भाणाराम बरसा, बीएन रेड्डी नत्थाराम सोलंकी, दिलसुखनगर, दीपाराम काग, बडंगपेट, मोतीलाल चोयल, बडंगपेट
SRI GOPAL GOSHALA TRUST STATE BANK OF INDIA, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 62127047988 IFSC CODE : SBIN0020564
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

आज रविवार, 18-6-2023, को अमावस्या है।
गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
ॐ शिव मंदिर गौशाला निवेदक : शिव मंदिर गौशाला कार्य समिति
पालमाकुल, शमशाबाद फोन : 7842048773, 9849666304
शमशेरगंज, हैदराबाद फोन : 7842048773, 9959271866
OM SHIV MANDIR GOSHALA
SHIV MANDIR GOSHALA
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9848097776, 9290145860, 9849666304, 7842048773
गाय का दुध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available
गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।

बाबा विश्वनाथ की नगरी, काशी के विद्वानों द्वारा परम पवित्र श्रावण अधिक मास के उपलक्ष्य में
श्री महारुद्र यज्ञ श्रीमद् भागवत कथा
दि. 31 जुलाई 2023 से 6 अगस्त 2023 तक
गौशाला के पवित्र प्रांगण में 400 वर्ष प्राचीन शिवालय के समक्ष होने जा रहा है।
यज्ञाचार्य पंडित अतुलजी पाठक वाराणसी, काशी
कथा प्रवक्ता : बाल व्यास पंडित शशि शेखर जी (उम्र 13 वर्ष)
पूजन प्रात : 7.31 से 10.01 बजे तक
यज्ञ प्रात : 10.31 बजे से दोपहर 1.01 बजे तक
कथा समय : दोपहर 3.01 बजे से 7.01 बजे तक
शिव मंदिर गौशाला कार्य समिति 7842048773, 9849052972, 9959271866, 7989734546

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 90 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ अमावस्या 2080 रविवार, 18 जून 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

मणिपुर में सुरक्षाबलों पर फायरिंग

थाने से हथियार लूटने की कोशिश, भाजपा ऑफिस, विधायक और महिला नेता के घर पर हमला

इंफाल, 17 जून (एजेंसियां)। इंफाल पश्चिम के इरिंगबाम थाने पर सैकड़ों लोगों की भीड़ ने हथियार लूटने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षाबलों ने उन्हें खदेड़ दिया। इस दौरान भीड़ की ओर से फायरिंग भी की गई।

दूसरी घटना में भीड़ ने भाजपा के एक विधायक विश्वजीत के घर में आग लगाने की कोशिश की। इसे मणिपुर रैपिड एक्शन फोर्स की टीम ने नाकाम कर दिया। तीसरी घटना खोंगमन और सिंजेमाई की है। दोनों जगहों पर भीड़ ने भाजपा ऑफिस पर हमला किया। हालांकि सेना के जवानों ने भीड़ को भगा दिया। चौथी घटना राजधानी इंफाल के पोरमपेट की है। भीड़ ने शुक्रवार देर रात भाजपा की महिला अध्यक्ष शारदा देवी के घर में तोड़फोड़ की कोशिश की। सुरक्षाबलों ने युवकों को खदेड़ दिया। पांचवी घटना राजधानी इंफाल के पैलेस कंपाउंड की है। यहां करीब 1 हजार लोगों की भीड़ कंपाउंड को जलाने के लिए आई, लेकिन आरएएफ के जवानों ने आंसू गैस के गोले दागे और रबर की गोलियां चलाईं, जिसके बाद भीड़ वहां से हटी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात बिष्णुपुर जिले के क्राकटा और चुराचंदपुर जिले के कंगवई ऑटोमेटिक हथियारों से गोलियां चली हैं। सेना, असम राइफल्स और मणिपुर रैपिड एक्शन फोर्स ने राजधानी इंफाल में आधी रात तक संयुक्त मार्च किया।

>14

रिश्वत लेते वीसी रंगे हाथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी करप्शन ब्यूरो ने तेलंगाना यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर दाचेपल्ली रविंदर को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों से वीसी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शनिवार को तेलंगाना विश्वविद्यालय के कुलपति दाचेपल्ली रवींद्र को सरकारी काम करने के लिए एक व्यक्ति से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। शिकायतकर्ता दसारी शंकर ने भीमगल में अपने कॉलेज में परीक्षा केंद्र के आवंटन के लिए रिश्वत की राशि का भुगतान किया। वीसी ने तारनाका में अपने आवास पर राशि स्वीकार की। मध्यस्थों की उपस्थिति में वीसी की अलमीरा से राशि बरामद की गई। आरोपी अधिकारी के दोनों हाथों पर किए गए रासायनिक परीक्षण के सकारात्मक परिणाम मिले। इस घटना की जानकारी मिलने पर तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है।

बृजभूषण सिंह के कार्यक्रम में बवाल, कुर्सियां चलीं

गोंडा, 17 जून (एजेंसियां)। गोंडा में बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के कार्यक्रम में जमकर बवाल हुआ है। सेल्फी लेने के चक्कर में दो प्रधान समर्थकों में मारपीट हो गई। दोनों तरफ के पथराव के साथ ही कुर्सियां एक-दूसरे पर फेंकी गईं। बृजभूषण शरण सिंह के काफिले पर भी पथराव किया गया। बवाल बढ़ता देख सुरक्षा कर्मियों ने सांसद को वहां से बचाकर बाहर निकाला। सांसद बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल होने कटरा बाजार विधानसभा के बरबट में पहुंचे थे। ये बवाल कार्यक्रम खत्म होने के बाद हुआ है।

सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा, बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज बीजेपी से जुड़ने जा रहा है। इस समय देश के अंदर मोदी लहर चल रही है। विपक्ष हमेशा एकजुट होता है, लेकिन देश की जनता हमेशा पीएम मोदी के साथ है।

>14

हैदराबाद के कॉलेज में बुर्का पहनी छात्राओं को रोका

स्टूडेंट्स का दावा- आधे घंटे इंतजार कराया, बुर्का हटाने के बाद ही एग्जाम देने दिया

हैदराबाद, 17 जून (एजेंसियां)। हैदराबाद के एक कॉलेज में बुर्का पहनी हुई छात्राओं को एग्जामिनेशन हॉल में एंट्री नहीं दी गई। छात्राओं ने बताया कि वे केवी रंगा रेड्डी डिग्री कॉलेज में उर्दू मीडियम का एग्जाम देने गई थीं, लेकिन बुर्का पहनने की वजह से उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया।

छात्राओं का आरोप है कि कॉलेज स्टाफ ने उन्हें कहा कि दूसरे कॉलेज में बुर्का पहनने की इजाजत हो सकती है, पर इस कॉलेज में नहीं है। छात्राओं ने कहा कि उन्हें एग्जाम देने के लिए आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बुर्का हटाने के बाद ही उन्हें एंट्री मिली।

पेरेंट्स ने कहा, हमारे बच्चों को टारगेट किया गया

जिन छात्राओं को बुर्का हटाना पड़ा, उनके पेरेंट्स ने कहा कि हमारे बच्चों को बुर्के की वजह से टारगेट किया गया। एक शख्स ने कहा कि कॉलेज मैनेजमेंट ने पेरेंट्स की रिक्वेस्ट भी नहीं सुनी, बल्कि बेहद बदतमीज स्टाफ को एंट्री गेट पर तैनात कर दिया। इसके बाद पेरेंट्स ने जाकर राज्य के गृहमंत्री से शिकायत की।

गृहमंत्री बोले, औरतों को ज्यादा कपड़े पहनने चाहिए

इस घटना को लेकर तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद ने कहा कि किसी हेड मास्टर या प्रिंसिपल ने ऐसा किया होगा, लेकिन हमारी पॉलिसी सेक्युलर है।

>14

ऑपरेशन गंगा अदम्य भावना का प्रतीक, डॉक्यूमेंट्री पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' पर एक नई डाक्यूमेंट्री अभियान से संबंधित पहलुओं पर बहुत जानकारीपूर्ण होगी। दरअसल, एक टीवी चैनल ने अपनी नई डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द इवैक्यूएशन: ऑपरेशन गंगा' के लॉन्च की घोषणा की है। इस डॉक्यूमेंट्री में भारत सरकार द्वारा चलाए गए बचाव अभियान की कहानी बताई गई है। इस डॉक्यूमेंट्री को लेकर प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी सामने आई है।

भारत सरकार ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच फंसे हजारों छात्रों और भारतीयों को निकालने के लिए यह बचाव अभियान चलाया था। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ऑपरेशन गंगा हमारे लोगों के साथ खड़े होने के हमारे दृढ़ संकल्प को दिखाता है। यह (डॉक्यूमेंट्री) भारत की अदम्य भावना को भी दर्शाती है। यह डॉक्यूमेंट्री इस अभियान से संबंधित पहलुओं पर बहुत जानकारीपूर्ण होगा।

डॉक्यूमेंट्री बताती है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्ध के बीच फंसे भारतीयों को निकालने के लिए अभियान का नेतृत्व किया। इसमें वह कहते हैं, हर भारतीय के दिल में एक गहरा विश्वास है, कोई भी चुनौती हो, चाहे कितनी भी कठिन परिस्थिति क्यों न हो, वे जानते हैं कि उनकी सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें सुरक्षित घर वापस लाएगी। यह केवल नीति नहीं है, यह मानवता का हमारा वसीयतनामा है। यह एक ऐसा बंधन है जिसे हमने बार-बार मजबूत होते देखा है, जो हमारे राष्ट्र की अदम्य भावना को दिखाता है।

बीएसएफ ने बदला रिट्रीट का समय

अटारी सहित सभी 3 बॉर्डरों पर अब 6:30 बजे होगी सेरेमनी, दिन बड़े होने पर लिया निर्णय

फरीदकोट, 17 जून (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के मध्य होने वाली रिट्रीट सेरेमनी का समय बदल गया है। अमृतसर के अटारी बॉर्डर सहित फाजिल्का व फिरोजपुर में अब रिट्रीट शाम 6 बजे की जगह 6.30 बजे होगी। गर्मी बढ़ने व दिन बड़े होने के बाद इस फैसले को लिया गया है। बीती शाम से इन आदेशों को लागू कर दिया गया है। देश में तीन जगह पर भारत-पाकिस्तान के मध्य रिट्रीट सेरेमनी होती है, जिसमें भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान पाकिस्तान रेंजर्स के साथ मिलकर भाग लेते हैं। अमृतसर, फज्लिका और फिरोजपुर जिले में होने वाली इस रिट्रीट सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक पहुंचते हैं। लगभग 40 मिनट तक होने वाली इस रिट्रीट सेरेमनी के दौरान पूरा माहौल देशभक्ति से सराबोर हो जाता है। भारत की सरहद पर भारतीय तो पाकिस्तान की तरफ पाक नागरिक अपने देश के नारे लगा अपने देश-प्रेम को उजागर करते हैं। लोग देशभक्ति के गानों से झूमते हुए दिखाई देते हैं। शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के स्मारक हुसैनीवाला बॉर्डर के नजदीकी हैं। 1962 तक यह क्षेत्र पाकिस्तान के पास रहा और उन्होंने भारत के इन महान शहीदों की याद में कोई भी स्मारक बनाने की परवाह नहीं की, जिन्होंने दोनों देशों की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

मेट्रो अफसरों पर भड़कीं कानपुर की मेयर, मीटिंग के बीच बंद कराए एसी-पंखे जानें सजा की वजह?

कानपुर, 17 जून (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर महानगर में महापौर प्रमिला पांडे ने गजब की सजा सुना दी। महापौर मेट्रो अफसरों के साथ बैठक कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने मेट्रो अफसरों की कार्यशैली से नाराज होकर मीटिंग के दौरान पंखे और एसी बंद करा दिए। साथ ही सभी को 1 घंटे तक बिठाए रखा। इतना ही नहीं, मेयर ने कहा कि जब तक आप सभी पेड़ काटने का सही कारण नहीं बताएंगे, तब तक आप ऐसे ही यहां पर बैठे रहेंगे। बता दें कि कानपुर की दोबारा महापौर बनी प्रमिला पांडे अम्मा के नाम से जानी जाती हैं। उन्होंने बीते दिन मेट्रो अफसरों के साथ बैठक बुलाई थी। इस दौरान उन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए काटे गए 118 पेड़ों को लेकर सवाल किया और कहा कि पेड़ काटने के बाद लोगों के घरों के बाहर डाल दिए गए हैं। इससे परेशान होकर लोग रोज शिकायत करते हैं। वहीं, नाराज महापौर ने बैठक हॉल के सारे एसी और पंखे बंद करा दिए। साथ ही कहा कि अब गर्मी में ही बैठक कराई जाएगी। जब तक अफसर सही कारण नहीं बता देते हैं, तब तक वह नहीं जाएंगे।

नेहरू संग्रहालय का नाम बदलने पर कांग्रेस नेता बोले- 'नेहरू से इतनी नफ़रत है तो खानदान से कितनी होगी?'

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के तीन मूर्ति भवन परिसर में स्थित नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय सोसाइटी (एनएमएमएल) का नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसाइटी' कर दिया गया है, जिसे लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया जतायी है। तीन मूर्ति भवन भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का आधिकारिक आवास था। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने तीखा तंज कसा है। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद ने अपने अधिकारिक ट्विटर अकाउंट से इसपर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, नेहरू से इतनी नफ़रत है तो नेहरू खानदान से कितनी होगी? दरअसल, संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि एनएमएमएल की एक विशेष बैठक में इसका नाम बदलने का फैसला किया गया है। उसने बताया कि सोसाइटी के उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बैठक की अध्यक्षता की।

बयान में बताया गया है कि राजनाथ सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए ''नाम में बदलाव के प्रस्ताव का स्वागत'' किया क्योंकि अपने नए प्रारूप में यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान और उनके सामने आई विभिन्न चुनौतियों के दौरान उनकी प्रतिक्रियाओं को दर्शाता है। सिंह ने प्रधानमंत्रियों को एक संस्था बताते हुए और विभिन्न प्रधानमंत्रियों की यात्रा की इंद्रधनुष के विभिन्न रंगों से तुलना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ''इंद्रधनुष को सुंदर बनाने के लिए उसके सभी रंगों का उचित अनुपात में प्रतिनिधित्व किया जाना'' चाहिए। इसमें कहा गया, ''इसलिए प्रस्ताव में एक नया नाम दिया गया है, हमारे सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का सम्मान किया गया है और इसकी सामग्री लोकतांत्रिक है।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एनएमएमएल का नाम बदले जाने की निंदा की है। उन्होंने ट्वीट किया, ''संकीर्णता और प्रतिशोध का दूसरा नाम मोदी है। नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय 59 वर्षों से अधिक समय से एक वैश्विक बौद्धिक ऐतिहासिक स्थल और पुस्तकों एवं अभिलेखों का खजाना रहा है।

जी-20 प्रतिनिधिमंडल का बिहार में सामा-चकेवा

कजरी और सोहर से स्वागत, और क्या है खास?

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। पटना में अगले सप्ताह जी-20 कार्य समूह की बैठक के लिए आने वाले प्रतिनिधिमंडल का बिहार के लोकगीत एवं नृत्य से स्वागत किया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि जी-20 प्रतिनिधिमंडल का मनमोहक लोक कलाओं -मिथिला की सामा-चकेवा, झिझिया, हुरका, मगही झूमर, कजरी, चौरा और पारंपरिक संगीत के एक प्रकार 'सोहर' से स्वागत किया जाएगा। जी-20 कार्य समूह की बैठक पटना में 22 जून और 23 जून को होने वाली है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अतिरिक्त सचिव दीपक आनंद ने कहा, ''हमने पहले ही राज्य के प्रसिद्ध लोक नर्तकों, गायकों और कलाकारों का चयन कर लिया है, जो जी-20 प्रतिनिधियों की यात्रा के दौरान प्रदर्शन करने वाली मंडलियों का हिस्सा होंगे।

अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त हैं लोक कलाकार

आनंद ने कहा, ''झिझिया, हुरका, मगही झूमर, कजरी, चैता, सोहर और मिथिला की सामा-चकेवा लोकगीत परंपरा का प्रदर्शन करने वाले लोक कलाकार अपने-अपने अभ्यास में व्यस्त हैं। बिहार में दुनिया को दिखाने के लिए बहुत कुछ है। दुनिया के सबसे प्राचीन क्षेत्रों में से एक बिहार ने अपनी इस अद्भुत छवि को बरकरार रखा है। ''उन्होंने कहा कि राज्य के लोक गीत और नृत्य भारत के बाहर काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा, ''सामा-चकेवा लोक गीत परंपरा से जुड़ा है और पारिवारिक बंधन एवं उत्सव की स्थानीय भावना को फिर से जीवंत करने के लिए काम करने वाले कवियों और कलाकारों की रचनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।''आनंद ने कहा, ''झिझिया एक प्रार्थना नृत्य है, जो बिहार के कोसी क्षेत्र में उत्पन्न हुआ और यह सूखे के दौरान किया जाता है। मगही झूमर नृत्य आमतौर पर युगल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जहां राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एवं पुरुष नर्तक पति और पत्नी की भूमिका निभाते हैं।''

जी-20 बैठक की तैयारियों की समीक्षा

दीपक आनंद ने कहा कि इसके अलावा बिहार के मशहूर पारंपरिक भोजपुरी लोक गीत एवं नृत्य भारत के बाहर बेहद लोकप्रिय हैं। बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने हाल में आगामी जी-20 बैठक की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कला, संस्कृति और युवा विभाग की नवनियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार संग्रहालय जाएंगे जी-20 प्रतिनिधि

दीपक आनंद ने कहा, ''बाद में वे (जी-20 प्रतिनिधि) बिहार संग्रहालय जाएंगे। दूसरे दिन की शुरुआत ज्ञान भवन में जी-20 कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के साथ होगी, जिसके बाद शाम को आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य रात्रिभोज होगा। 23 जून को कार्यक्रम के समापन के दिन प्रतिनिधि पटना साहिब का दौरा करेंगे, जिसे तख्त श्री हरमंदिर जी गुरुद्वारा भी कहा जाता है। इसके बाद वे एक विदाई समारोह में भाग लेंगे। तख्त हरमंदिर जी साहिब सिखों के पांच तख्त में से एक है, जो राजधानी पटना में स्थित है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग प्रतिनिधियों से प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए द्विभाषिए गाइड की व्यवस्था करेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल राज्य के नालंदा जिले में स्थित विश्व धरोहर स्थल 'नालंदा महाविहार' का भी दौरा करेगा।

पुलिस ने भाजपा युवा नेताओं की तैयार की क्राइम हिस्ट्री

अलीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। अलीगढ़ में पुलिस ने भाजपा नेताओं की क्राइम हिस्ट्री तैयार की है। इसके अलावा अन्य पार्टियों के नेताओं की भी क्राइम हिस्ट्री तैयार की जा रही है। इस सूचना से नेताओं में खलबली मच गई है। अलीगढ़: जिले में भाजपा नेताओं की पुलिस ने क्राइम हिस्ट्री तैयार की है। सात भाजपा युवा नेताओं पर मुकदमे की हाफ सेंचुरी बनी है। भाजपा के युवा नेता संजू बजाज पर 10 थानों में जानलेवा हमला सहित 26 एफआईआर दर्ज हैं। संजू बजाज भाजपा में महानगर जिला मंत्री हैं। हरजीत सिंह पर धारा 307 सहित 8 मुकदमे, राकेश सहाय पर चार मुकदमे, विनय वार्ष्णेय पर चार, संजय शर्मा और बृजेश कंटक पर दो-दो मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, अलीगढ़ पुलिस अन्य नेताओं की भी क्राइम हिस्ट्री तैयार कर रही है।

सात नेताओं पर बनी हाफ सेंचुरी

यह लिस्ट जारी करने की सुहबुगाहट के बाद भाजपा नेताओं में खलबली मच गई है। सभी भाजपा के युवा नेता हैं, जिनके खिलाफ ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। इसमें जानलेवा हमले, मारपीट, धमकी आदि के मुकदमे शामिल हैं। इसमें भाजपा के महानगर जिला मंत्री पर 26 मुकदमे दर्ज हैं। यह मुकदमे शहर से लेकर देहात के थानों तक में दर्ज हैं। जैसे ही भाजपा नेताओं के आपराधिक इतिहास की क्राइम लिस्ट सामने आई, सभी में खलबली मच गई। वहीं, पुलिस अन्य पार्टी के नेताओं की लिस्ट भी तैयार कर रही है। हालांकि, जिले में अन्य पार्टी के नेता भी ऐसे हैं। जिन पर मुकदमे चल रहे हैं। जिन का आपराधिक इतिहास सामने आ सकता है। शहर में आए दिन माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले राजनीतिक पार्टी के पदाधिकारी और नेता पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस प्रशासन ने ऐसे नेताओं की लिस्ट तैयार की है। इस लिस्ट में ऐसे नेता हैं, जिनका लंबा आपराधिक इतिहास है। कुछ नेता ऐसे हैं जो शहर में होने वाली घटना में अक्सर देखे जा सकते हैं। पुलिस का मानना है कि ऐसे नेता थाने का घेराव भी करते हैं। साथ ही हंगामा कर माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं। ऐसी स्थिति

में प्रशासनिक अधिकारियों से टकराव की स्थिति भी पैदा होती है। पुलिस ने ऐसे नेताओं की पड़ताल की तो अधिकतर का आपराधिक रिकॉर्ड निकल कर सामने आया है। पुलिस ने ऐसे लोगों की लिस्ट तैयार की है। हालांकि, ऐसी लिस्ट अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। प्रशासन स्तर से इस लिस्ट के आधार पर पुलिस कार्रवाई कर सकती है। हालांकि, मामले में एडीएम सिटी अमित कुमार का कहना है कि आए दिन थाने में हंगामा करते हैं। उनमें कुछ पर आपराधिक मुकदमे हैं और कुछ पर काफी संख्या में हैं। ऐसे लोगों का आपराधिक इतिहास मांगा गया है। इसके बाद निरोधात्मक कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

बिजली कटौती पर सपा नेता शिवपाल यादव बोले- 'जनता नहीं झेलेगी अब और शोषण

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था और कटौती पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। कई जिलों में घंटों तक बिजली कटौती से भीषण गर्मी के बीच लोग परेशान हैं। इसको लेकर शुक्रवार देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के अध्यक्ष एम देवराज को तलब कर नाराजगी जतायी। वहीं समाजवादी पार्टी नेता शिवपाल यादव ने भी प्रतिक्रिया दी है। सपा नेता ने कहा, ₹यह ' बिजली' आने वाले समय में सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों को उनके क्षेत्रों में सबक सिखाने का काम करेगी। जनता ' मंहगी बिजली' और ' बिजली आपूर्ति' के नाम पर अब और शोषण नहीं झेलेगी। हालांकि इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिजली कटौती पर कई बार बीजेपी और योगी सरकार पर जुबानी हमले बोलते हुए सवाल खड़े किए हैं।

सीएम योगी का निर्देश

दूसरी ओर राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अघोषित बिजली कटौती पर नाराजगी जताते हुए तत्काल प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में सुधार लाने के आदेश दिए हैं। प्रवक्ता के अनुसार, ''मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को तत्काल सुधारा जाए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी गड़बड़ी हो, तुरंत उसे ठीक किया जाए। शहर हो या गांव, जहां कहीं भी ट्रांसफॉर्मर खराब होने की सूचना मिले, तत्काल प्रभाव से वहां ट्रांसफॉर्मर बदला जाए।''देर शाम जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने बिजली व्यवस्था को लेकर जो नीति घोषित की है उसे पूरी तत्परता से लागू किया जाए। गौरतलब है कि योगी नीत सरकार की बिजली नीति के अनुसार, जिला मुख्यालयों को 24 घंटे, तहसील मुख्यालय को 22 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति की जाए।

बलिया जिला अस्पताल में तीन दिन में 74 की मौत

प्रचंड गर्मी और लू के बीच मचा कोहराम

बलिया, 17 जून (एजेंसियां)। आसमान से आग उगलते धूप का प्रकोप इतना विकराल हो गया है कि अब लोगों की जान मुश्किल में है। प्रचंड गर्मी और लू के बीच बलिया जिला अस्पताल के आंकड़े भयावह हैं। आकंड़ों के मुताबिक, बीते तीन दिन में ही हीट स्ट्रोक से 74 लोगों की मौत हुई है। इन मौतों ने लोगों को हिलाकर रख दिया है। बलिया जिले में पिछले दो दिन से 43-44 डिग्री सेल्सियस के ऊपर तापमान चल रहा है। डायरिया और लू के मरीजों से सरकारी व निजी अस्पताल के बेड फुल हो गए हैं। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में आने वाले अधिकतर मरीजों की मौत हो जा रही है। शुक्रवार सुबह से देर रात तक 25 मरीजों की मौत हुई। इस सप्ताह सबसे ज्यादा मौत (31) गुरुवार को हुई।

कोरोना काल में भी नहीं हुई थी इतनी मौतें

जिला अस्पताल की इमरजेंसी और वार्डों में भर्ती मरीजों की अचानक मौत की संख्या में इजाफा होने के कारण निःशुल्क शव वाहन तक नहीं मिले। लोगों को निजी वाहनों से शव लेकर जाना पड़ा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह में 101 मौत हुई है। कर्मचारियों के अनुसार, कोरोना संक्रमण के दौरान भी एक दिन में इतनी मौतें नहीं हुई थीं। गंगा घाटों पर पूरी रात चिता की आग शांत नहीं हो रही है। 50 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग सबसे ज्यादा मौत की चपेट में आ रहे हैं। अचानक मौत के आंकड़ों में इजाफा होने से अस्पताल प्रशासन में खलबली मची है। आनन-फानन में इमरजेंसी कक्ष, इमरजेंसी वार्ड सहित अन्य वार्डों में कूलर और एसी लगवाए गए हैं। इसके बाद मरीजों को कुछ राहत मिल रही है। चिकित्सक लोगों को हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय बता रहे हैं। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि डा. दिवाकर सिंह भीषण गर्मी के कारण अचानक डायरिया, हीट स्ट्रोक, तेज बुखार, सांस की समस्या वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई। मरीजों को समय से चिकित्सक सुविधा न मिलने के कारण हालत खराब होने पर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इससे इलाज के बाद भी हालत में सुधार नहीं हो रहा है।

बिहार में पड़ रही झुलसा देने वाली गर्मी

12वीं कक्षा तक के स्कूल 24 जून तक किए गए बंद

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना समेत राज्य के ज्यादातर इलाको में एक पखवारे से भीषण गर्मी की वजह से लोग परेशान हैं। पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह में ही दोपहर का एहसास कर रहे हैं। इस बीच, पटना जिला प्रशासन ने गर्मी को देखते हुए प्री स्कूल से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूलों को 24 जून तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने आदेश में कहा कि अधिक तापमान और विशेष रूप से दोपहर में पड़ रही भीषण गर्मी की वजह से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना को देखते हुए स्कूलों को बंद किया गया है। गर्मी को लेकर आंगनबाड़ी केंद्रों को भी बंद रखा गया है। राज्य के नौ शहरों में गर्मी की लहर के हालात रहे। सुबह में ही पारा 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया।

शुक्रवार को शेखपुरा का अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस, खगड़िया का 43.9 डिग्री, पटना का 43.6 डिग्री, बांका का 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच, मौसम विभाग ने राज्य के छह जिलों बक्सर, भोजपुर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद और अरवल में शनिवार को भीषण लू की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने राज्य के 10 शहरों के लिए रात में दोपहर जैसी स्थिति का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों ने खुले में होने वाली गतिविधियों को रोकने की सलाह दी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि एक-दो दिनों में राहत की उम्मीद नहीं है।

शारदा सिन्हा ने कहा- हर साल फैलाई जाती है मेरे मौत की झूठी खबर, फेसबुक पर लिखा ये पोस्ट

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। पद्मभूषण शारदा सिन्हा की मौत की झूठी खबर को सोशल मीडिया पर वायरल करने को लेकर उनका परिवार आहत है। इस झूठी खबर के खिलाफ उनके बेटे ने सोशल मीडिया पर बयान दिया है। वहीं शारदा सिन्हा ने भी इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी है। शारदा सिन्हा ने ऐसा करने वालों पर निशाना साधते हुए बिहार सरकार से पूछा है सरकार ऐसी अफवाह फैलाने वालों की पहचान नहीं कर सकती है क्या? अपनी मौत की झूठी खबर से आहत शारदा सिन्हा ने फेसबुक के जरिये अपनी बात उठाई है।

मौत की झूठी खबर से आहत शारदा सिन्हा ने लिखा ये पोस्ट

बीते तीन सालों में तीसरी बार सोशल मीडिया पर शारदा सिन्हा के मौत की झूठी खबर सामने आई है। 2020 में भी ऐसा हुई था। इसके खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए शारदा सिन्हा ने फेसबुक पर लिखा है -"हर वर्ष मेरे निधन की अफवाह फैलाई जाती है। इससे आतंरिक रूप से आहत हूं। 2020 के बाद से यह तीसरी बार हो रहा है। क्या बिहार सरकार के साइबर क्राइम की शाखा इस तरह की घटना की शिनाख्त नहीं कर सकती है?" शारदा सिन्हा ने कहा कि वह जिन्दा है। चाहे तो राजेंद्र नगर आवास पर आकर उन्हें देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो मरने के बाद चली

जाऊंगी नहीं देख पाऊंगी कि लोग मेरे नहीं रहने पर कैसे दुखी होते हैं, तो जिंदा रहते ही लोग अपनी मौत के बाद की स्थिति को दिखा रहे हैं। साल 2020 में कोरोना काल में इंस्पेक्टर शारदा सिंह का निधन हुआ था उस वक्त इस सूचना के साथ फोटो शारदा सिन्हा की शेयर कर दी गई थी। इसके बाद 5 सिंतबर 2022 को भी उनके निधन की झूठी खबर सामने आई थी।

जानें इस बार कैसे फैलाई गई झूठी खबर?

इस बार मुबंई में 60 से 70 के दशक की मशहूर पाश्व गायिका शारदा राजन का 86 वर्ष की उम्र में 14 जून को निधन हो गया। इसकी जानकारी को सोशल मीडिया पर शारदा सिन्हा की तस्वीर लगाकर पोस्ट कर दी गई। इस झूठी खबर से शारदा सिन्हा का पूरा परिवार न केवल परेशान है बल्कि बेहद आहत है। उनके बेटे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लाइव आकर इस झूठी खबर की कड़ी निंदा की।

ना दुल्हन ने उठाया फोन, ना मिले रुपये, परेशान दुल्हे ने दर्ज कराया फर्जी शादी का केस, दबोचे गए 5

वाराणसी, 17 जून (एजेंसियां)। ऐसा फिल्मों में देखा जाता है, जिसे हकीकत में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ठग गिरोह ने कर दिखाया है। दुल्हन, कोर्ट मैरिज के कागजात सब नकली उसके बावजूद राजस्थान के युवक से शादी करा एक लाख 60 हजार रुपये हड़प लिए। इसके बाद दुल्हन सहित सभी का मोबाइल फोन बंद हो गया। इस फर्जी शादी मामले में वाराणसी पुलिस ने ठग दुल्हन सहित 5 को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले पर वरुणा जोन के डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि इन सभी पर गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सभी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

दरसअल, पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब राजस्थान के जयपुर निवासी महेश कुमार ने 15 जून की रात कैंट थाने में तहरीर दी थी कि 12 जून को उसकी शादी वाराणसी के कोर्ट में फर्जी तरीके से कराई गई और उसके लिए उससे एक लाख 60 हजार रुपये भी वसूला गया। उसके बाद विदाई के समय दुल्हन सहित सभी का फोन बंद है, जिसके बाद कैंट पुलिस ने 5 नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज अपनी जांच शुरू की।

हमने नहीं पहनी हैं चूड़िया, मजारों को नुकसान पहुंचाया तो...

उत्तर काशी पर तौकीर रजा का भड़काऊ बयान

काशी, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर काशी से मुसलमानों के पलायन का मद्दा गरमाता जा रहा है। मुसलमानों के पलायन के मुद्दे पर इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने भड़काऊ बयान देते हुए धामी सरकार को खुलेआम चेतावनी दी।

इतना ही नहीं, लव जिहाद पर बड़ा बयान दिया।

मौलाना तौकीर रजा प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, कोई मुसलमानों को मजबूर ना करे, नहीं तो एक्शन का रिएक्शन होने में देर नहीं लगेगी।' उन्होंने कहा कि अगर मजारों को नुकसान पहुंचाया तो हमने चूड़ियां नहीं पहनी हैं। हम उत्तराखंड कूच करेंगे और धामी सरकार का घेराव करेंगे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम अपनी मजारों, मस्जिदों और मदरसों पर बुलडोजर नहीं चलने देंगे। हालांकि, उन्होंने बोलते हुए कहा कि अगर तोड़ना है तो उन सभी निर्माण को तोड़ा जाए जो 1921 के बाद बने हैं। वहीं, लव जिहाद पर बोलते हुए कहा कि यह भगवा लव ट्रैप है। आईएमसी के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि उत्तराखंड में जो कुछ हो रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। धामी सरकार को समय रहते इसका संज्ञान लेकर उचित

कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तराखंड में जो कुछ हो रहा है वो पूरे हिंदुस्तान में कराना चाहते है। उन्होंने बोलते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार यह तय करे कि वह शांति चाहती है या विरोध। जहां 200 साल पहले मजार थी, अब वह अवैध कैसे हो गई। मजार पहले थी, सरकार के पास जमीन बाद में आई। नियम के मुताबिक, 1921 से पहले तक के धार्मिक स्थल वैध हैं। बाद के बने सभी धर्मस्थल अवैध हैं। ऐसे सभी धर्मस्थलों पर कार्रवाई करें तो हम सरकार का साथ देंगे। इस दौरान उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल को देशद्रोही करार दिया। कहा कि इन संगठनों पर एक्शन होना चाहिए।

25 जून को नोएडा आएंगे योगी आदित्यनाथ, करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

नोएडा, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को नोएडा आएंगे। वह मोदी सरकार के 9 वर्ष के उपलब्धियों को गिनाने के लिए नोएडा के रामलीला मैदान पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। हालांकि जनसभा स्थल अभी फाइनल नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि नोएडा स्टेडियम में रामलीला मैदान पर ही सभा होगी। इस दौरान करोड़ों रुपये की शहर की कई महत्वकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। लंबे समय से लोग जिस पर्थला खंजरपुर ओवरब्रिज के खुलने का इंतजार कर रहे थे, उसका इंतजार भी 25 जून को समाप्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ओवर ब्रिज का उद्घाटन कर इसे आम जनता के लिए खोल देंगे। इससे ग्रेटर नोएडा वेस्ट और रिपब्लिक क्रॉसिंग में रहने वाले लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। अभी नोएडा आने में उन्हें लंबे जाम से जूझना पड़ता है, जिससे लोगों को हर रोज भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि लोगों ने 5 दिन पहले खुद ही पुल को खोलते हुए आवागमन शुरू कर दिया था, लेकिन प्राधिकरण अधिकारियों ने कुछ समय बाद ही उसे फिर से बंद कर दिया। इसके कारण भी मुख्यमंत्री द्वारा पुल का उद्घाटन कराना था।

जेल में बंद सटोरिए अनिल जयसिंघानी को झटका

ईडी ने 3 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति की कुर्क

अहमदाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। गुजरात के सटोरिए अनिल जयसिंघानी को बड़ा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल जयसिंघानी की 3 करोड़ 40 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली है। ईडी के एक अधिकारी ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि पीएमएलए एक्ट के तहत मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी अनिल जयसिंघानी की 3 करोड़ 40 लाख की संपत्ति को कुर्क कर लिया गया। अनिल के खिलाफ एक चार्जशीट भी दाखिल की गई है। यह केस साल 2015 में गुजरात के वडोदरा में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि अनिल जयसिंघानी ने क्रिकेट बेटिंग के साथ-साथ ही ये प्रॉपर्टी फ्रॉड तरीके से कमाई थी।

जिसके बाद ईडी ने साल 2015 में अनिल को समन भेजा था, लेकिन पीएमएलए एक्ट से जुड़े इस केस में सहयोग न करने के बाद उसके खिलाफ गैर जमानती वारेंट जारी किया गया। इसके साथ ही 2015 में ईडी की गुजरात यूनिट ने जयसिंघानी के दो घरों में छापेमारी भी की थी और उसके खिलाफ केस दर्ज किया था, लेकिन वह तब पकड़ा नहीं गया था। आरोपी अनिल साल 2015 से फरार चल रहा था, जिसके बाद ईडी ने उसे इस साल अप्रैल महीने में गिरफ्तार किया।

कितने करोड़ की संपत्ति हुई कुर्क

सटोरिए अनिल जयसिंघानी को ईडी ने 18 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार किया था और उसकी जमानत याचिका को अहमदाबाद के पीएमएलए कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद अब 9 जून को ईडी ने अनिल जयसिंघानी के घर पर छापेमारी की कार्रवाई की और 17 जून को आरोपी की 3 करोड़ 40 लाख रुपये की संपत्ति को कुर्क किया गया। बता दें कि अनिल जयसिंघानी एक चर्चित बुकी है और उल्लासनगर का रहने वाला है। अगर केस की बात की जाए तो अनिल के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में कुल 17 केस दर्ज हैं। करीब 8 सालों से फरार चल रहा अनिल इसी साल के अप्रैल महीने में आखिरकार ईडी के हाथों लग गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अंकल जबरन छत पर ले गए थे,नाबालिग की झूठी शिकायत के आधार पर डिलीवरी पार्टनर की पिटाई

बेंगलुरु, 17 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक नाबालिग लड़की के झूठे आरोप के कारण अपार्टमेंट के निवासियों और गार्ड ने एक फूड डिलीवरी पार्टनर की पिटाई कर दी। दरअसल, 8 साल की लड़की ने आरोप लगाया कि डिलीवरी बॉय उसको जबरन बिल्डिंग की छत पर ले गया था। बाद में जब सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को चेक किया गया तो पता चला की लड़की झूठ बोल रही थी। घटना 12 जून को बेंगलुरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी के एक अपार्टमेंट की है। एक दंपत्ति अपनी लापता बेटी की तलाश कर रहे थे और वो उन्हें अपार्टमेंट की छत पर मिली। नाबालिग बेटी ने अपने माता-पिता को बताया कि एक फूड डिलीवरी एजेंट उसे जबरन छत पर ले गया था

साम्प्रदायिक नफरत के शिकार परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देगी राज्य सरकार

बेंगलुरु, 17 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस 19 जून को राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले में कथित प्रतिशोध और सांप्रदायिक हत्याओं के पीड़ितों को 25-25 लाख रुपये का चेक सौंपेगी। इस संबंध में शुक्रवार रात एक आदेश जारी किया गया है। गौरतलब है कि पिछली भाजपा सरकार ने आलोचना के बावजूद पीड़ितों के परिवारों की ओर से आंखें मूंद ली थी और केवल हिंदू परिवारों को भारी मुआवजा दिया था। बेल्लारे में मसूद के परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से मुआवजा दिया गया है। मसूद 19 जुलाई, 2022 को मारा गया था। कटिपल्ला निवासी मोहम्मद फाजिल की 28 जनवरी 2022 को हत्या; 24 दिसंबर, 2022 को अदुल जलील की मौत; दीपक राव ने 3 जनवरी, 2018 को मारा गया था।

सालों से मुस्लिम पीड़ित परिवार मुआवजे की मांग कर रहे हैं। पीड़ितों के परिवार को 19 जून को बेंगलुरु के कृष्णा में मुख्यमंत्री कार्यालय में मुआवजे की राशि दी जाएगी। डीजी और आईजीपी ने कर्नाटक के मुख्य सचिव को मुआवजा देने के लिए पत्र लिखा था। भाजपा सरकार ने न केवल अल्पसंख्यकों को मुआवजे से वंचित रखा, बल्कि पार्टी या व्यवस्था का कोई भी प्रतिनिधि परिवार वालों से नहीं मिला और उन्हें दिलासा नहीं दिया। हिंदू धर्म से संबंधित पीड़ितों के घरों के सामने राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के भाजपा नेताओं की कतार लगी हुई है। हिजाब संकट के चरम पर बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्ष की हत्या कर दी गई और मसूद की मौत का बदला लेने के लिए भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रवीण कुमार नेतरू की हत्या कर दी गई। इस मामले में दोनों परिवारों को सरकार द्वारा मुआवजा दिया गया था।

घटिया राजनीति के लिए मां सीता और राम का अपमान

आप ने फिल्म आदिपुरुष पर जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने फिल्म आदिपुरुष को लेकर नाराजगी जाहिर की है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि आज मैं पीसी बहुत दुख के साथ कर रहा हूं। बीजेपी अपनी घटिया राजनीति के लिये मां सीता और श्री राम का अपमान कर रही है। मां सीता, श्री राम और हनुमान का नाम लेते ही सभी हिंदुओं का सिर सम्मान से झुकता है। हमारे भगवान पर घटिया फिल्म बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि फिल्म के डायलॉग घटिया हैं। ऐसे घटिया डायलॉग से हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत करने का काम किया है। एक सीन कल्पना के आधार पर है कि माता सीता को छुरी मार दी जाती है। कल्पना के आधार पर क्या कुछ भी दिखा सकते हो। कल्पना के आधार पर रामचरितमानस के आधार को बदल दोगे।

आप ने फिल्म आदिपुरुष का लेकर जताया विरोध

बीजेपी नेताओं पर निशाना साधते हुए आप सांसद ने आगे कहा कि फिल्म पुष्कर धामी, नरोत्तम मिश्रा, सीएम योगी, शिवराज चौहान, एकनाथ शिंदे, मनोहर लाल खट्टर के आशीर्वाद से बनी है। ये लोग ना राम के हैं, न आम के हैं और न किसी काम के। इस फिल्म में सड़कछाप भाषा का इस्तेमाल किया गया है। धर्म में भी ये पार्टी लफंगई दिखा रही है। बीजेपी ने भगवान राम, माता सीता और भगवान हनुमान का अपमान एक फिल्म बनवा कर किया है।

पीएम मोदी से की माफी की मांग

संजय सिंह ने पीएम मोदी से माफी की मांग करते हुए कहा कि अमित शाह, पीएम मोदी, जेपी नड्डा समेत बीजेपी नेताओं को भगवान का अपमान करने के लिए सभी हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। रामायण पर आधारित चर्चित फिल्म आदिपुरुष शुक्रवार को रिलीज हो गई है। इस दौरान कई सिनेमाघरों में दर्शकों की काफी भीड़ रही। हालांकि, फिल्म को इसके वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) की गुणवत्ता और कुछ डायलॉग के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है।

बागेश्वर धाम महंत धीरेन्द्र शास्त्री से मिले बिना लौटीं शिवरंजनी

छतरपुर, 17 जून (एजेंसियां)। गंगोत्री से जल भरकर पदयात्रा कर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिला स्थित बागेश्वर धाम के महंत कथावाचक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से मिलने के पहुंची एमबीबीएस की छात्रा शिवरंजनी शनिवार को उनसे बिना मिले ही वापस लौट गई। शिवरंजनी शुक्रवार देर रात बागेश्वर धाम पहुंची थी, जहां उन्होंने जल चढ़ाया। इसके बाद वह पंडित धीरेन्द्र शास्त्री से बिना मिले वापस लौट आई। इस दौरान शिवरंजनी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वह पंडित धीरेन्द्र शास्त्री से शादी की इच्छा लेकर नहीं आई थी। वह बागेश्वर धाम के दर्शन करने पहुंची थी। शिवरंजनी तिवारी एमबीबीएस की छात्रा हैं और भजन गायिका के तौर पर जानी जाती हैं। शिवरंजनी के पिता पंडित बैजनाथ तिवारी का दावा है कि उनके परिवार का संबंध मध्य प्रदेश के सिवनी में जन्मे ब्रह्मलीन जगदगुरुस्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज से जुड़ा हुआ है। पैतृक गांव चंदौरीकला दिघौरी) है, जो सिवनी में पड़ता है। हालांकि शिवरंजनी तिवारी का परिवार पिछले 25 साल से हरिद्वार में रहता है। शिवरंजनी गत एक मई को कुछ साथियों के साथ गंगोत्री से जल भरकर कलश यात्रा पर निकली थीं। वह पदयात्रा करते हुए बीते गुरुवार को छतरपुर पहुंची थी। यहां आने पर उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज कराने के बाद अस्पताल से शुक्रवार को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद वह देर रात बागेश्वर धाम पहुंची। यहां उन्होंने बागेश्वर धाम में जल चढ़ाया और फिर धीरेन्द्र शास्त्री से बिना मिले ही वापस लौट गईं।

कूचबिहार में केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक की कार पर हमला

टीएमसी समर्थकों पर लगाया आरोप, कहा- पुलिस की मिलीभगत

कोलकाता, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक की कार पर हमला हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी कार पर टीएमसी समर्थकों ने तीर से हमला किया था। उन्होंने पुलिस पर टीएमसी समर्थकों की मदद करने का आरोप लगाया है। पंचायत चुनाव का नामांकन शुरू होने के बाद से ही पश्चिम बंगाल में अलग-अलग जगहों पर हिंसा जारी है। शनिवार को नामांकन की स्क्रूटनी के आखिरी दिन कूचबिहार में बीजेपी और टीएमसी के समर्थक भिड़ गए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक भी वहां मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी समर्थकों ने उनकी कार पर हमला किया था।

बीजेपी ने राज्यपाल को दी जानकारी

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक के ऊपर हुए हमले के बारे में राज्यपाल सीवी आनंद बोस को जानकारी दी है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने एएनआई को बताया, मैंने राज्यपाल को हिंसा के बारे में सब कुछ बताया। उन्होंने हमें कहा है कि पंचायत चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को रोकने के लिए सभी सक्रिय और प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने हमसे कहा कि सारे इंतजाम किए जाएंगे। वह (राज्यपाल) अनुभव लेने के लिए मैदान में गए थे।

बीरभूम में मिले बम

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर कई जगहों से हिंसी की खबरें आई हैं। शनिवार (17 जून) को बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में 28 क्रूड बम मिलने से हड़कंप मच गया। जिले में लगातार दो दिनों में दूसरी बार बम बरामद हुए हैं। इसके पहले शुक्रवार को भी 20 बम बरामद हुए थे, जो टीएमसी के एक दफ्तर के पीछे बने घर में मिले थे। 16 जून को राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 24 परगना जिले में हिंसा प्रभावित भंगोर का दौरा किया था। भंगोर में नामांकन को लेकर हुई झड़प के बाद हिंसा भड़क गई थी। दौरे के बाद राज्यपाल ने कहा था कि राजनीतिक हिंसा खत्म होनी चाहिए। चुनाव में जीत वोट की गिनती के आधार पर होनी चाहिए न कि शवों के आधार पर।

बुजुर्ग महिला की हत्या और लूट के मामले में क्राइम ब्रांच ने एक को दबोचा

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने यमुनापार के जफराबाद इलाके में हुई बुजुर्ग महिला की हत्या और लूट के सनसनीखेज मामले को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान अजमल अंसारी के रूप में हुई है। यह दिल्ली के सुभाष मोहल्ला का रहने वाला है। स्पेशल सीपी रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि जाफराबाद में जिस घर में लूट और हत्या की वारदात हुई थी। वहां पर जब क्राइम ब्रांच की टीम ने छानबीन की तो पता चला कि पांच अनजान शख्स घर के आस-पास आते-जाते हुए देखे गए। जो इस मामले में संदिग्ध लग रहे थे। उन सभी संदिग्धों की फोटो निकाल करके पुलिस ने अपने सोर्स को दिए। पुलिस को जानकारी मिली कि इनमें से एक व्यक्ति नूर-ए-इलाही इलाके में हुलिया बदल कर रहा है। इसके बाद डीसीपी सतीश कुमार की देखरेख में एसीपी राजकुमार साह की टीम ने उस सूचना पर पूरी जानकारी इकट्ठा करने के बाद वहां पर छापा मारकर आरोपी अजमल अंसारी को धर दबोचा। उसने पुलिस को पूछताछ में बताया कि जाहिद और शाहिद दोनों जुड़वा भाई हैं। वे अपनी खाला शमीमा बेगम के घर में रह रहे थे। दोनों ने मृतक महिला से 10 लाख रुपए उधार लिए थे और उधार के पैसे वापस नहीं कर रहे थे। जिसके लिए मृतका शमीमा बेगम ने दबाव डालना शुरू कर दिया था। उस कर्ज से छुटकारा पाने के लिए जाहिर और शाहिद ने अपनी खाला की हत्या करने की साजिश रची। इस साजिश को अंजाम देने के लिए उन्होंने अजमल, नाजिम और रंजीत से संपर्क किया और घर में लूटपाट कर शमीमा बेगम की हत्या करने की प्लानिंग की। पुलिस को भनक ना लगे इसके लिए जाहिद वारदात वाले समय घर पर ही रहा।

राज्यों में सीबीआई और ईडी एंट्री पर बैन, केवल सियासत या फिर होगा इम्पैक्ट

कोलकाता, 17 जून (एजेंसियां)। विपक्षी पार्टियां केंद्र में शासित भाजपा सरकार पर सीबीआईऔर ईडी का दुरुपयोग का लगातार लगाते रही है। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के मुद्दे पर 14 राजनीतिक पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दी थी। अब तमिलनाडु सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा एक्साइज मंत्री सेंथिल बालाजी की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी के बाद राज्य में केंद्रीय एजेंसियों की एंट्री पर बैन लगा दी है। तमिलनाडु में बैन लगाने के बाद अब बिहार में भी केंद्रीय एजेंसियों पर बैन लगाने की मांग महागठबंधन के नेताओं ने उठानी शुरू कर दी है। केंद्रीय एजेंसियों के बैन के मुद्दे पर बिहार में भाजपा के नेता और महागंठबंधन के नेता आमने-सामने हैं। बिहार में महागठबंधन के सभी दल ईडी और सीबीआई की एंट्री की मांग कर रहे हैं और इस बाबत कानून बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा इसके खिलाफ है और इसे लेकर जुबानी जंग शुरू हो गयी है। बता दें कि फिलहाल आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मिजोरम, राजस्थान, केरल, छतीसगढ़, पंजाब और तेलंगाना जैसे कुछ राज्य हैं, जिन्होंने कानून बनाया है कि उनके यहां सीबीआई या ईडी की एंट्री बिना राज्य सरकार की अनुमति नहीं हो सकती है और अब इस कड़ी में तमिलनाडु की सरकार भी शामिल हो गयी है।

तमिलनाडु के बाद बिहार में उठी सीबीआई-ईडी की एंट्री पर बैन की मांग

एक्साइज मंत्री सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु की सरकार ने सीबीआाई को दी गई सामान्य सहमति को वापस ले लिया है और सीबीआई को अब दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत अनुमति लेनी होगी यानी अब उपरोक्त राज्यों की तरह ही अब तमिलनाडु में भी बिना राज्य सरकार की अनुमति के सीबीआई कोई भी मामला अपने हाथ में नहीं ले पाएगी। नीतीश कुमार और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को छोड़कर बहुत कम ऐसे विपक्षी पार्टी के नेता हैं, जिनके खिलाफ ईडी या सीबीआई जांच नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में लालू प्रसाद यादव के परिवार में तेजप्रताप यादव को छोड़कर परिवार के लगभग हर सदस्य के खिलाफ ईडी या सीबीआई जांच हो रही है। इसी तरह से पश्चिम बंगाल में भी सीएम ममता बनर्जी के परिवार के सदस्यों में से अभिषेक बनर्जी, उनकी पत्नी रुजिरा बनर्जी सहित कई टीएमसी नेताओं के खिलाफ सीबीआई और ईडी जांच चल रही है। ये नेता कई बार ईडी और सीबीआई के कार्यालय में हाजिर भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि आरजेडी के नेता आरोप लगाते हैं कि जिस दिन से बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी है। उसी दिन से सीबीआई और ईडी की सक्रियता बढ गयी है। उसी तरह से ममता बनर्जी कहती हैं कि बीजेपी में शामिल होने वाले नेताओं पर ईडी और सीबीआई कार्रवाई नहीं करती है। वे वाशिंग मशीन में धुल जाते हैं। लेकिन विपक्षी पार्टियों के खिलाफ प्रतिशोधात्मक तरीके से कार्रवाई की जाती है।

ईडी-सीबीआई पर बैन की मांग में सियायत ज्यादा इम्पैक्ट कम

उन्होंने कहा कि ऐसे में स्वाभाविक है कि जिन पार्टी के नेताओं के खिलाफ सीबीआई या ईडी की जांच चल रही है। वे इस पर रोक लगाने की कोशिश करें। विपक्षी पार्टियां इसके पहले भी इस मुद्दे पर एकजुट होते रही हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सीबीआई या ईडी के राज्यों में बैन लगने से क्या कार्रवाई पर लगाम लग जाएगी। ऐसा नहीं है, क्योंकि यदि राज्य सरकार अनुमति नहीं दे तो हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है और हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सीबीआई या ईडी की जांच शुरू हो सकती है। पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में इस तरह के उदाहरण हैं कि जब राज्य सरकारों ने सीबीआई या ईडी जांच की अनुमति नहीं दी, लेकिन बाद में हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह जांच हुई। जैसे बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में राज्य सरकार ने सीबीआई और ईडी जांच का विरोध किया। इसी तरह से नारदा स्टिंग मामले या सारदा चिटफंड मामले की जांच का राज्य सरकार ने सीबीआई जांच का विरोध किया था, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद इनकी जांच सीबीआई और ईडी से हो रही है। उन्होंने कहा कि वास्तव में ईडी और सीबीआई पर बैन की मांग या बैन करना केवल एक सियासत है, जिसके माध्यम से विपक्षी पार्टियों केंद्र में शासित भाजपा सरकार पर दवाब बनाने की कोशिश करती है और मामले को विलंबित करने की कोशिश करती हैं, लेकिन इसका इम्पैक्ट शायद बहुत कम है, जितनी मांग की जा रही है।

मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये देगी बीजेपी एससी-एसटी आयोग के सामने भी उठाएगी मामला

शिमला, 17 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में हुए मनोहर हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है। प्रदेश भर में मनोहर को न्याय देने की गुहार लगाई जा रही है। इसके लिए चंबा के साथ प्रदेश भर में प्रदर्शन भी हो रहे हैं। इस सबके बीच हिमाचल बीजेपी ने मृतक मनोहर के परिवार की मदद के लिए 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने चंबा में प्रदर्शन के दौरान कहा कि इस राशि से मनोहर के घर-परिवार को गुजर-बसर करने में मदद मिल सकेगी। जयराम ठाकुर उस वक्त लोगों के एक समूह को संबोधित कर रहे थे, जब उन्हें मृतक मनोहर के घर पर जाने से रोका गया था। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा था कोई नुमाइंदा पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए नहीं पहुंचा। जयराम ठाकुर ने मनोहर हत्याकांड को दिल दहला देने वाली घटना बताया। मृतक मनोहर को न्याय दिलाने के लिए हिमाचल बीजेपी आज प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर रही है। यह प्रदर्शन मनोहर को न्याय दिलाने और जघन्य अपराध के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए किया जाएगा।

इसके बाद हिमाचल बीजेपी के कार्यकर्ता जिला उपायुक्तों के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भी भेजेंगे। लोकसभा सांसद सुरेश कश्यप ने कहा है कि भाजपा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के समक्ष भी इस मामले को उठाएगी। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल का ताल्लुक अनुसूचित जाति से था। मनोहर लाल की हत्यारों ने बर्बरतापूर्ण तरीके से हत्या कर दी। उन्होंने मृतक मनोहर के परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

वहीं, भाजपा के राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार ने इस मामले को आयोग के सामने उठाने के साथ प्रदेश सरकार से पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी देने की मांग की है। वहीं, हिमाचल प्रदेश सरकार में जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के नजदीक आता देख भाजपा हिमाचल प्रदेश में धर्म की राजनीति पर उतारू हो गई है। भाजपा नेताओं को इस मामले को हिंदू-मुस्लिम मामला नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा षड्यंत्र के तहत साजिश रच रही है। कानून अपना काम कर रहा है।

युवती के मंगेतर को अश्लील मैसेज करने वाला गिरफ्तार मॉर्फ्ड तस्वीरों की वजह से टूट गई पीड़िता की सगाई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने एक लड़की को परेशान करने के आरोपित 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास के एक मोबाइल और एक सिम कार्ड बरामद हुआ है। युवक पर आरोप है कि उसने एक युवती की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उसे बदनाम किया, जिससे उसकी सगाई टूट गई। पुलिस ने बताया कि मार्च के महीने में द्वारका में ऑनलाइन एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से एक शिकायत मिली थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि एक फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से उनके मंगेतर को अश्लील संदेश मिले हैं। साथ ही आरोपित ने उसकी और उसके परिवार की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उन्हें बदनाम किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि इन अश्लील मैसेज और मॉर्फ्ड तस्वीर की वजह से उसकी सगाई टूट गई।

साढ़े आठ करोड़ की डकैती की मास्टरमाइंड डाकू हसीना उत्तराखंड से गिरफ्तार, पति भी काबू

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। लुधियाना पुलिस और काउंटर इंटेलीजेंस यूनिट ने सीएमएस कंपनी से साढ़े आठ करोड़ की लूट की मास्टरमाइंड मनदीप कौर मोना उर्फ डाकू हसीना और उसके पति जसविंदर सिंह को उत्तराखंड से गिरफ्तार कर लिया है। डीजीपी पंजाब ने ट्वीट कर पुलिस की पीठ थपथपाई। डीजीपी ने कहा कि करोड़ों की डकैती को सुलझाने के लिए पुलिस टीमों ने एक पेशेवर और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया।

खुद को वकील बताती थी मनदीप

लूट की मास्टरमाइंड मनदीप कौर मूल रूप से लुधियाना के डेहलों की रहने वाली है। उसकी मुलाकात बरनाला के जसविंदर से सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर हुई थी। दोनों में वहीं से दोस्ती हुई और फरवरी में शादी कर ली। मंदीप कौर खुद को वकील प्रमोट करती थी, जबकि उसने एक दुष्कर्म का मामला किसी पर दर्ज कराया था उसकी पेशी भुगतने के लिए वह लुधियाना अदालत आती थी। जसविंदर ने भी सभी रिश्तेदारों और दोस्तों में मंदीप कौर को वकील ही बता रखा था। उसने मंदीप के चक्कर में कोकटेल बनाने का काम भी छोड़ दिया था और कोई दूसरा काम ढूंढ रहा था ताकि शार्टकट तरीके से पैसा कमा सके। लूटकांड का दूसरा मुख्य आरोपी मनजिंदर मंनी अदालत में लगे एटीएम में पैसे डालने आता था तो वहां उसकी मुलाकात मनी से हुई और दोनों की दोस्ती हो गई। इसके बाद मंदीप कौर ने लूट की योजना बनानी शुरू कर दी, उसने मनजिंदर से बात की और अपने पति को भी शामिल कर लिया। पुलिस के मुताबिक मंदीप और मनजिंदर में गहरी दोस्ती हो गई थी। उसने मनी से सारे भेद ले लिए कि कंपनी में कितनी नकदी होती है और क्या सिस्टम है। इसके बाद मंदीप कौर ने अपने पति और भाई सहित सात लोगों को लूट के लिए तैयार किया, जबकि बाकी लोगों को मनजिंदर मनी ने तैयार करना था। जब सभी लोग तैयार हो गए तो लूटकांड को अंजाम देने का समय तय कर लिया गया और लूट की गई।

चार माह की प्लानिंग के बाद की थी लूट

आरोपियों ने करीब चार महीने तक का इंतजार किया। मनजिंदर मनी को इतना तो पता था कि शुक्रवार को कंपनी के दफ्तर में कैश ज्यादा होता है। जिस दिन लूट करनी थी उस दिन कैश भी करीब 11 करोड़ रुपये पड़े थे और मनजिंदर को यह भी पता था कि दो सुरक्षा कर्मचारी डबल ड्यूटी कर रहे हैं और एक सो रहा होगा। इसके बाद उन्हें आस नजर आई कि अब लूटकांड को अंजाम दिया जा सकता है। आरोपियों ने सुरक्षा कर्मचारियों की थकावट का फायदा उठाया और लूटकांड को अंजाम दे दिया।

टेस्ट क्रिकेट के करिश्माई गेंद्बाज़ : रविचंद्रन अश्विन

अतुल कुमार

विश्व टेस्ट चैंपियन शिप के फाइनल मैच में आस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रन से हरा दिया । इंग्लैंड में खेले गये आई सी सी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी सुप्रीमेसी स्थापित करने का टीम इंडिया ने अच्छा मौका गंवाया । दो वर्ष पूर्व भी फाइनल में पहुंच वह न्यूज़ीलैंड से पराजित हुई । उम्मीद थी कि इस बार प्रतिष्ठित खिताब को जीत अपनी धाक जमायेगी । लेकिन उसमें डिफ़ीट मिली । यह इसलिये अखर रही है क्यों कि क्रिकेट प्रेमियों ने महामारी से मुक्ति पाने के बाद इस मैच से बडी उम्मीदें लगा रखी थीं । डे वन से ही उम्मीदें बंधी कि अब की बार इस नामी पांच दिनों के मुकाबले में जीत मिलेगी । सारी आशाओं पर पानी फिर गया और साख को धक्का लगा । आई पी एल के तुरंत बाद अधिकतर खिलाडियों ने हाली डे मूड में सीरीयस और बडे टेस्ट मैच को हल्के में खेला जिससे जीतने का सपना चकनाचूर हुआ ।किस्मत पूरी तरह साथ दे रही थी टास जीत कर भी गेंद बाज़ी को चुनना , दुनिया में टेस्ट क्रिकेट के नंबर एक गेंदबाज़ रविचंद्रन अश्विन के होते हुए भी उसे पवेलीयन में बैठाये रखना और शुरु से ही मैच पर कोई डामिनेशन न रखना खेल प्रेमियों को उदास कर गया ।

जिस खिताब को जीतने के लिये कंगारु कई महीनों से तैयारी कर रहे थे उसे छोड टी 20 मैचों पर ही जिसका ध्यान लगा हो उसके लिये किसे दोष दिया जाए । इस फाइनल मैच का क्रिकेट प्रेमियों को बेसब्री से इंतज़ार था क्यों कि दुनिया में इससे प्रतिष्ठा बढती जिसे इग्नोर किया गया । मैच ड्रा होंगा इसे भूलना होगा क्यों कि अब रेसल्ट ओरीयेंटेड पिचें ही बन रही हैं इसलिये पिच रीडींग को इंपार्टेंस देना होगा आखरी दिन केवल 55 रनों में छः विकेट निबट गये ।यह किसकी भूल है सोचिये ?

मैच के नतीजे से पहले और बाद जिस खिलाडी को सबसे ज़्यादा याद किया जा रहा है वह एकमात्र खिलाडी रविचंद्रन अश्विन हैं जिन्होंने मैच न खेलते हुए भी क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में पहाड जैसी जगह बनायी है । टेस्ट क्रिकेट में लगभग सभी उनकी उपलब्धियों से वाकिफ है । कामन फीलींग है कि अश्विन होते तो मैच का पासा पलट सकता था । चारों ओर उनकी चर्चा होना स्वाभाविक है । आस्ट्रेलियाई बैटर अश्विन की बोलिंग से थर्रा बार बार अपने खेल की शैली में बदलाव करते हैं उनकी टाप लाइन अप को ध्वस्त करने में अश्विन ने बीते दस सालों में जो शोहरत पायी उसे भुलाया नहीं जा सकता । 13 वर्षों के अंतर्राष्ट्रीय कैरीयर में उन्होंने 90 टेस्टों में 474 विकेट लेने का कीर्तीमान बनाया। ।इनमें 31 बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं भारतीय गेंदबाज़ों में अनिल कुंबले (619) विकेट के बाद वह दूसरे स्थान पर हैं । पारी में सबसे अधिक पांच विकेट लेने के मामले में अग्रणी स्थान पर हैं

आस्ट्रेलिया के खिलाफ अश्विन 20 टेस्ट में 103 विकेट ले चुके हैं ।फिर भी फाइनल मैच खेलने वाली टीम में उन्हें नहीं चुनना अटपटा लगा । उनकी बोलिंग के जादू का पता आप इसी बात से लगा सकते हैं कि टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले शीर्ष नौ गेंदबाज़ों में उनका बोलिंग स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर है ।टेस्ट में बोलिंग स्ट्राइक उसे कहते हैं कि गेंदबाज़ कितनी गेंदों के अंतराल पर विकेट लेता है ।अश्विन का बोलिंग स्ट्राइक रेट 51 ।7 है अर्थात औसतन टेस्ट में वह हर 51।7 गेंद पर एक विकेट लेते हैं इस मामले में आस्ट्रेलिया के शेन वार्न और श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन को वह पीछे छोडते हैं क्यों कि उनका स्ट्राइक रेट क्रमशः 55।00 और 57।4 का है ।अपने देश में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध टेस्ट में अश्विन का स्ट्राइक रेट 49।8 गेंद है ।

सन 2011 में टेस्ट डेब्यू किया तब से लगातार नये रिकार्ड बना रहे हैं और कई सक्सेस स्टोरीस पर अपने सिग्नेचर कर रहे हैं ।आई सी सी क्रिकेटर आफ द ईयर "का पुरस्कार जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं ।उनके पिता रविचंद्रन रेल्वे में काम किया करते और साथ ही क्रिकेट खेला करते उन्हीं से प्रभावित हो क्रिकेटर बने । पहले ही टेस्ट में वेस्ट इंडीज़ के विरुद्ध 9 विकेट लिये जो नरेंद्र हिरवानी के बाद किसी भारतीय का पहले मैच में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है ।उस मैच में अश्विन ने मैनआफ द मैच का खिताब हासिल कर खेल में धमाकेदार एंट्री की जिसे देख क्रिकेट प्रेमी हैरान हुए । 18 वे टेस्ट मैच में 100 वां विकेट लिया ।

सन 2017 से 2019 के बीच उन्हें कई चोटें लगीं जिससे असहनीय दर्द होता उसे झेलते हुए भी इस अनुभवी आफ स्पिनर ने न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध घरेलू टेस्ट सीरीज़ को जीतने में अहम भूमिका निभायी दो टेस्ट में 14 विकेट लिये जिसके लिये उन्हें प्लेयर आफ द सीरीज़ चुना गया ।अश्विन की मास्टर क्लास कैसे काम करती है उसे इसी प्रसंग से समझा जा सकता है कि पिछली बार बार्डर – गावस्कर ट्राफी खेलने आस्ट्रेलियाई टीम भारत आयी तो उसने सीरीज़ शुरु होने के पहले एक डुप्लिकेट अश्विन को हायर किया ताकि वह अश्विन की घातक गेंद्बाज़ी को समझ पाएं लेकिन उनका यह पैंतरा फेल साबित हुआ और असली अश्विन के सामने उन्होंने घुटने टेक दिये । उनकी चतुर गेंदें बैटर को ड्राइव करने के लिये उकसाती हैं अपनी बोलिंग स्ट्रैटेजी को जिस खूबी से बदलते हैं उसे समझने में बल्लेबाजों को खेल कौशल के साथ दिमागी कसरत अधिक करनी पडती है।

17 सितंबर 1986 को चेन्नई में जन्मे इस राइट आर्म आफ स्पिन बोलर ने कैरीयर की शुरुआत बल्लेबाज़ के रूप में की इसमें कम मिलती सफलता को देख बतौर आफ ब्रेक स्पिनर अपने को ढाला जिससे उनकी किस्मत का सितारा चमका और क्रिकेट जगत में वह सफलता की सीढियां चढते गये । यद्यपि अच्छे बल्लेबाज़ भी हैं कई मौकों पर बैटिंग़ से टीम के खातों को मज़बूती दी ।ताज्जुब तो यह है कि जिस दिन टीम हारी उसी दिन आई सी सी ने टेस्ट क्रिकेट में विश्व के नंबर 1 गेंदबाज़ के रूप में रविचंद्रन अश्विन के नाम की घोषणा की वह ।सबसे ज़्यादा दिन तक नं एक पर काबिज़ रहने वाले भारतीय गेंदबाज़ बने ।

फाइनल प्लेयिंग इलेवन में उनको शामिल न करना खेल की चयन प्रकृया की नादानी को उजागर कर गया । जिससे खेल को भारी नुकसान झेलना पडा यह किसकी एकाउंटेबिलिटी है ? यह कंपीटीटीव वर्ल्ड है जिसमें पारदर्शिता होनी चाहिये । कई दिग्गज खिलाडियों ने भी कहा कि इस मैच में अश्विन खेलते तो नतीजा कुछ और हो सकता था ।113 वन डे मैचों में उन्होंने 151 विकेट झटके वहीं टी 20 में 65 मैचों में 72 विकेट चटकाये ।

मैच होते रहेंगे लेकिन कुछ मैच ऐसे होते हैं जिनसे इतिहास बनता बिगडता है वह टेस्ट ऐसा ही था जिसे समर्पण , सीरीयसनेस ,और संबल से खेला जाता तो कहानी कुछ और होती टीम में कभी अंदर कभी बाहर का सिलसिला अश्विन के लिये नया नहीं है अन्यथा वह कब के 500 विकेट के फीगर को पार कर चुके होते । सारे अवरोधों के बाद भी उनकी यशस्वी गेंद्बाज़ी जारी है । जिसे देख हम कह सकते हैं वह " टेस्ट क्रिकेट के करिश्माई गेंदबाज़ हैं"।

काव्य कुंज

शब्दों का खेल

कुमुद बाला,
हैदराबाद

अक्षरों की उंगली पकड़ कर
जब गलियों में खेलते हैं शब्द
माहौल बहुत ही सुहाना हो जाता है।
कुछ शब्द झूले पे खड़े होकर
बड़ी - बड़ी पेंग लगाते हैं।
कुछ शब्द एक जगह इकट्ठा होकर
कबड्डी खेलने लग जाते हैं
तो कुछ शब्द छुपा - छुपी खेलते हैं
कभी शब्द गलबहियां थामे
मस्ती के गीत गुनगुना उठते हैं
और कभी शब्दों की डोरी
नई कहानियों का ताना बाना
बुनने में तल्लीन हो जाती हैं।
कभी फूलों के साथ खिलखिला उठते हैं शब्द
कभी किसी के ग़म में अश्रु छलक जाते हैं
शब्द कभी घरौंदा बनाने की बात करते हैं
तो वही शब्द कभी वृक्ष की डाली ही काट
काट डालते हैं और फिर
नया तमाशा देखते हैं।
हर शब्द की द्युति अलग होती है
कभी शब्द रूला जाते हैं
कभी हँसा जाते हैं
कभी डोली में बैठ कर
नई दुल्हन सा शर्माते हैं
आउट कभी आँखों - आँखों मे बात करते हैं
इनकी दुनिया बिल्कुल अलग है।
कहीं गुड़ियों की शादी होती है
तो कहीं दुल्हन किस्मत पर रोती है
ये आसान से लगने वाले शब्द
कब क्लिष्ट हो जाते हैं
पता ही नहीं चलता।
बड़ी अनोखी है इनकी दुनिया
कब तोला और कब माशा हो जाँय
कुछ कहा नहीं जा सकता।
इन अक्षरों के साथ शब्दों का खेल रचाना
कोई आसान काम नहीं बल्कि
सतर्कता बहुत जरूरी है।

ग़ज़ल

रेणुका अग्रवाल

गरज के मुताबिक बदल जाता है आदमी
एक नए माहौल में ढल जाता है आदमी।
आदमी तो आदमी है वो ख़ुदा तो नहीं
पानी से भी कभी जल जाता है आदमी।
बार बार गिर कर भी जो टूट ता नहीं
खड़ा हो फ़िर सम्भल जाता है आदमी।
धूप हो या छाँव बादल हो या बारिश
मौसम के साथ ढल जाता है आदमी।
मन मर्ज़ी चलती ही नहीं सभी की
वक़्त के हाथों छल जाता है आदमी।
गुनहगार बन जाता है मजबूरी में कभी
तो ख़ुदा को भी भूल जाता है आदमी।
इंसान होकर इंसानियत भूलना नहीं कभी
नसल पे कलंक मल जाता है आदमी।
मासूम बनकर मत रहा करो रेणू
हसीन सूरत पे भी फिसल जाता है आदमी।

गरीब का खून।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

एक भरी महफिल थी
काफी सजी महफिल थी
पटाखे फूट रहे थे
दिलों के अरमान खिल रहे थे
सेठ के दौलत खाने में
लोग लगे थे आने जाने में
दावत थी बालू सेठ के बेटी के शादी की
रात शादी की नहीं अन्न की बर्बादी की ।
सजा हुआ था मंडप बफे सिस्टम का
बैठकर नहीं झपट कर खाने का बच्चे छक कर खा रहे थे
आइसक्रीम जमीन में बहा रहे थे ।
एक गरीब बच्चा भूखा नंगा
तन पर नहीं था ढंग का कपड़ा
कर कर रहा था, भूख मिटाने भोजन
जैसे कर रहा था भगवान का भजन ।
तभी सेठ ने उसे पकड़ा मारा झापड़ तगड़ा
बच्चा गिरा मुंह के बल जैसे किस्मत ने किया
उसके साथ छल ।
उसके चेहरे पर आ गई सूजन
चोट से जम गया आंखों में खून
सेठ में चढ़ गया एक जुनून
सेठ को न आइ जरा शर्म
गरीब पर होने लगा और गर्म
जरा गौर फरमाइए अमीरी और गरीबी का
इतना भयानक असंतुलन
सेठ बीमारी से कर नहीं पाता भोजन
गरीब को नहीं मिलता राशन।
इस देश में ऐसा ही होता है
गरीब अपनी इज्जत रोटी के लिए खोता है
सेठ करोड़ों के भ्रष्टाचार, कदाचार में
लगाता गोता है और वहीं गरीब आदमी अपनी
फूटी किस्मत पर जार जार रोता है।

मर्यादा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

है अद्भुत,सौम्य अनंत अपार,
मर्यादा का संसार।
कभी अमर्यादित रिश्तो में
उलझे रिश्तो का संसार।।
रिश्तों की मर्यादा से बंधे
होते खून के रिश्ते,
कई बार मर्यादा ही लांघ जाते, खून के रिश्ते,
आदर्श परिवार की परिभाषा होती है मर्यादा
मर्यादा के दायरे में बखूबी फलते फूलते रिश्ते।
मर्यादित श्रीराम परिवार याद करता संसार।
है अद्भुत,सौम्य अनंत अपार,मर्यादा का संसार।
मर्यादा में जो रहते , बुजुर्गों को देते सम्मान,
बुजुर्ग भी सही राह दिखाएं, तभी पायें मान,
अनुशासित,संयमित जीवन मर्यादा की पहचान
संपूर्ण जीवन मर्यादा में गुजारे वही सच्चे इंसान,
मर्यादा में जो न रह सके जीवन उसका धिक्कार ।
है अद्भुत,सौम्य अनंत अपार,मर्यादा का संसार।।
वेद,पुराण,गीता,रामायण सिखाते हमें मर्यादा,
इतिहास गवाह है,जिस युग में भंग हुई मर्यादा,
राजा, वजीर संग सभी मारे गए हैं प्यादा,
कांप उठी धरा, नुकसान हुआ कुछ ज्यादा,
मर्यादा तोड़ने वाले का, है करना तिरस्कार।
है अद्भुत,सौम्य अनंत अपार,मर्यादा का संसार।।

वो दिन गये कहाँ...?

डॉ डी डी देसाई

बरसात में भीगते बालगोपाल,
कीचड़ से सने कपडे
घर आँगन...वो अनगिनत खेल,
किलकारियों भरे पल... वो समा..
न जाने वो दिन गये कहाँ...?
मिट्टी में खेलना.. नाचना...गाना,
न धुप का असर न बारीश से फर्क,
न भूख की समझ न प्यास की सुध,
पसीने से लथपथ उभरे हुए गाल,
दोस्तों की गालिगलोच भरी जुबान..
न जाने वो दिन गये कहाँ..?
बाबा का डाँटना. कभी पीटना,
माँ का लाड प्यार..वो बहलाना फुसलाना,
खाने की थाली लिए पीछे भागना,
नहला धुला के कंघी करना..
प्यार से गालोंको चूमना..
न जाने वो दिन गये कहाँ..?
आज नोटोंसे भरी है जेब मेरी
पर माँ के हाथों की चवन्नी अनमोल थी।
पिज्जा बर्गर से सजी है मार्केट..
पर मुरमुरे बताशे का बेजोड़ स्वाद
दोस्तों को दिखाते दिनभर खाना ...
न जाने वो दिन गये कहाँ।
अब लगता है जैसे सपने से जगा हूँ,
ख्वाहिशें छोड़ जिम्मेदारी से भागा हूँ।
तंग गलियों का खेल चौबारे का नाटक,
ठेले की मिठाई अब मॉल में ढूंढ़ता हूँ।
बेबाक बेझिझक बेखौफ जीना...
गिरना.. उठना.. फिर संभलना..
न जाने वो दिन गये कहाँ...?

याद

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

मां जब भी तेरी याद आती है
मेरा दामन भीगो जाती है
यह रिश्ता ही कुछ अजीब है
जो इस दिल के बहुत करीब है
जब था मैं छोटा बच्चा सा
सब कुछ लगता था अच्छा सा
एक दिन मेरी वक्त से हुई पहचान
नहीं मालूम था कि
यह बहुत बड़ा शैतान
मेरी उंगली थामे
मुझे अपनों से दूर ले गया
जहां न थी मुझे मेरे अपनों की पहचान
दूसरों को कहते रहे सर जी और भाई जान
बहुत चाहा के लोट जाऊं घर
पर उस शैतान को देख लगता था डर
एक दिन पक्का मुझे वो मुझे
मेरे अपनों के पास ले जाएगा
जहां न होगी मुझे मेरे अपनों की पहचान
बस यह वही साथ छोड़ देगा शैतान
एक दिन जब मैं फिर कभी वापस आऊंगा
इस वक्त से अपना बदला जरूर लेकर जाऊंगा
जब भी तेरी याद आती है मेरा दामन भीगो जाती है।।

हम जैसे भी हैं अच्छे हैं

पद्मजा श्रीवास्तव

हम जैसे भी हैं अच्छे हैं
हर हाल में खुश हैं
क्यों देखें दूसरों को
हम अपने हाल में मस्त हैं
हम जैसे भी हैं अच्छे हैं ।
दूसरों से खुद को बेहतर
बताने का शौक नहीं हमको
जीने की कला आती है हमें
बस जैसे भी हैं खुश हैं
बड़ी बड़ी खुशियों की ख्वाहिश नहीं
छोटी छोटी खुशियाँ ही अपनी
काफी हैं जीने के लिए
क्यों करें तुलना किसी से
मस्त हर हाल में हैं
दे सकें तो ख़ुशियाँ वरना
दिल दुखाना आता नहीं
किसी का हमको
जीने के लिए इंसानियत है बहुत जरूरी
बस अच्छा इंसान बनना ही चाहत हमारी
अपना छोटा सा आशियाना ही बहुत है रहंने को
बड़ी बड़ी कोठी महल की हसरत नहीं
ना किसी से प्रतिस्पर्धा , ना मुकाबला
जितना कल थे उससे बेहतर आज हैं
बस इससे ज्यादा की जरूरत नहीं ।
जीवन के अनुभवों को शब्दों मे पिरोना भाता है हमें
नहीं बनना नामी गिरामी कवि हमें
हम अपनी छोटी छोटी कविता रचने में ही खुश हैं
हम जैसे भी हैं अच्छे हैं जैसे भी हैं अच्छे हैं .....

पापा

ना रूके हैं कभी ना सुस्ताये कभी
रोज काम पर जल्दी तैयार हो कर जाते
कुछ धुंधली सी यादे आज भी जहन मे है
शाम ढले हम तैयार होकर पापा का इंतज़ार करते
कभी कुकीज लाते तो कभी फल आदि लाते
बचपन में हमारा स्कूल का होमवर्क करवाते करते
हमें पढाते नई नई बातें दुनिया की सिखाते
छुट्टी के दिन हमें मौज मस्ती करने देते
बाहर जाते तो केक आइसक्रीम खिलाते
हमारे पापा है बहुत अच्छे लाजवाब
कभी हमें रोने ना दिया पढने लिखने दिया
चांद दिखा कर हम सबको बहुत हसाते
पापा ना कभी भूले हमारा सबका जन्मदिन
रंगीन कागजों से घर की दीवारें सजाते
चाकलेट टाफ़ी स्कूल के दोस्तों को बांटने देते
रात को हर्षोल्लास के साथ हमारा केक कटवाते
जन्मदिन की बहुत सारी बधाईयाँ देते
हमारे पापा कुबेर के खजाने से ज्यादा है
हमारे पापा ही है हमे ग्रेजुएट बनाये
हमारे पापा हमारी हिम्मत हौसला गुरूर है ।।

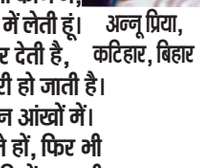

टी तारासिंह
हैदराबाद

वृद्धाश्रम के वृद्धों की वेदना

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

वृद्धाश्रम, घूमने जाते लोग,
संग उनके सेल्फी लेते,
सोशल साइट पर डालते,
स्वयं को समाजसेवी बताते।
क्या उन वृद्धों की वेदना भी,
वे समझ पाते?
देखी आज एक ऐसी ही तस्वीर
करुणा से भर उठा हृदय,
सोच में पड़ गया मन,
क्या खता हुई होगी उन वृद्धों से?
जो ये सजा पाई,
कहां कमी रही होगी परवरिश में?
जो अपने ही औलाद ने उन्हें,
बेघर कर वृद्धाश्रम भेज दिया।
मन में सवालों के बादल घूमर रहे,
मन के सवालों का जवाब मन ही ने दिया,
शायद औलाद से अतिप्रेम ही इनकी कमी थी,
घड़ा भी तभी सही बनाता जब उसे,
ठोक पीट कर सही आकार दिया जाता,
फिर औलाद से अति प्रेम क्यूं?
जो एक दिन हमें वृद्धाश्रम के दरवाजे पर पहुंचा दे।

कुछ अद्भुत रच जाओ

लवली आनंद,
बिहार

समस्याएँ जटिल हैं,
तो समाधान सरल है,
टूटे मन का केवल
आशा ही एक हल है,
बाधाएँ भले हों पाषाण,
जीवन को बनाना तरल है,
बीते कल का बोझ क्यों लेना
बाकी एक आने वाला कल है,
तो अपने मन के मंदिर में
उत्साह का दीप जलाओ, ऊर्जा का संचार बढ़ाओ,
आत्मविश्वास का भोग लगाओ,
व्याकुल मन हार जाता है, धैर्य की आरती गाओ,
शांत, सहज, एकाग्र होकर खुद को इस आत्मज्ञान का
बोध कराओ, कि तुम स्वयं ही अपने भगवान हो,
कुछ अद्भुत रच जाओ।

तस्वीर जो उतरती नहीं

अन्नू प्रिया,
कटिहार, बिहार

मैंने कुछ लिखा है तेरी बातों को सुन के,
तस्वीरें जो धुंधला सी गई, यादों की तरह
सहेज कर रखा है दिल के किसी कोने में,
याद जब आते हो, मुस्करा खुद में लेती हूं।
कुछ पलकों पर याद, आंखें भर देती है,
कुछ हलक पर सांस और गहरी हो जाती है।
उतर जाता है अक्स तुम्हारा इन आंखों में।
ख्वाब बनकर रोज मिला करते हों, फिर भी
तस्वीर नहीं बनती मुझसे, कोशिशें शुरू की,
जो आंखों में नमी सी दिखती, रेखा-खांचे बन,
जिंदगी के रंग, कूची कागज़ पर उकेरती नहीं,
पन्नों पर तस्वीरें फिर भी उतरती ही नहीं....

प्यार का शहर

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

वह शहर जिसके नाम से कभी
धड़क उठता था मेरा दिल
जैसे किसी ने पुकारा हो
धीमे से तुम्हारा नाम और
अवरक्त हो जाते थे
मेरे कपोल पर, आज
बड़ी खामोशियाँ-सी है
मेरे प्यार के शहर में।
गाहे-बगाहे मन गोते खाने लगता है
अतीत की गलियों में
लगता है जैसे कल हीं की बात हो
मेरा तुम्हें दिल से याद करना और
तुम्हारा प्रत्यक्षतः मेरे सामने आ जाना
वो गंगा के किनारे बैठ घंटों तुमसे गुफ़्तगू करना
हर बेमानी बातों पर यूँ बेवजह हीं मुस्कुराना
कितना सुहाना लगता था तेरे संग वक़्त बिताना।
और आज एक ही शहर में रहते हुए भी
हो गए हैं हम अजनबी
आ गई है हमारे बीच मीलों की दूरियां
सोचती हूँ तुम्हें पुकारूँ पर आवाज़ जैसे मेरे गले में हीं
रह जाती है घुट कर चाहती हूँ इस उन्मुक्त गगन में
फिर से तेरे संग विचरु बीन लाऊं फिर से
वो अपना बेफ़िक्र अंदाज़ पर,रिवाज-ओ-रस्म की बेड़ियों में
जकड़ी हुई मैं कुछ सपने और कुछ ख्वाहिशों को
दिल में दफ़न किए बस, खामोश रह जाती हूँ।

परदा

मनीषा मीत
जयपुर , बिहार

वो मुलाकात बड़ी हसीन थी
बड़े लोग जो कह गए
वो बातें भी बड़ी सख्त थी
सख्त थी पर सच थी
हां वो परदे वाली बात
बड़ी हसीन थी रिश्तों में एक
मर्यादा होनी चाहिए कुछ रिश्तों में पर्दा होना चाहिए
खाने पीने में सद्भाव होना चाहिए
वहां भी अनपूर्णा का नाम होना चाहिए
भक्ति में भी भाव होना चाहिए
ईश्वर के प्रति प्रेम अपार होना चाहिए
दोस्ती यारी की भी अपनी सीमाएं हो
इसमें भी परदे का लिहाज होना चाहिए.

धुंधला ही था ...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

बहते अश्कों को गिरता छोड़ दिया
एहसासों को सिसकता छोड़ दिया
चल दिए,...गहरा घाव उभर आया
धुंधला ही था मन का दर्पण
हल्की हल्की दरारों से भर आया
हाथों में हाथ ले कर चलना उम्रभर
तुम्हारे अफ़सानों से संवरना उम्रभर
स्तब्ध बेपरवाईयाँ,खंडहर नजर आया
धुंधला ही था मन का दर्पण
हल्की हल्की दरारों से भर आया
मंजिल आ न जाए,बिछुड़ने से डरता हूँ
सपना टूट न जाए,नींद से डरता हूँ
था मगरूर, ख़ौफनाक सहर आया
धुंधला ही था मन का दर्पण
हल्की हल्की दरारों से भर आया
मन के जज्बातों को भिंगो लेता हूँ
बहे अश्कों से मोती पिरो लेता हूँ
तड़क आवाज,बवंडर नज़र आया
धुंधला ही था मन का दर्पण
हल्की हल्की दरारों से भर आया

हार मानो मत

वाईवी रत्नम

सभी सपने साकार नहीं बनते
कुछ तो लुप्त हो जाते हैं
समुंदर की पिछड़ी लहरों की भाँति
किन्तु कोशिश करते रहना
आज नहीं तो कल नसीब बदलेगा ज़रूर
रब ने थमा दी कोरी कागज़ तेरे हाथों
रंग भरना या न भरना तुम्हारा चयन है ।
ये मत कहो कि किस्मत तुम्हारे साथ नहीं
वक्त का दरवाज़ा खोलो-झाँको
अनगिनत मौके तेरे इंतज़ार में हैं
सच कहूँ तो सृष्टि का कोई कसूर नहीं
मालिक ने दिया मौके सबको एक समान
बस कसूर है तो तुम्हारी दृष्टि का
जो अनायास ही तुम हथियाना चाहते हो
अरे रास्ते में गिरा तो ऐसा उठो कि
तुम्हें कोई देख न पाए
यदि वक्त के मार से ठोकर खा गया
तो ऐसा उठो कि सारा जग देखते रह जाए।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

14वें बच्चे के जन्म के समय 17 जून को हुई थी मुमताज की मौत

किसी फिल्म में मोहम्मद रफी की आवाज में गाना था कि

'एक शहंशाह ने बनवा के हंसी ताजमहल,
सारी दुनिया को मोहब्बत की निशानी दी है।
इसके साये में सदा प्यार के चर्चे होंगे,
खत्म ना हो सके, ऐसी कहानी दी है।'

इस शहंशाह का नाम शाहजहां था और उनकी मोहब्बत का नाम है - अर्जुमंद बानो बेगम। दुनिया उन्हें मुमताज के नाम से जानती है। 17 जून 1631 यानी आज ही के दिन मुमताज की मौत हुई थी। उस वक्त वो महज 38 साल की थीं और उसी दिन उन्होंने अपने 14वें बच्चे को जन्म दिया था। दिल्ली के मीना बाजार में प्यार होने से, जंग में शाहजहां के साथ जाने और मौत के बाद तीन बार दफनाए जाने तक, आज मुमताज बेगम की पूरी कहानी की पडताल करती रिपोर्ट। अकबर के बेटे जहांगीर के घर 1592 में एक बेटा पैदा हुआ। नाम रखा गया खुर्रम (जिन्हें शाहजहां के नाम से जाना गया)। राजशाही ठाठ में बड़े हो रहे खुर्रम शायरी और संगीत के शौकीन थे। तब चलन था कि सालाना नए साल की खुशी में मीना बाजार सजेगा और उसकी आमदनी गरीबों में बांटी जाएगी। साल 1607 के नए साल पर बाजार सजा। दुकानें लगीं और औरतें रेशम और कांच की मोतियों, जेवर, मसाले बेचने बैठीं। मीना बाजार में औरतें बेनकाब बैठी थीं, इसलिए मर्दों के आने की मनाही थी। सिर्फ शहंशाह जहांगीर और शहजादे खुर्रम ही वहां जा सकते थे।

मीना बाजार में घूमते हुए शहजादे खुर्रम ने देखा कि एक लड़की कीमती पत्थरों और रेशम के कपड़ों की दुकान सजा कर बैठी है। कपड़ों में तह लगाने का तौर देखकर शहजादे खुर्रम उसे दिल दे बैठे। शहजादे खुर्रम ने लड़की की दुकान के पास जाकर एक हीरा उठाया और कहा, 'इस पत्थर की क्या कीमत है?' लड़की ने झल्ला कर कहा, 'ये हीरा आपको पत्थर नजर आता है? पूरे 10 हजार का है।'शहजादे खुर्रम ने जवाब में कहा, 'इस पर आपका हाथ लग गया है इसलिए ये बेशकीमती हो गया है। अगली मुलाकात तक मैं इसे दिल के पास रखूंगा।'

लड़की का नाम था अर्जुमंद बानू बेगम जो बाद में मुमताज महल कहीं गईं। शहजादे खुर्रम ने महल आकर ऐलान किया कि उन्हें इस लड़की से निकाह करना है। पिता जहांगीर ने पता लगाने को कहा। तफ्तीश के बाद मालूम हुआ कि अर्जुमंद बानू तो उनके वकील आसफ खां की बेटी है। इस वक्त मुमताज 14 साल की थीं।

मुमताज का परिवार ईरान से भारत आया था। मुमताज के दादा ग्यासबेग ईरान से अपनी बेगम और तीन बच्चों के साथ आए। उन्हें यहां अकबर के दरबार में नौकरी मिल गई। बाद में मुमताज के पिता असफ खान जहांगीर के वकील बने और बुआ नूरजहां ने जहांगीर से विवाह किया। बाद में असफ खान, शाहजहां के वजीर भी बने। नूरजहां और जहांगीर की एक पेटिंग। मुमताज का परिवार ईरान से भारत आया था। मुमताज के दादा ग्यास्बेग ईरान से अपनी बेगम और तीन बच्चों के साथ आए। उन्हें यहां अकबर के दरबार में नौकरी मिल गई। बाद में मुमताज के पिता असफ खान जहांगीर के वकील बने और बुआ नूरजहां ने जहांगीर से विवाह किया। बाद में असफ खान, शाहजहां के वजीर भी बने। शाहजहां से मिलने के बाद मुमताज का निकाह होने में पांच साल लग गए। जहांगीर ने सगाई तो 1607 में ही करा दी मगर दरबारी ज्योतिषियों ने शुभ मुहूर्त के लिए पांच साल इंतजार करने के लिए कहा। इस बीच 1610 में शहजादी कंधारी के साथ शाहजहां की शादी हुई। 1612 में मुमताज से शादी के बाद 1617 में भी शाहजहां की एक और शादी हुई थी। हालांकि दरबार के इतिहासकारों ने इसको राजनीतिक गठबंधन बताया। दरबार के इतिहासकार इनायत खान ने जब शाहजहांनामा लिखी तो उसमें कहा, 'दूसरी महिलाओं के लिए शाहजहां ने जो प्रेम दिखाया वो मुमताज के लिए उनके प्यार का एक हजारवां हिस्सा भी नहीं था।'

तीसरी बार ताजमहल में दफनाई गईं थी शाहजहां की मुमताज

मुमताज से शादी और शाहजहां की खुशी

शाहजहां और मुमताज की शादी 1612 में हुई। मोइन उल आसार में इस शादी का जिक्र करते हुए लिखा गया है कि जहांगीर ने अपने हाथों से दूल्हे के सेहरे पर मोतियों का हार बांधा और पांच लाख मेहर की रकम तय की। शादी के वक्त मुमताज की उम्र 19 साल थी और शाहजहां की उम्र 20 साल।

जहांगीर ने इस शादी का जिक्र करते हुए जहांगीरनामा में लिखा है-

'मैंने इत्तिकाद खान की बेटी का हाथ खुर्रम के लिए मांगा था। शादी का जलसा भी हो गया था तो गुरुवार 18 तारीख को मैं इत्तिकाद के घर गया। वहां एक दिन और एक रात ठहरा। खुर्रम (शाहजहां) ने मुझे तोहफे पेश किए। उसने बेगमों को, अपनी मां और सौतेली मांओं को हीरे-जवाहरात दिए। खुर्रम ने हरम में काम करने वाली औरतों को भी हीरे-जवाहरात दिए।'

शाहजहां को सत्ता मिली और मुमताज बन गईं बेगम

साल 1628 में शाहजहां ने गद्दी संभाली। इस खुशी में एक करोड़ अस्सी लाख रुपए और चार लाख बीघा जमीन दान की गई। 38 साल की उम्र में राजा बनते ही शाहजहां ने मुमताज को पादशाह बेगम (महिला शहंशाह) की उपाधि दी।

इसके अलावा मल्लिका-ए-जहां (दुनिया की रानी), मल्लिक- उज-जमा (जमाने की रानी), मल्लिका-ए-हिंद (हिंदुस्तान की रानी) आदि कई उपाधियां दीं। मुमताज को कई ऐसी सुविधाएं दी गईं जो आज तक किसी भी रानी को नहीं दी गई थीं। शाहजहां मुमताज को कितना मानते थे इस बात का पता इसी से चलता है कि दूसरी बेगम को सालाना छह लाख रुपए ही देना तय हुआ। शाहजहां ने खुशी में मुमताज को दो लाख अशर्फियों का इनाम भी दिया। साथ ही सालाना 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। ये पैसे आज के 50 करोड़ रुपए जितने हैं। मुमताज और शाहजहां 19 साल तक साथ रहे। 1628 में शहजहां के गद्दी पर बैठने के चार साल के भीतर ही मुमताज का असमय निधन हो गया। 19 सालों में उनके 14 बच्चे हुए। इनमें आठ बेटे और छह बेटियां थीं। सात की मौत जन्म के समय या कुछ साल बाद हो गई। बाकी बच्चों में दाराशिकोह, औरंगजेब और जहां आरा का नाम इतिहास में दर्ज हुआ।

जंग में भी मुमताज का साथ नहीं छोड़ पाते थे शाहजहां

मुमताज अकसर शाहजहां के साथ जंग वाले इलाकों तक जाती रहीं। यहां तक कि मुमताज के पिता ने जब बगावत की तो मुमताज शाहजहां के साथ दौरे करती रहीं। इसी तरह दक्कन की तरफ से हो रही बगावत का सामना करने शाहजहां के साथ मुमताज भी गईं। वो गर्भवती थीं और अचानक उन्हें प्रसव पीड़ा होने लगी। तीस घंटे लगातार प्रसव पीड़ा के बाद 17 जून 1631 को दक्कन के इलाके (अब मध्यप्रदेश के बुरहानपुर) में अधिक खून बहने से मुमताज की मौत हो गई। उस वक्त शाहजहां वहां मौजूद नहीं थे। मुमताज को अस्थायी तौर पर बुरहानपुर के एक बागीचे में दफना दिया गया।

शाहजहां ने दो साल के शोक का ऐलान किया और खुद एक कमरे में बंद हो गए। शाहजहां पूरे सप्ताह कमरे में बंद रहे। कहा जाता है कि वो आगे दो सालों तक बुधवार को सफेद कपड़े पहनते थे। शाहजहां के राजा बनने के पहले ही मुमताज ने उनसे कुछ वादे ले लिए थे। ताजमहल बनवाना उनमें से एक था। शाहजहां से मुमताज ने यह भी वादा लिया कि हर साल बरसी पर वो मकबरे पर जाएंगे।

मुमताज का आखिरी वादा शाहजहां पूरा नहीं कर सके। औरंगजेब ने सत्ता पाने के लिए उन्हें कैद कर दिया जहां से वो बाकी का जीवन एक खिड़की से ताजमहल देखते हुए बिताते रहे।

तीसरी बार ताजमहल में दफनाई गई मुमताज

मुमताज को पहली बार आनन-फानन में बुरहानपुर में तापी नदी के किनारे दफनाया गया। वहां से तकरीबन छह महीने बाद उनके शव को आगरा लाया गया और जनवरी 1632 में यमुना किनारे दफनाया गया। यहां शाहजहां ने मकबरा बनवाया और इसी जगह को ताजमहल कहा जाने लगा। बाद में जब ताजमहल बन गया तो मुमताज की कब्र वहीं बनाई गई।

अब किस्सा ताजमल के बनने का...

शाहजहां के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी कि ताजमहल बनेगा कहां? बहुत जद्दोजहद के बाद शाहजहां ने तय किया कि वो जगह शांत और शहर से दूर होगी। वहां से किला दिखेगा और यमुना बगल से गुजरेगी ताकि पौधों को पानी वगैरह समय पर मिलता रहे। अंत में शाहजहां ने किले से 1.5 मील दूर जगह चुनी।

इसे साल 1632 में बनाना शुरू किया गया और लगभग 20 साल बाद यह साल 1653 में बनकर तैयार हुआ। 42 एकड़ की जमीन चुन कर इसकी मीनारों का स्ट्रक्चर तय किया गया और इसे बनाने के लिए दुनिया भर से 20 हजार मजदूर बुलाए गए। जिस साल ताजमहल बन रहा था उसी समय पीटर मंडी नाम के एक ट्रैवलर भारत आए। अपने यात्रा वृतांत में उन्होंने ताजमहल के बनने का जिक्र करते हुए लिखा है कि उस इलाके को साफ कर जमीन समतल कराई गई। हजारों मजदूरों ने दिन रात काम करके गहरी नींव खोदी और ध्यान रखा कि यमुना का पानी इस तरफ न आए। इसके बाद 970 फीट लंबा और 364 फीट चौड़ा चबूतरा बना जिस पर मकबरा बनाया गया। इसमें लगे संगमरमर मकराना से मंगाए गए। संगमरमरों के लिए विशेष गाड़ी बनाई गई जिसे 25-30 मवेशी खींचते थे। बैलों और लंबे सींग वाले भैसों के सहारे उन्हें 200 मील दूर आगरा लाया गया। इसे बनाने वाले अधिकतर मजदूर कन्नौज के थे। नक्काशी करने वाले पोखरा से और बाग बनाने की जिम्मेदारी कश्मीर के मजदूरों के हाथ थी।

ताजमहल में 40 तरह के रत्न लगाए गए। नीले पत्थर अफगानिस्तान से, हरे रंग के पत्थर चीन से और फिरोजा तिब्बत से मंगाए गए थे। यहां तक कि लहसुनिया पत्थरों को मिस्र के नील घाटी से मंगाया गया था।

इसे बनाने में उस समय के हिसाब से 4 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इतिहासकार अब्दुल हमीद लाहौरी ने मजदूरों को दिए गए मेहनताने और यात्रा खर्च का जिक्र करते हुए लिखा है कि 50 लाख रुपए खर्च हुए। उसमें लगने वाले रत्नों और अन्य खर्चों को मिला देने पर यह राशि चार करोड़ के आसपास होती है। ये आज के तकरीबन 50 अरब रुपयों के बराबर होगी। ताजमहल के बनने में खर्च हुआ सारा पैसा आगरा प्रांत के सरकारी खजाने से चुकाया गया। आगरा के आस पास के तीस गांव से मिलने वाली मालगुजारी का इस्तेमाल रखरखाव में करने का आदेश हुआ।

ताजमहल बनने के पांच साल के भीतर ही गद्दी को लेकर जंग छिड़ी रही और 1959 में औरंगजेब ने अपने पिता को गद्दी से उतार दिया। उन्हें किले में नजरबंद कर दिया गया। अपने कमरे की खिड़की से वो हर वक्त चांद देखते रहते और फिर लगभग सात साल बाद जनवरी 1666 में शाहजहां ने ताजमहल देखते-देखते दुनिया को अलविदा कह दिया। शाहजहां को भी मुमताज की कब्र के बगल में ताजमहल के भीतर ही दफना दिया गया।

हवाई किराया आसमान पर
विमानन कंपनियों में प्रतिस्पर्धा की जरूरत

पिछले कुछ समय से घरेलू उड़ान सेवा में किराये लगातार बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली-मुंबई का अधिकतम हवाई किराया 20,000 रुपये तक पहुंच गया, जो पहले मात्र 7,000 रुपये ही होता था। शेष मार्गों पर भी किराये में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं, जिससे यात्रियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद किरायों में कुछ कमी देखने को तो मिल रही है, पर अब भी हवाई किराया काफी अधिक हैं। कोविड के बाद यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि हुई है। विगत 30 अप्रैल को 4.56 लाख यात्रियों द्वारा अंतर्देशीय हवाई यात्रा का रिकार्ड बना। हवाई यात्रियों की मासिक संख्या 1.2 से 1.3 करोड़ बनी हुई है।

पिछले दो दशकों में हवाई किराये में खासी कमी के चलते रेल में सफर करने वाले अनेक यात्री हवाई यात्रा करने लगे हैं। दिल्ली-मुंबई का एसी प्रथम दर्जे का राजधानी गाड़ी में रेल किराया 4,730 रुपये है, जबकि समय पर बुकिंग करने पर हवाई किराया सामान्यतः उससे कम ही बैठता था। लिहाजा अनेक लोग रेल के बजाय हवाई यात्रा को प्राथमिकता देने लगे थे। पर किराया बढ़ने से बहुत लोग फिर रेल यात्रा को प्राथमिकता दे सकते हैं। इससे नागरिक उड्डयन क्षेत्र का विकास बाधित हो सकता है।

एअरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एशिया पेसिफिक) की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय हवाई किराये में भी 50 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हवाई किराये में सर्वाधिक वृद्धि 41 प्रतिशत थी, जबकि संयुक्त अरब अमीरात में यह वृद्धि 34 प्रतिशत, सिंगापुर में 30 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया में 23 प्रतिशत रही।

विमान किराये में वृद्धि के दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं-पहला, ईंधन की कीमत बढ़ना, और दूसरा, महंगाई दर में वृद्धि। वर्ष 2019 से अब तक ईंधन की कीमत में 76 फीसदी वृद्धि हो चुकी है, जबकि विमानन कंपनियों की अन्य लागतें 10 प्रतिशत महंगाई की दर से बढ़ रही हैं। हालांकि एअरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल का मानना है कि विमानन कंपनिया सीट उपलब्धता सीमित रख कीमतें ऊंची रखने का प्रयास कर रही हैं। कंपनियों का यह कृत्य विमानन उद्योग में वृद्धि को प्रभावित कर सकता है। भारत में घरेलू विमानन क्षेत्र में कई कंपनियां हैं। फरवरी, 2023 में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर इंडिगो, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर टाटा समूह की एअर इंडिया और विस्तारा थीं, जिनकी बाजार में हिस्सेदारी क्रमशः 8.9 प्रतिशत और 8.7 फीसदी थी। हालांकि एअर इंडिया और विस्तारा जल्दी ही मिलकर एक इकाई बनने वाली हैं, उसके बावजूद वे मिलकर इंडिगो के लगभग एक तिहाई से थोड़ा अधिक हो पाएंगी। चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः गो फर्स्ट और स्पाइसजेट दो एयरलाइन्स हैं, जिनकी बाजार में हिस्सेदारी 8.0 प्रतिशत और 7.1 प्रतिशत रही। पर इन दोनों को चुनौतियों का सामना कर पड़ रहा है।

गो फर्स्ट सिर्फ वित्तीय कठिनाइयों से ही नहीं गुजर रही, उसकी दिवालिया प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। हालांकि उसकी कठिनाइयों के पीछे वित्तीय कारणों से ज्यादा तकनीकी कारण हैं, जिसके लिए इंजन आपूर्ति करने वाली कंपनी प्रैट ऐंड विटनी इंजन्स जिम्मेदार है। एअरबस ए-320 नियो हवाई जहाज के लिए यह कंपनी इंजनों की आपूर्ति करती है। पिछले कुछ समय से इस कंपनी द्वारा दिए गए इंजनों की खराबी के कारण गो-फर्स्ट को अपने कई हवाई जहाज हटा लेने पड़े। इससे कंपनी भारी नुकसान में चली गई। विगत तीन मई से गो फर्स्ट ने अपनी सभी उड़ानें स्थगित कर दिवालिया होने का आवेदन जमा किया है।

स्पाइसजेट कंपनी भी आर्थिक मुश्किलों से गुजर रही है। यह एअरलाइन जहाजों में कई तकनीकी गड़बड़ियों से जूझ रही है और इसके लिए नागरिक उड्डयन महाप्रबंधक ने कंपनी को अपने 10 बोइंग-737 मैक्स जहाजों को उड़ानों से हटा लेने का निर्देश दिया है। पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की पहली तिमाही से इस कंपनी का नुकसान में जाना शुरू हो चुका था। ईंधन की बढ़ती लागत, मुद्रास्फीति और रुपये के अवमूल्यन से यह कंपनी लगातार घाटे से जूझ रही है और इसकी सेवाएं बाधित हो रही हैं।

इंडिगो और टाटा समूह की एअर इंडिया, विस्तारा और एअर एशिया सरीखी बड़ी कंपनियों को स्पाइसजेट और गो फर्स्ट टक्कर देती थीं। पर इन कंपनियों के मुश्किल में पड़ने से इंडिगो व टाटा समूह की कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा घट गई है, ऐसे में, ये अनाप-शनाप रूप से हवाई किराया बढ़ा रही हैं।

नागरिक विमानन क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश के बाद हवाई किरायों का निर्णय विमानन कंपनियों पर छोड़ा गया, ताकि वे बाजार के अनुसार कीमतें तय करें, उन्हें बेवजह घाटा न सहना पड़े और विमानन क्षेत्र का स्वस्थ विकास हो। एक समय विमानन कंपनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते हवाई किराये किफायती बने रहे और नागरिक उड्डयन क्षेत्र का स्वस्थ विकास हुआ। हाल ही में एअर इंडिया द्वारा 550 नए विमानों सहित भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा 1,000 विमानों के ऑर्डर ने दुनिया को अचंभित कर दिया था। यह हमारे नागरिक उड्डयन क्षेत्र की विकास गाथा के बारे में बताता है।

पर दो प्रमुख विमानन कंपनियों की आर्थिक कठिनाइयों से नागरिक उड्डयन क्षेत्र में संकट आया है। पिछले काफी समय से सरकार द्वारा आर्थिक संकट में फंसी कंपनियों के प्रमोटरों को जल्द निजात दिलाने के लिए दिवालिया कानून में बड़े बदलाव करते हुए इस प्रक्रिया को आसान बना दिया गया है। पर विमानन क्षेत्र की स्थिति अलग है। यदि गो फर्स्ट और स्पाइसजेट दिवालिया होती हैं, तो विमानन क्षेत्र में इंडिगो और टाटा समूह का एकाधिकार हो जाएगा। ऐसे में, पिछले दो दशकों से विमानन क्षेत्र में विकास और प्रतिस्पर्धा का जो लाभ आम जन को सस्ती हवाई यात्रा के रूप में मिल रहा था, वह खत्म हो जाएगा।

पूर्व में एअर इंडिया के सावर्जनिक क्षेत्र में होने के कारण हवाई यात्रा में प्रतिस्पर्धा का लाभ जनता को मिल रहा था। अब चूंकि एअर इंडिया टाटा समूह का हिस्सा है, ऐसे में, प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए गो फर्स्ट और स्पाइसजेट को बचाना और भी जरूरी हो गया है। चूंकि ये कंपनियां बहुराष्ट्रीय विमान व इंजन निर्माताओं की कोताही के कारण संकट में हैं, ऐसे में, सरकार द्वारा इस मामले में दखल जरूरी है।

इतिहास से विपक्ष को सीखने की जरूरत

विपक्षी एकता की पहले भी कई कोशिशें हो चुकी हैं। 80 के दशक की एक घटना ऐसी जुगत में लगे नेताओं के लिए आईना भी है और सबक भी। 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बाद सबसे बड़े दल के नेता के रूप में चौधरी चरण सिंह उभरे। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में उन्हें मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी मिला हुआ था। देश के लगभग सभी राज्यों में उनकी मौजूदगी थी, लेकिन पार्टी के आंतरिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे थे। इसी बीच जुलाई 1982 में राजधानी से प्रकाशित एक प्रमुख अंग्रेजी अखबार की एक खबर ने सनसनी फैला दी।

खबर यह थी कि हरियाणा के नेता चौधरी देवीलाल की इंदिरा गांधी से लंबी मुलाकात हुई है और भविष्य में भी साथ काम करने की संभावना बन रही है। चरण सिंह को जब इस खबर का पता चला तो उन्होंने तुरंत देवीलाल को दल से निकाल दिया। आम तौर पर नोटिस देकर जवाब मांगने की प्रक्रिया भी इस मामले में किनारे कर दी गई। हालांकि कुछ घंटों के अंदर ही देवीलाल का स्पष्टीकरण भी प्रेस को जारी किया गया कि वह चरण सिंह को अपना नेता मानते हुए इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध चल रहे अभियानों में कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलते रहेंगे। लेकिन कड़वाहट इस कदर थी कि कोई बीच-बचाव का रास्ता नहीं था। पार्टी में बवंडर का आलम यह था कि बीजू पटनायक, कर्पूरी ठाकुर, कुंभाराम आर्य, मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस, रवि राय, राम विलास पासवान, शरद यादव आदि सभी नेताओं ने देवीलाल के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी और दल के विभाजन का खाका तैयार हो गया। 9 अगस्त 1982 को विश्व युवक केंद्र में एक सम्मेलन आयोजित कर नए दल का नामकरण – लोकदल (क) कर दिया गया, अध्यक्ष कर्पूरी ठाकुर चुने गए। राज्य स्तर पर दल के कार्यक्रम आयोजित होते रहे, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह दल कोई छाप छोड़ने में असफल रहा।

तब भी भारत 'जोड़ो' यात्रा

इस बीच जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर का प्रोग्राम तय हो चुका था कि वह कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा कर जनता के ज्वलंत मुद्दों पर जन-जागरण कर पार्टी में नई जान फूंकने का प्रयास करेंगे। उनकी पदयात्रा 3 जनवरी 1983 से कन्याकुमारी से शुरू हुई, जहां जनता पार्टी के विधायक आर के राघवन ने बड़ी भूमिका निभाई। यहां बताना जरूरी है कि जनता पार्टी के विभाजन के बाद दक्षिण भारत के अधिकांश नेता मूल दल के साथ ही बने रहे और पदयात्रा में इसका एहसास भी हुआ। पदयात्रा शुरू होने के तुरंत बाद कर्नाटक चुनाव के नतीजे आने लगे। वहां जनता पार्टी पूर्ण बहुमत पाने में कामयाब रही। तब कर्नाटक जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में एचडी देवेगौड़ा, एसआर बोम्मई, जेएच पटेल और रामकृष्ण हेगड़े थे। इन सबको क्रमशः कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने का भी मौका मिला। चंद्रशेखर का विश्वासपात्र होने के कारण हेगड़े मुख्यमंत्री चुने गए। सुधींद्र भदौरिया पद यात्रा के मुख्य संचालकों में थे। लोकदल (क) राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में असफल रहा, इसलिए 27 जनवरी को आनन-फानन इसका जनता पार्टी में विलय कर दिया गया। फरवरी में पदयात्रा बेंगलुरु पहुंची और वहां जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई।

लोकदल (क) के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी आमंत्रित था, जिसमें कर्पूरी ठाकुर, देवीलाल, बीजू पटनायक, जॉर्ज फर्नांडिस, रवि राय, कुंभाराम आर्य के साथ युवा पदाधिकारी के नाते मैं भी शामिल रहा। समूचे बेंगलुरु में चंद्रशेखर और हेगड़े के कटआउट छाए हुए थे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले सभी नेताओं का परिचय हुआ, लेकिन हरियाणा और बिहार जनता पार्टी के मूल नेताओं की धमाकेदार उपस्थिति ने देवीलाल और कर्पूरी ठाकुर के माथे की सिलवटें बढ़ा दीं। जनता पार्टी के कार्यकाल में हरियाणा में देवीलाल के मुखर विरोधी सुषमा स्वराज, का. शंकरलाल, बलदेव तायल पहली पंक्ति में बैठे थे। उन्हें देखकर चौधरी देवीलाल के चेहरे पर लकीरें भविष्य के संकेतों को साफ उजागर कर रही थीं। मोरारजी भाई और चंद्रशेखर समर्थक नेता रोज उनके विरुद्ध बयानबाजी करते थे। लिहाजा जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के परिणाम भविष्य की अनहोनी के स्पष्ट संकेत दे रहे थे। बिहार की स्थिति और भी कड़वी थी। सत्येंद्र बाबू, कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री पद पर कड़ी चुनौती दे चुके थे। 1978 में जब बिहार में मुंगेरीलाल कमिशन की सिफारिशें लागू की गईं, तो जनता पार्टी में आरक्षण विरोधियों का एक बड़ा गुट सक्रिय हो चुका था।

सत्येंद्र बाबू और राम सुंदर दास उसका नेतृत्व कर रहे थे। इसी बीच सत्ता संघर्ष में राम सुंदर दास, कर्पूरी ठाकुर को पराजित कर मुख्यमंत्री बन गए थे। कर्पूरी विरोधी नेता मोरारजी भाई और चंद्रशेखर के करीबी थे और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अग्रिम पंक्ति में विराजमान थे। चित्र अपने और बेगाने जैसा था। सुषमा स्वराज और सत्येंद्र बाबू पार्टी के मालिक जैसा आचरण कर रहे थे और देवीलाल, कर्पूरी ठाकुर अपने फैसले पर पछता रहे थे।

बुनियादी सवालों की अनदेखी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी से लौटते वक्त की बातचीत भविष्य के निर्णयों की पटकथा लिख रही थी। इसी बीच धनिक लाल मंडल, शरद यादव, मोहन प्रकाश ने एकता सम्मेलन कर चौधरी चरण सिंह को बुलाया और विलय का प्रस्ताव पारित कर दिया। ये सभी नेता देवीलाल, कर्पूरी के करीबी माने जाते थे। इसी बीच 1984 के लोकसभा के चुनाव के मद्देनजर एक नए दल के निर्माण की नींव रखी गई, जिसे दलित, मजदूर, किसान पार्टी का नाम दिया गया। बहुगुणा, चंद्रजीत यादव सरीखे कद्दावर नेता भी इसमें शामिल हुए और चुनाव आते-आते देवीलाल, कर्पूरी ठाकुर ने भी जनता पार्टी को छोड़ इसी में शामिल होने का फैसला किया। बेमेल समझौते, आनन-फानन में विलय और बुनियादी सवालों की अनदेखी से इस तरह के हालात पैदा हुए। एकता चाहने वाले दल और नेता इन कमजोरियों से बचे रहें, तो सफलता के रास्ते करीब दिखने लगेंगे।

महाभारत कथा– कैसे तालाब में गिरे वीर्य से पैदा हुईं धृतराष्ट्र और पांडु की दादी सत्यवती

महाभारत की कथा के अनुसार नदी में एक मछली ने इस वीर्य को ग्रहण किया और गर्भवती हो गई
जब ये मछली एक मछवारे के जाल में फंसी तो उसमें उसे एक लड़का और लड़की मिले
महाभारत की कहानी की शुरुआत जिस स्त्री से होती है, वो सत्यवती हैं, जिन्हें देखकर हस्तिनापुर के राजा शांतनु मोहित हो जाते हैं। बाद में सशर्त उनकी सत्यवती से शादी होती है, जिससे उनके दो बेटे होते हैं और फिर प्रपौत्र पांडु और धृतराष्ट्र होते हैं। सत्यवती अपूर्व सुंदरी थीं लेकिन उनके पैदा होने के बारे में सुनेंगे तो हैरान रह जाएंगे। महाभारत में जब ऋषि व्यास के वैशम्पायन इस कथा को कहते हैं तो इसकी शुरुआत इसी
अजीबोगरीब तरीके के जन्म से हो होती है। आप भी जानिए ये कैसे हुई।
उस समय चेदि नाम का एक देश होता था, जिसके पुरु वंश के राजा थे उपरिचर वसु। उपरिचर इंद्र के दोस्त थे। उनके विमान से आकाश का गमन किया करते थे, इसी वजह से उनका नाम उपरिचर पड़ गया।
उपरिचर की राजधानी के करीब शुक्तिमत नाम की नदी थी। एक दिन राजा शिकार खेलने गया और अपनी रूपवती पत्नी गिरिका का स्मरण करने लगा। इससे वह कामासक्त हुआ। कथा कहती है, इससे उसका वीर्य स्खलित हो गया, उसने इसे एक बाज पक्षी को दिया और कहा कि इसे उसकी पत्नी तक पहुंचा दिया जाए।
वीर्य से नदी की मछली गर्भवती हो गई
जब बाज वहां से इसे लेकर उड़ा तो रास्ते में उस पर आक्रमण हो गया। नतीजतन ये वीर्य नदी में गिर गया। उस समय नदी में एक अप्सरा रहती थी, जिसका नाम अद्रिका था, वह ब्रह्मशाप के चलते मछली में बदल गई थी और नदी में ही अपना समय काट रही थी। उसने वह वीर्य ग्रहण कर लिया। जिससे वह गर्भवती हो गई। जब देवव्रत को ये मालूम हुआ कि उसके पिता सत्यवती से विवाह करना चाहते हैं लेकिन इसमें अड़चन है तो वह खुद मछुआरे के पास पहुंचे और पिता के लिए उनकी बेटी का हाथ ही नहीं मांगा बल्कि भीष्म प्रतिज्ञा भी कर डाली।

मछली के गर्भ से मछुआरे को मिले एक लड़का और एक लड़की

दसवें महिने एक मछुवारे ने जाल फेंका और ये मोटी सी मछली उसके जाल में फंस गई। मछेरे को उस मछली के पेट से एक नवजात लड़का और लड़की मिले, जिसको वह राजा के पास ले गया। तभी अप्सरा शाप से मुक्त होकर आकाशमार्ग में चली गई। राजा उपरिचर ने मछुआरे से कहा, ये कन्या अब तुम्हारी ही रहेगी। लड़के को उसने अपने बेटे की अपना लिया, जो बाद मतस्य नाम का धार्मिक राजा हुआ।

वो लड़की ही सत्यवती यानि मतस्यगंधा थीं

अब आप सोच रहे होंगे कि इस लड़की का क्या हुआ। ये लड़की जैसे जैसे बड़ी होती गई, वैसे वैसे बहुत खूबसूरत होती गई। लेकिन चूंकि वह मछुआरों के साथ उन्हीं की बस्ती में रहती थी लिहाजा नाम मतस्यगंधा पड़ा। वही सत्यवती थी। उसके देह ऐसी सुगंध निकलती थी कि दूर दूर तक उसका भान हो जाता था। इसलिए उसका एक नाम योजनगंधा भी था।

इस तरह राजा शांतनु से सत्यवती की शादी हुई

एक दिन जब राजा शांतनु यमुना तट के करीब वन में थे तो उन्हें एक मोहक सुंगध का अहसास हुआ। जब उन्होंने सुगंध का पीछा किया तो ये एक रूपवती कन्या के पास जाकर खत्म हुई। वह सत्यवती थीं। राजा के पूछने पर उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा, मैं धीवर जाति की कन्या हूं। पिता के आदेशानुसार नाव चलाती हूं। शांतनु इस कन्या पर इतना मोहित हो गए कि उसका हाथ मांगने उसके पिता दासराज के पास जा पहुंचे। तब दासराज ने शर्त रखी कि अगर आप मेरी बेटी के गर्म से पैदा पुत्र को ही अपनी राजा की गद्दी सौपेंगे तो मैं इसका विवाह आपके साथ कर सकता हूं। शांतनु वचन नहीं दे पाए और राजधानी लौट आए। हालांकि इसके बाद वह उदास रहने लगे। जब उनके पुत्र देवव्रत को इसका पता लगा तो वह खुद मछुआरे के घर गए और वचन दिया कि ना तो मैं आजीवन विवाह करूंगा तो इस वजह से मेरा कोई पुत्र भी नहीं होगा जो सत्यवती के बेटों की राह में आएगा।

और सत्यवती के चलते ही देवव्रत को भीष्म पितामह कहा गया

देवव्रत की इसी प्रतिज्ञा पर उन्हें भीष्म पितामह कहा जाने लगा। अब सत्यवती का विवाह राजा शांतनु से हुआ। फिर सत्यवती के दो बेटे चित्रागंद और विचित्रवीर्य हुए। चित्रागंद की युद्ध में मृत्यु हो गई तो विचित्रवीर्य भी कुछ सालों बाद बीमारी से चल बसे। उनकी दो रानियां थीं। अंबिका और अंबालिका। दोनों बहनें थीं। दोनों बहनों का नियोग महर्षि व्यास से कराया गया, जिससे फिर पांडु और धृतराष्ट्र ने बेटों के रूप में जन्म लिया।
क्या है नियोग और इसको महर्षि व्यास ने क्यों किया आप ये सोच रहे होंगे कि ये नियोग क्या होता है और इस नियोग को महर्ष व्यास से ही क्यों कराया गया।
प्राचीन समय नियोग मनुस्मृति में पति द्वारा संतान उत्पन्न न होने पर या पति की अकाल मृत्यु की अवस्था में ऐसा उपाय था, जिसके अनुसार स्त्री अपने देवर अथवा सम्गोत्री से गर्भाधान करा सकती थी।' अब ये सत्यवती ने महर्षि व्यास से क्यों कराया, ये भी जानते हैं।
विचित्रवीर्य के बगैर किसी संतान के मृत्यु हो जाने पर सत्यवती ने जब अंबिका और अंबालिका का नियोग कराने की बात की तो उन्होंने व्यास को बुलाया। उसी समय उन्होंने भीष्म को बताया कि व्यास भी उनके बेटे हैं। इसके बारे में भी जानिए
सत्यवती के शरीर से पहले मछली जैसी गंध आती थी। मत्स्यगंधा नाव से लोगों को यमुना पार कराती थी। एक दिन ऋषि पाराशर वहां पहुंचे।
ऋषि को यमुना पार जाना था। वे मत्स्यगंधा की नाव में बैठ गए। इसी दौरान उन्होंने सत्यवती से कहा कि वह उसके जन्म से परिचित हैं और उससे एक पुत्र की कामना करते हैं। और जब सत्यवती ने स्वीकृति दी तो कुछ समय बाद सत्यवती ने पाराशर ऋषि के पुत्र को जन्म दिया।
जन्म लेते ही वह बड़ा हो गया। वह द्वैपायन नाम द्वीप पर तप करने चला गया। द्वीप पर तप करने और इनका रंग काला होने की वजह से वे कृष्णद्वैपायन के नाम से प्रसिद्ध हुए। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया और महाभारत ग्रंथ की रचना की।
ऋषि पाराशर के वरदान से मत्स्यगंधा के शरीर से मछली की दुर्गंध खत्म हो गई। इसके बाद वह सत्यवती के नाम से प्रसिद्ध हुई।
और इस तरह ये वंश महाभारत की लड़ाई तक जा पहुंचा पांडु के पांच बेटे थे, जो पांडव कहलाए और धृतराष्ट्र के सौ पुत्र हुए जो कौरव कहलाए लेकिन पांडव और कौरवों में कभी नहीं बनी, बाद में इन दोनों के बीच महाभारत का युद्ध हुआ। तो अब समझ गए होंगे कि किस तरह सत्यवती के जन्म के साथ महाभारत की कहानी की शुरुआत होती है।

रावण जन्म का क्या है रहस्य 3 श्राप बने बड़े कारण

रामायण का जिक्र हो, तो भगवान राम के अलावा रावण का नाम भी याद आता है। रावण लंका का राजा था और युद्ध में श्रीराम ने उसका वध कर दिया था। लंकापति रावण महाज्ञानी पंडित था। रावण के अंदर सत्व, रज और तम तीनों ही गुण विद्यान थे। उसमे तमोगुण सबसे अधिक और सत्व गुण सबसे कम था। वाल्मीकि रामायण के अनुसार, रावण पुलत्स्य मुनि के पुत्र महर्षि विश्रवा और राक्षसी कैकसी का पुत्र था। ऐसा माना जाता है कि उसका जन्म 3 श्राप के कारण हुआ था। एक श्राप सनकादिक बाल ब्राह्मणों ने दिया था। इसी तरह अलग-अलग जगह दो श्राप का और भी जिक्र मिलता है। तो आइए सबसे पहले जानते हैं रावण के जन्म के पीछे का रहस्य और एक ब्राह्मण पुत्र होने बाद भी रावण में राक्षसत्व वाले गुण कैसे आए।
वाल्मीकि रामायण के अनुसार, पौराणिक काल में माली, सुमाली और मलेवन नाम के 3 क्रूर दैत्य भाई हुआ करते थे। इन तीनों ने ब्रह्मा जी की घोर तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने उन्हें बलशाली होने का वरदान दिया। वरदान मिलते ही तीनों स्वर्गलोक, पृथ्वीलोक और पाताललोक में देवताओं सहित ऋषि-मुनियों और मनुष्यों पर अत्याचार करने लगे। इनका अत्याचार जब काफी बढ़ गया तब ऋषि-मुनि और देवतागण भगवान विष्णु के पास गए और उनसे तीनों दैत्य भाइयों के अत्याचार की व्यथा सुनाई। इस पर भगवान विष्णु ने कहा कि मैं इन दुष्ट राक्षसों का अवश्य विनाश करूंगा।
जब भगवान विष्णु करने लगे नरसंहार
उधर, यह बात जब माली, सुमाली और मलेवन ने सुनी तो उन्होंने अपनी सेना को लेकर इंद्रलोक पर आक्रमण कर दिया। इस पर भगवान विष्णु इंद्रलोक आकर राक्षसों का नरसंहार करने लगे। भगवान विष्णु रण क्षेत्र में आने के कुछ क्षण बाद ही सेनापति माली सहित बहुत से राक्षस मारे गए और शेष लंका की ओर भाग गए। उसके बाद शेष बचे हुए राक्षस सुमाली के नेतृत्व में लंका को त्याग कर पाताल में जा बसे। बहुत दिनों तक सुमाली और मलेवन अपने परिवार के साथ पाताल में ही छुपा रहा। एक दिन उसने सोचा कि हम राक्षसों को देवताओं के भय से यहां कितने दिनों तक छुपकर रहना पड़ेगा? ऐसे में कौन सा उपाय किया जाए, जिससे देवताओं पर विजय प्राप्त की जाए।
कुछ क्षण बाद उसे कुबेर का ध्यान आया। तब उसके मन में ये विचार आया कि क्यों न वो अपनी पुत्री का विवाह ऋषि विश्रवा से कर दे, जिससे उसे कुबेर जैसे तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति आसानी से हो जाएगी। इस पर सुमाली अपनी पुत्री कैकसी के पास पहुंचा और बोला हे पुत्री तुम विवाह के योग्य हो चुकी हो। परन्तु मेरे भय की वजह से कोई तुम्हारा हाथ मांगने मेरे पास नहीं आता। इसलिए राक्षस वंश के कल्याण के लिए मैं चाहता हूं कि तुम परमपराक्रमी महर्षि विश्रवा के पास जाकर उनसे विवाह करो और पुत्र प्राप्त करो।

धर्मपरायण कैकसी ने पिता की इच्छा को माना अपना धर्म

राक्षसी होते हुए भी कैकसी एक धर्मपरायण स्त्री थी, इसके चलते उसने अपने पिता की इच्छा को पूरा करना अपना धर्म माना और विवाह के लिए स्वीकृति दे दी। इसके बाद कैकसी महर्षि विश्रवा से मिलने पाताल लोक से पृथ्वीलोक चल पड़ी। महर्षि विश्रवा के आश्रम तक आते-आते कैकसी को शाम हो चुकी थी। आश्रम पहुंचकर कैकसी ने सबसे पहले महर्षि का चरण वंदन किया और फिर मन की इच्छा बतलाई। इस पर महर्षि विश्रवा ने कहा, हे भद्रे मैं तेरी ये अभिलाषा पूर्ण कर दूंगा किंतु तुम कुबेला में मेरे पास आई हो, अतः मेरे पुत्र क्रूर कर्म करने वाले होंगे। उन राक्षसों की सूरत भी भयानक होगी। महर्षि विश्रवा के वचन सुन कैकसी उनको प्रणाम कर बोली आप जैसे ब्राम्हणवादी दौर मैं ऐसे दुराचारी पुत्रों की उत्पत्ति नहीं चाहती। अतः आप मेरे ऊपर कृपा करें। तब महर्षि ने कैकसी से कहा कि तुम्हारा तीसरा पुत्र मेरी ही तरह धर्मात्मा होगा। इस तरह कैकसी को हुई संतान की प्राप्ति महर्षि से विवाह के पश्ताच कैकसी ने वीभत्स राक्षस रूपी पुत्र को जन्म दिया, जिसके दस सिर थे उसके शरीर का रंग काला और आकार पहाड़ के सामान था। इसलिए महर्षि विश्रवा ने कैकसी के सबसे बड़े पुत्र का नाम दशग्रिव रखा जो बाद में रावण के नाम से तीनों लोकों में जाना गया। उसके बाद कैकसी के गर्भ से कुम्भकरण का जन्म हुआ उसके समान लम्बा-चौड़ा दूसरा कोई प्राणी न था। तदन्तर बुरी सूरत की सुपर्णखा उत्पन्न हुई सबके पीछे कैकसी के सबसे छोटे पुत्र धर्मात्मा विभीषण ने जन्म लिया।

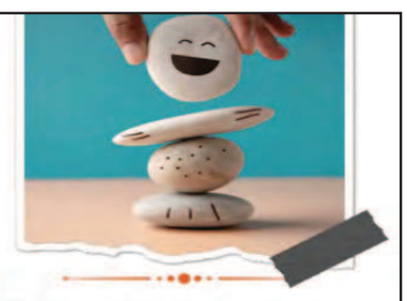

ऐसा संभव नहीं है कि किसी व्यक्ति को हमेशा सुख ही सुख मिले। सुख है तो दुख भी आएगा और दुख है तो सुख भी आएगा। इसलिए किसी भी स्थिति में निराश नहीं होना चाहिए।

राजा हो या कोई किसान, सबसे ज्यादा वही सुखी है, जिसके मन में संतुष्टि है और जिसका मन शांत है। असंतुष्ट और अशांत व्यक्ति सुखी नहीं रह पाता है।

अनमोल वचन

आपका हर एक पल जाने के बाद कभी वापस नहीं आएगा, इसलिए मुस्कुराने का कोई भी मौका ना छोड़िये।"
000000
"जो हुआ अच्छा हुआ, जो हो रहा है अच्छा हो रहा है, जो होगा वो भी अच्छा ही होगा।
000000000
"जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।
00000000000
"श्रेष्ठ होना कोई कार्य नही बल्कि यह हमारी एक आदत है जिसे हम बार बार करते है।"
0000000
विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए।"
00000000
"जो समय बर्बाद करते हैं, वह स्वयं को बर्बाद करते हैं।"

1. आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आप आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं आपके पास पैसा नहीं टिकता है और घर में अक्सर अनबन बनी रहती है तो गेहूं का आटा पिसवाने से पहले उसमें 100 ग्राम काले चने, 100 ग्राम तुलसी और दो रेशे केसर के डाल दें। इन सबको मिक्स करके शनिवार के दिन ही पिसवाएं। इस आटे का उपयोग रोटी बनाने में करें और इस भोजन को घर के सभी सदस्य ग्रहण करें। इस उपाय से बहुत जल्द पैसों से संबंधित परेशानी दूर होंगी। आय के नए स्रोत बनेंगे, घर का तनावपूर्ण माहौल भी धीरे-धीरे करके खत्म हो जाएगा।

2. ठहरने लगेगा पैसा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आपके पास पैसा आ रहा है लेकिन ठहरता नहीं है तो इसके लिए गेहूं के आटे में थोड़ी सी हल्दी मिलाएं। अब इस आटे को गुरुवार के दिन किसी गाय को खिला दें। इस उपाय से आपके पास धन ठहरने लगेगा। घर में पसरी नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी। धन आगमन के स्रोत बढ़ेंगे। नियमित रूप से आप चीटियों को भी आटा खिला सकते हैं।

3. कर्ज से मुक्ति का उपाय

शास्त्र के अनुसार यदि आप कर्ज में डूबे हैं और उससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो यह भूत आटे की रोटी बनाकर उसमें सरसों का तेल लगाएं। अब रोटी को शनिवार के दिन काले कुत्ते को खिला दें। इस उपाय से ना सिर्फ आपको कर्ज से छुटकारा मिलेगा बल्कि आपकी कई मनोकामना भी पूरी हो सकती है।

4. दूर होंगी समस्याएं

यदि आप किसी भी तरह की आर्थिक समस्या का सामना कर रहे हैं और उससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो प्रत्येक शनिवार सुबह 10:00 बजे आटे या मिट्टी का घी का दीपक लेकर पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं। इस उपाय से आपकी धन संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं।

बच्चों को सुख–सुविधाओं से ज्यादा अच्छे संस्कार देने पर ध्यान देना चाहिए

बच्चों का जीवन कैसे सुधारा जाए, ये बात महाभारत से सीख सकते हैं। महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं।
महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे।
कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए।

महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया। इस एक गलती की वजह से पूरा कौरव वंश नष्ट हो गया।
महाभारत की सीख
पांडव और कौरव परिवार को देखकर हम समझ सकते हैं कि बच्चों के पालन में सुख-सुविधाओं से ज्यादा संस्कारों पर ध्यान देना चाहिए। कुंती के संस्कारों की वजह से ही सभी पांडव श्रीकृष्ण को प्रिय थे। हमें भी बच्चों को सुख-सुविधा देने के साथ ही अच्छे संस्कार भी देना चाहिए। तभी उनका भविष्य बेहतर बन सकता है। इस संबंध में लापरवाही की गई तो बच्चों को जीवनभर परेशान होना पड़ सकता है।

मीका सिंह-राखी सावंत का किसिंग केस क्लोज, एक्ट्रेस की सहमति के बाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

मीका सिंह के खिलाफ सालों से चला आ रहा केस बंद हो गया है। हम बात कर रहे हैं राखी सावंत के किसिंग वाले केस की। जब अपनी बर्थडे पार्टी में मीका ने राखी को जबरदस्ती किस कर दिया था। इसके बाद मीका पर मुंबई उपनगर के एक रेस्तरां में एक पार्टी में कथित तौर पर राखी को जबरन किस करने का आरोप लगने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मीका पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (छेड़छाड़) और 323 (हमला) के तहत आरोप लगाए गए थे।

अब न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति एस जी डिगे की खंडपीठ ने राखी द्वारा प्रस्तुत एक हलफनामे पर विचार करने के बाद फैसला सुनाया। किसिंग की ये घटना साल 2006 की है। जिसपर राखी के वकील द्वारा याचिका का विरोध नहीं करने के बाद उच्च न्यायालय ने प्राथमिकी रद्द करने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि इसी साल अप्रैल में मीका सिंह ने पुलिस द्वारा दायर एफआईआर और आरोप पत्र को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिसपर गुरुवार को हाईकोर्ट ने राखी द्वारा दायर हलफनामे पर सुनवाई की। जिसमें कहा गया था कि उन्होंने और मीका ने अपने मतभेदों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया है। ये पूरा विवाद गलतफहमी के कारण पैदा हुआ था।

क्या है किसिंग मामला?

साल 2006 में मीका सिंह ने अपनी बर्थडे पार्टी में बिना राखी की मर्जी के कैमरा के सामने उन्हें किस कर लिया था। मीका की इस हरकत पर कहा गया था कि उन्होंने अपने बर्थडे पर सबसे मना किया था कि कोई उनके चेहरे पर केक न लगाये, लेकिन राखी ने ऐसा कर दिया और उन्हें सबक सिखाने के लिए मीका ने उन्हें किस कर दिया था। इसके बाद राखी ने उनपर उत्पीड़न का केस दर्ज कराया और मीका को हिरासत में भी लिया गया था। हालांकि बाद में वह बेल पर छोड़ दिए गए थे।

डायना पेंटी ने 'सेक्शन 84' में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का साझा किया अनुभव

अभिनेत्री डायना पेंटी हाल ही में अभिनेता शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'ब्लडी डैडी' में नजर आई थीं। अब उन्होंने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। वह जल्द ही हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग खत्म करने और बिग बी के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने सेट से कुछ तस्वीरें साझा करते हुए भावुक नोट लिखा है।

डायना ने कुछ बीटीएस तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'और यह एक रैप है। मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से विशेष यात्रा क्या रही है। इससे पहले कि हम 'सेक्शन 84' की शूटिंग शुरू करें, मैं पहली बार अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के लिए उत्साहित थी। उस समय नर्वस भी थी, लेकिन अब जब हम एक साथ एक फिल्म कर चुके हैं तो मैं सुरक्षित रूप से कह सकती हूं कि यह मेरे करियर के सबसे समृद्ध अनुभवों में से एक रहा है। अमिताभ बच्चन आपको और भी बहुत कुछ करने के लिए जगह देते हैं। उन्हें देखना और उनका अवलोकन करना एक मास्टर क्लास देखने जैसा है।' पहली तस्वीर में डायना को अमिताभ बच्चन के साथ क्लैपबोर्ड पकड़े देखा जा सकता है। उन्हें सह-कलाकार निमरत कौर और अभिषेक बनर्जी के साथ भी बॉन्डिंग करते देखा जा सकता है। डायना ने आगे कहा, ₹आखिरकार सेट पर निम्रत कौर के साथ घूमने का मौका मिला। यह सबूत है कि हम वास्तव में एक ही फिल्म में हैं। इस पूरी चीज को इतनी खूबसूरती से एक साथ लाने के लिए रिभु दासगुप्ता का धन्यवाद। 'सेक्शन 84' का निर्देशन रिभु दासगुप्ता ने किया है। उन्होंने इससे पहले बिग बी को 2014 में 'युद्ध' और 2015 में थ्रिलर फिल्म 'तीन' में निर्देशित किया था। इस फिल्म के अलावा बिग बी अगली फिल्म 'प्रोजेक्ट के' में प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पत्नी के साथ नजर आएंगे।

समांथा को टक्कर दे रही हैं विजय थालापति के एक्ट्रेस

साउथ इंडियन सिनेमा जगत में ए लिस्ट हीरो की फीस काफी है ये तो सभी को पता है. लेकिन वहां की ए लिस्टर एक्ट्रेसेस की फीस भी बॉलीवुड के कई एक्टर्स से ज्यादा है. बीते दिनों खबर थी कि समांथा रुथ प्रभु 'सिटाडेल इंडिया' के लिए सबसे ज्यादा फीस ले रही हैं. लेकिन अब उन्हें टक्कर देने के लिए साउथ की एक और बड़ी एक्ट्रेस का नाम जुड़ गया है. आइए, बताते हैं...

साउथ की हिट एक्ट्रेसेस में समांथा रुथ प्रभु का नाम शुमार है. फिल्म 'पुष्पा' के आइटम डांस 'उ अंटावा' के बाद से समांथा की फेस वैल्यू और बढ़ गई है और उन्होंने अपनी फीस बढ़ा दी है.खबरों की मानें तो समांथा ने 'सिटाडेल इंडिया' के लिए 10 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं और यह उनकी अब तक की सबसे ज्यादा फीस है. लेकिन अब उन्हें कम्पीटिशन देने के लिए त्रिशा कृष्णन भी आ गई हैं. हाल ही किए फिनकैश की ओर से किए गए एक सर्वे के मुताबिक, मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियन सेलवन' के बाद से त्रिशा की स्टार वैल्यू में इजाफा हुआ है और अब वे अपनी अगली फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये फीस ले रही हैं. मल्टी स्टारर 'पोन्नियन सेलवन' के दो पार्ट रिलीज हुए हैं और उनमें त्रिशा अहम किरदार में नजर आई थीं. फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर की थी. इस फिल्म से त्रिशा को काफी फायदा हुआ. त्रिशा अब जल्द ही विजय थालापति के साथ फिल्म 'लियो' में नजर आएंगी, जो अक्टूबर में रिलीज होगी. 14 साल बाद विजय और त्रिशा की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आएगी. त्रिशा कृष्णन का जन्म 4 मई 1983 को हुआ था. फिल्मी दुनिया में वे 14 साल की उम्र से शामिल हो गई थीं. त्रिशा को हर किरदार में दर्शक पसंद करते हैं और उनकी फैन फॉलाइंग काफी है.

दुविधा में दोनों गए मनोरंजन मिला न राम, खराब वीएफएक्स के साथ कहानी में कई तोड़-मरोड़

मूवी रिव्यू :आदिपुरुष
कलाकार : प्रभास , कृति सैनन , सनी सिंह , देवदत्त नागे और सैफ अली खान
लेखक : ओम राउत और मनोज मुंतशिर (वाल्मीकि कृत रामायण पर आधारित)
निर्देशकः ओम राउत
निर्माता :भूषण कुमार , ओम राउत और प्रमोद सुथार आदि

बहुत कठिन होता है, कठिन समय में भी सहज रहना। सरल बने रहना उससे भी दुष्कर है। विशेषकर तब जब पिता राजा रहा हो। भाई हर बात मानने को तैयार रहता हो और पत्नी का सुख इसी में हो कि वह वहीं रहे जहां पति की छाया रहे। राम कथा मनुष्य को सहज होना सिखाती है। ये यह भी सिखाती है कि तमाम धन संपत्ति, सुख, ऐश्वर्य आदि पाकर भी सरल बने रहना हो तो इसकी कुंजी कहां है। कुंजी है, समदरसी इच्छा कछु नाहीं, हरष सोक भय नहीं मन माहीं। लेकिन, सिनेमा को अब सरलता की मुंडेर भी हासिल नहीं है। वह इसी मुंडेर पर बैठा कौआ बन चुका है, जिसे दादी बचपन में इस आस से दिन भर उड़ाया करती थीं कि शायद उसका कांव कांव करना किसी आने वाले की सूचना ही हो। निर्देशक ओम राउत की नई फिल्म 'आदिपुरुष' भी मुंडेर पर से आने वाली ऐसी ही एक आवाज है। ये राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण की कहानी नहीं है, ये कहानी उन्होंने राघव, जानकी, शेष, बजरंग और लंकेश की बुनी है। इंटरवल तक ही फिल्म सुंदरकांड पार कर जाती है और उसके बाद का लंका कांड अपने आप में किसी कांड से कम नहीं है।

राम की पारंपरिक छवि नहीं

सिनेमाई छूट के सहारे पौराणिक कथाएं कहने का इतिहास भारत में भी सिनेमा जितना ही पुराना है। पहली राम कथा जब परदे पर उतरी तो राम और सीता दोनों के किरदार एक ही कलाकार ने निभाए। राम की सौम्यता की झलक वहीं से निकली। तेलुगू में बनी रामकथा में राम मूंछों के साथ नजर आए और अब तेलुगू के तथाकथित सुपर सितारे प्रभास जब अपनी नई फिल्म के साथ सिनेमाघरों तक पहुंचे हैं तो वह मूंछों वाले राम ही बने हैं। राम को जिस दिन राजा बनना था, उसका मुहूर्त नक्षत्रों की गणनाएं करके ही निकाला गया। गुरु वशिष्ठ जैसे ज्ञानी ने ये मुहूर्त निकाला लेकिन वही मुहूर्त राजा दशरथ के मरण और राम के वनवास का कारण बना। राम कथा ऐसी ही छोटी छोटी अनुभूतियों की कहानी है। ये अनुभूतियां कभी केवट प्रसंग में दिखती हैं, कभी शबरी के जूठे बेरों में तो कभी राम और हनुमान के मिलन में। दुश्मन सेना में आकर मरणासन्न की चिकित्सा करने वाले सुषेण वैद्य का प्रसंग विस्तार में देखे तो बड़े सामाजिक प्रभाव वाला है, लेकिन जिस सामाजिक समरसता का पाठ राम ने पढ़ाया, वे यहां उनके पराक्रमी प्रचार के प्रपंच में खो गए हैं।

पुरुषोत्तम के आदिपुरुष बनने की कहानी

फिल्म 'आदिपुरुष' में जब राम कहते हैं, 'जानकी में मेरे प्राण बसते हैं लेकिन मर्यादा मुझे प्राणों से भी प्यारी है।' तो बस ये एक लाइन का प्रसंग है राम को मर्यादा पुरुषोत्तम सिद्ध करने का जहां वह रावण से युद्ध करने के लिए अयोध्या की सेना नहीं चाहते हैं। लेकिन, राम कथा के ऐसे ढेरों प्रसंग है जो त्रेता युग के पुरुषोत्तम को आदिपुरुष बताए जाने का फिल्म बनाने वालों का दावा मजबूत करने में उनकी मदद कर सकते थे। छोटा भाई जब हमेशा भाभी मां की सेवा औ रक्षा में ही तत्पर रहता हो तो ऐसे में बड़ा भाई अपनी पत्नी के साथ रूमानी होने का समय भी निकाल पाएगा। सोचना मुश्किल है। लेकिन फिल्म टी सीरीज की है तो अरिजीत सिंह का गाना होना ही है और गाना होना है तो फिर कबीर सिंह हो या राघव फिल्म बनाने वालों का क्या फर्क पड़ता है।

संवादों की अति नाटकीयता की शिकार

संगीत और इसके गीतों के साथ ही इसके संवाद भी फिल्म 'आदिपुरुष' की बड़ी विफलता है। इस तरह की कथाओं के लेखन में जो सहजता और सरलता विचारों की चाहिए, वह इसके संवादों में है नहीं। हालांकि, संवाद लिखने वाले मनोज मुंतशिर अब शुक्ला भी हो चुके हैं लेकिन राम कथा की मानवता का ध्यान रखने में वह चूक गए हैं। फिल्म देखने के बाद ये भी समझ आता है कि फिल्म के टीजर को लेकर मचे हो हल्ले के बाद ओम राउत ने इसमें कोई खास फेरबदल किया नहीं है। टीजर में दिखे सारे ग्राफिक्स, सारे स्पेशल इफेक्ट्स और सारे किरदार हू ब हू यहां उपस्थित हैं। इस चक्कर फिल्म भी जरूरत से कहीं ज्यादा लंबी हो गई है।

सीता-राम से जानकी-राघव तक

प्रभास, कृति सैनन और सनी सिंह स्टारर फिल्म 'आदिपुरुष' की तुलना इसके पहले हिंदी में रिलीज हो चुकी राम कथाओं, खासकर रामानंद सागर के धारावाहिक 'रामायण' से जरूर होगी और जब जब ये तुलना होगी, सबसे पहली खामी जो इस फिल्म की लोगों को दिखेगी, वह है फिल्म में जानकी बनीं कृति सैनन। उनके चेहरे पर जो भी कृत्रिम प्रयोग हो चुके हैं, उन्होंने उनके चेहरे की सौम्यता हर ली है। होंठ और नाक उनके तीखे बनाए गए हैं। और, मिथिला की राजकुमारी के जिस सौंदर्य को देख राम पुष्प वाटिका में मोहित हुए, उसकी छटा तक कृति सैनन की सुंदरता में नजर नहीं आती। यही हाल प्रभास का है। हिंदी में शरद केलकर की आवाज पर रिवर्ब लगाकर वह राम जैसा आभास तो गए, पर उनके शरीर सौष्ठव में न राम जैसा ओज है, न राम जैसा तेज और न ही राम जैसा प्रताप। वह पूरी फिल्म में 'बाहुबली' की तीसरा संस्करण ही ज्यादा नजर आए।

मनीष पॉल का शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन, पहचानना हुआ मुश्किल, 'रफूचक्कर' के लिए घटाया 15 किलो वजन

टीवी होस्ट और एक्टर मनीष पॉल बेहतरीन एंकर होने के साथ-साथ एक एक्टर भी हैं। दिल्ली से लेकर मुंबई तक का सफर कर आज उन्होंने अपनी स्किल के दम पर इंडस्ट्री में नाम कमाया है। इन दिनों वो अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'रफूचक्कर' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसमें एक्टर को अलग-अलग अवतार में देखा गया। इसमें वो एक जिम ट्रेनर के रोल में हैं। इसी बीच एक्टर के शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीर सामने आई है, जिसमें उन्हें पहचान पाना भी काफी मुश्किल हो रहा है।

'रफूचक्कर' एक्टर मनीष पॉल की पहली वेब सीरीज है। इसमें उनका शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। ट्रेलर में एक्टर के अलग-अलग लुक दिखाई दे रहे हैं, कहीं मोटे पेट वाले यंग तो कभी फिट मीडिल एज वाले के व्यक्ति के किरदार में मनीष पॉल नजर आए। इसके लिए उन्हें काफी वेट घटाने और बढ़ाने की जरूरत पड़ी। ऐसे में अब उन्होंने अपनी फिटनेस जर्नी के बारे में बताया है, क्योंकि इसमें उन्हें एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखना था। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटोज में मनीष पॉल को मोटे और दूसरी ओर फिट देखा जा सकता है। पहले उन्होंने 10 किलो वजन बढ़ाया फिर 4 महीने तक लगातार जिम में कड़ी मेहनत की। फिर 10 किलो वजन घटाया।

कपड़ों में फंसकर गिरीं उर्फी जावेद, तो लोगों ने उड़ाया मजाक, बोले- 'नजर लग गई'

बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट और टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस की वजह से काफी चर्चा में रहती हैं। अखबार से लेकर पन्नी और घास तक के बने कपड़े एक्ट्रेस ट्राई कर चुकी हैं, जिसकी वजह से वो खूब हैडलाइन्स में भी रही हैं। ऐसे में अब एक बार से सुर्खियों में हैं। इसकी वजह उनके कपड़े ही हैं मगर थोड़ा मामला हर बार से अलग है। लेटेस्ट वीडियो में एक्ट्रेस अपने कपड़ों और हील्स की वजह से गिर जाती हैं, जिसकी वजह से उनका सोशल मीडिया पर मजाक उड़ रहा है। लोग खूब रिएक्शन्स दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में उर्फी जावेद को टॉप और जीन्स में देखा जा सकता है। इसमें देख सकते हैं कि एक्ट्रेस पैपराजी को पोज देती हैं और बाद में फैन की रिक्वेस्ट पर फोटो क्लिक करवाती हैं। तभी अचानक वो खड़ी-खड़ी गिर जाती हैं। इस दौरान उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। फिर वो जैसे-तैसे उठने की कोशिश करती हैं लेकिन उनकी ड्रेस हील में फंसी होती है, जिसके चलते उठने में भी दिक्कत होती है। इसके बाद लोग उन्हें पकड़कर उठाते हैं और ये सारा वाकया कैमरे में कैद हो जाता है।

लोग उड़ा रहे उर्फी जावेद का मजाक

उर्फी जावेद का वीडियो सामनो आने के बाद लोग उनका और उनकी ड्रेस का मजाक उड़ा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'औव नजर लग गई।' दूसरे ने लिखा, 'और कितना गिरोगी?' तीसरे ने लिखा, 'देश के लोगों लाइक करके जाओ'। इसी तरह से लोग खूब कमेंट्स कर रहे हैं और उनका मजाक उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वैसे आपको बता दें कि ये कोई पहली बार नहीं है जब एक्ट्रेस उर्फी जावेद के गदम लड़खड़ाए हैं। बल्कि पहले भी नो कई बार अपने फैशन और हाई हील्स के चलते लड़खड़ा चुकी हैं। उस समय भी उनकी ड्रेस को लेकर मजाक बना था। बस फर्क ये है कि इस बार वो खुद को संभाल ना सकीं।

अपने पिता के निकाह में इमली ने अपने हाथों में लगवाई मेहंदी, खुशी से मस्ती करती नजर आई एक्ट्रेस

टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं। इमली एक्ट्रेस को बिग बॉस 16 से काफी नेम और फेम मिला। फिलहाल इन दिनों सुंबुल अपने पिता तौकीर खान की दूसरी शादी करवाने को लेकर चर्चा में हैं। वहीं एक्ट्रेस ने अब अपने पिता की मेहंदी सेरेमनी की तस्वीरें शेयर की हैं।

'इमली' सीरियल और सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 16 से फेमस हुई सुम्बुल तौकीर खान अपने पिता की दूसरी शादी को लेकर काफी एक्साइटेड है। एक्ट्रेस के घर पर उनके पिता तौकीर खान की शादी के फंक्शन शुरू हो चुके हैं. वहीं सुम्बुल के पिता की मेहंदी नाइट से कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। फंक्शन में फैमिली और कुछ करीबी फ्रेंड्स ही शामिल हुए थे।

सुंबुल ने अपने इंस्टा स्टोरी पर भी पिता की मेहंदी नाइट की वीडियो शेयर की है। वीडियो में सुंबुल डार्क पिंक कलर के सूट के साथ व्हाइट सलवार और दुप्पट्टा लिए हुए प्यारी लग रही हैं और वे मेहंदी लगवाते हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में सुंबुल के घर में काफी मेहमान नजर आ रहे हैं और घर पूरी तरह डेकोरेट दिख रहा है। तो वही सुंबुल ने अपने हाथों में मेहंदी लगी तस्वीर भी शेयर की है।

बता दें कि, बिग बॉस सीजन 16 में भी सुम्बुल तौकीर खान से साजिद खान ने उनके पिता की दूसरी शादी का जिक्र किया था। पूछा था कि अगर उनके पापा 22 साल की किसी लड़की से शादी करना चाहेंगे तो एक्ट्रेस का रिएक्शन क्या होगा। इस पर एक्ट्रेस ने कहा था कि उनको कोई दिक्कत नहीं होगी। बस प्यार होना चाहिए। नहीं तो आगे परेशानियां ही होंगी।

एसबीआई ने वित्त मंत्री को सौंपा 5740 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक, अब तक का रिकॉर्ड लाभांश

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 का डिविडेंड दे दिया है। शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन को इस डिविडेंड का चैक सौंपा गया।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से एसबीआई चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने बीते कल 5740 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन को सौंपा। खास बात ये रही कि ये अभी तक का सबसे बड़ा डिविडेंड है। वित्त मंत्री के ऑफिस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस आशय का ट्वीट किया गया। ट्वीट में लिखा गया कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 5740 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक प्राप्त किया गया। ये भारत सरकार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से किसी भी वित्त

वर्ष के लिए दिया गया अभी तक का सबसे ज्यादा डिविडेंड है। ये डिविडेंड चेक दिनेश कुमार खारा की ओर से लिया गया। इस मौके पर वित्त मंत्री, एसबीआई चेयरमैन के साथ वित्त सेवा सचिव विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। एसबीआई ने 11.30 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (1130 फीसदी) के डिविडेंड का ऐलान 31 मार्च 2023 को किया था। देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर के बैंक एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष 17,648.67 करोड़ रुपये बतौर टैक्स भी सरकार को दिया है।

ये भी है खबर

यूटीआई म्यूचुअल फंड के प्रायोजक एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम ने देश के सबसे पुराने फंड हाउस यूटीआई म्यूचुअल फंड में अपनी हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक, इन यूनिट्स ने हिस्सेदारी बिक्री पर सलाह देने के लिए मर्चेंट बैंकरों से संपर्क किया है।

एसबीआई का मुनाफा भी बढ़ा है

एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते वित्त वर्ष (2022-23) के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों यानी पीएसबी का मुनाफा सामूहिक रूप से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। इसमें लगभग आधी हिस्सेदारी देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की रही। इसका मतलब हुआ कि जितना मुनाफा 11 अन्य सरकारी बैंकों ने मिलकर कमाया, लगभग उतना मुनाफा अकेले भारतीय स्टेट बैंक को हो गया।

2000 रुपये के नोट बैंकों में वापस आने से बढ़ा डिपॉजिट, 2 जून तक वापस आए 3.26 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक का 2000 रुपये के नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने का फैसला देश के बैंकों के लिए डिपॉजिट बढ़ाने वाला साबित हुआ है। आरबीआई ने 23 मई से 2000 रुपये के नोट वापस लेने या बैंक खातों में जमा कराने के लिए कहा था जिसके बाद बैंकों के पास भारी संख्या में 2000 रुपये के नोट आ रहे हैं। इसे ही लेकर बड़ा आंकड़ा सामने आया है।

3.26 लाख करोड़ रुपये बैंकों में लौटे

2 जून को खत्म हुए पखवाड़े में कमर्शियल बैंकों द्वारा 2000 रुपये के नोटों की शक्ल में जमा की गई करेंसी 3.26 लाख करोड़ रुपये बढ़कर रही है। इसके दम पर बैंकों का डिपॉजिट 187.02 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है और ये काफी बड़ा आंकड़ा है।

आरबीआई के डेटा से मिली जानकारी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के वीकली स्टेटिस्टकल सप्लीमेंट में ये डेटा दिया गया है और इसके मुताबिक केवल 15 दिनों में देश के बैंकिंग सिस्टम में 2000 रुपये के तौर पर 3.26 लाख करोड़ रुपये आ गए थे जिसके बाद डिपॉजिट बढ़कर 187.02 लाख करोड़ रुपये पर आ चुका है। इसके अंतर्गत टर्म डिपॉजिट बढ़कर 2.65 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है और डिमांड डिपॉजिट की रकम 7,60,968 करोड़ रुपये पर आ गई है।

डिपॉजिट ग्रोथ में दिखी तेज बढ़त

इन 2000 रुपये के नोटों के बैंकों में लौटने की बदौलत ही इस साल 11.8 फीसदी की डिपॉजिट ग्रोथ रही है और इसके पिछले साल की तुलना में ये अच्छा आंकड़ा है। इससे पिछले साल ये 9.8 फीसदी पर आई थी।

8 जून को भी दी थी आरबीआई ने जानकारी

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने 8 जून को जानकारी दी थी और कहा था कि अब तक 1.80 लाख करोड़ रुपये वैल्यू के 2000 रुपये के नोट्स सिस्टम बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2023 तक जितने 2000 रुपये के नोट्स सर्कुलेशन में थे उसका ये 50 फीसदी है यानि 50 फीसदी नोट्स वापस आ चुके हैं। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि इस अवधि तक बैंकिंग सिस्टम में 3.62 लाख करोड़ रुपये के नोट्स सर्कुलेशन में थे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने मणिप्पुरम पर लगाया 20 लाख का जुर्माना, गडबडी की शिकायत मिली थी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक कंपनी पर बड़ा जुर्माना लगया है। यह कंपनी लोगों को कर्ज देने का काम करती है। रिजर्व बैंक ने नियमों के उल्लघंन को लेकर ये जुर्माना लगया है। केंद्रीय बैंकों का कहना है कि त्रिशूर स्थित गोल्ड लोन कंपनी पर यह जुर्माना विनियामक अनुपालन में कमियों के कारण लगाया गया है।

किस कंपनी पर लगाया जुर्माना

भारतीय रिजर्व बैंक ने मणप्पुरम फाइनेंस पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने एनबीएफसी नियमों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इसका मतलब किसी ट्रांजेक्शन को प्रभावित करना नहीं है। वहीं किसी डील पर भी इसका असर नहीं होगा।

केंद्रीय बैंक ने जारी किया निर्देश

भारतीय रिज़र्व बैंक ने मार्च 2021 तक कंपनी की वित्तीय स्थिति की जांच के लिए निरीक्षण किया था। इसके बाद कंपनी की स्थिति के बारे में पूरी रिपोर्ट तैयार की थी और दिशा निर्देश दिया था। इसी के तहत नियमों का उल्लघंन भी पाया गया, जिस कारण कंपनी पर केंद्रीय बैंक ने जुर्माना लगाया। वहीं बैंक ने कंपनी को 90 दिनों से अधिक बकाया चल रहे गोल्ड लोन अकाउंट को अलग करने के लिए भी कहा है।

रिजर्व बैंक को और क्या मिली गड़बड़ी

केंद्रीय बैंक ने कहा कि कंपनी ने 2011 के दौरान से ही कुछ अकाउंट्स में अनिवार्य लोन से लेकर अमाउंट तक के रखरखाव को भी सुनिश्चित नहीं किया है। साथ ही कई और गड़बड़ियां रिजर्व बैंक को मिली हैं। आरबीआई ने कहा कि ये कार्रवाई कंपनी के असंतोष प्रतिक्रिया पर आधारित है।गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर बैंक और फाइनेंस कंपनियों के वित्तीय स्थिति और नियमों के उल्लघंन की जांच करता रहता है। अगर रिजर्व बैंक को किसी भी तरह की दिक्कत मिलती है तो वह उनपर जुर्माना या पाबंदी संबंधी कार्रवाई करता है।

आरटीआई से हैरान करने वाला खुलासा

गायब हो गए 88 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के नए नोट

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। नोटों की छपाई से लेकर सर्कुलेशन तक का काम बेहद सुरक्षित माहौल में किया जाता है। यह जरूरी भी होता है, क्योंकि किसी देश की करेंसी उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। अब अगर आपको बताया जाए कि इतनी टाइट सिक्योरिटी होने के बाद भी बड़ी मात्रा में नए नोट गायब हो गए, तो शायद आपको यह मजाक लगे, लेकिन यह सच है। मिंट समेत कई मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही खबरों के अनुसार, जो नोट गायब हुए हैं वे 500 रुपये के नए डिजाइन वाले हैं। हैरान करने वाली बात है कि गायब हुए नोटों की वैल्यू हजार-पांच सौ नहीं बल्कि 88 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। इसका खुलासा सूचना का अधिकार यानी आरटीआई के

तहत पूछे गए सवालों से हुआ है। आरटीआई एक्टिविस्ट मनोरंजन रॉय ने इस संबंध में सवाल पूछे थे और उन्हें जवाब में जो आंकड़े मिले, वे हैरान कर देने वाले हैं। बताया जा रहा है कि नए डिजाइन वाले 500 रुपये के जो लाखों नोट गायब हुए हैं, उनकी वैल्यू 88,032.5 करोड़ रुपये है। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों छापेखानों ने मिलकर नए डिजाइन वाले 500 रुपये के 881.065 करोड़ नोट छापे, लेकिन रिजर्व बैंक को इनमें से 726 करोड़ नोट ही मिले। कुल मिलाकर 500 रुपये के 176.065 करोड़ नोट गायब हुए, जिनकी वैल्यू 88,032.5 करोड़ रुपये है।भारत में नोटों की छपाई तीन छापेखानों में होती है। ये छापेखाने हैं बेंगलुरू स्थित भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड , नासिक स्थित करेंसी नोट प्रेस और देवास स्थित बैंक नोट प्रेस । आरटीआई के जवाब में नासिक मिंट ने बताया कि उसने 2016-17 में रिजर्व बैंक को 500 रुपये के 166.20 करोड़ नोटों की सप्लाई की। इसी तरह 2016-17 के दौरान बेंगलुरू मिंट ने 519.565 करोड़ नोटों और देवास मिंट ने 195.30 करोड़ नोटों की सप्लाई की। इस तरह तीनों मिंट ने मिलकर रिजर्व बैंक को 500 रुपये के 881.065 करोड़ नोट सप्लाई किए।

क्रिकेट सट्टेबाज की 3.40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

2015 में दर्ज मामले में ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। ईडी ने क्रिकेट सट्टेबाज अनिल जयसिंघानी के नाम पर रखी गई 3.40 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति का पता लगाया है और उसे जब्त किया है। यह पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) मामले के संबंध में है।

ईडी का मामला 2015 में गुजरात के वडोदरा पुलिस स्टेशन की ओर से दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस मामले में कार्रवाई संबंधी शिकायत अहमदाबाद स्थित पीएमएलए कोर्ट में छह जून 2023 को दर्ज की गई थी।

तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को ड्रैगन का सहारा, चीन ने एक अरब अमेरिकी डॉलर देकर की मदद

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। लंबे समय से आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को चीन ने बड़ी मदद दी है। दरअसल ड्रैगन ने आर्थिक तंगी से जूझ रहे अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की मदद दी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से ऋण सहायता मिलने को लेकर अनिश्चितता के बीच बेहद कम विदेशी भंडार से जूझ रहे देश को इस मदद से काफी राहत मिलेगी।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने दी जानकारी

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने शुक्रवार की रात इस बारे में कोई अन्य विवरण साझा किए बिना चीन से राशि मिलने की पुष्टि की है। पाकिस्तान का मुद्रा भंडार हाल के सप्ताहों में घटकर लगभग 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर तक रह गया था। इससे पहले, वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा था कि पाकिस्तान ने पिछले सोमवार को चीन को 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर की देनदारी के मुकाबले एक अरब अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया और उम्मीद जताई थी कि यह राशि वापस कर दी जाएगी।पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भुगतान के मामले में चूक की कगार पर है।

आईएमएफ ने उसे 6.5 अरब डॉलर की ऋण सहायता देने की 2019 में सहमति जताई थी, लेकिन इसमें से 2.5 अरब डॉलर उसे नहीं मिल सकती है। इस राशि को जारी करने के लिए आईएमएफ ने कुछ शर्तें रखी हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान का कहना है कि वह आईएमएफ की शर्तों को पहले ही पूरा कर चुका है। आईएमएफ का ऋण सहायता कार्यक्रम 30 जून को पूरा हो रहा है।

गूगल उत्पादों को सशक्त बनाते हैं भारतीय प्रतिभा व नवाचार

जानें भारत पर क्या बोले गूगल के अधिकारी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। गूगल के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है और यह अविश्वसनीय प्रतिभा व नवोन्मेष का स्रोत है जो वैश्विक स्तर पर कंपनी के उत्पादों को बनाने और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करता है। गूगल के सरकारी मामलों और सार्वजनिक नीति के वैश्विक प्रमुख करण भाटिया ने शुक्रवार को एक समाचार एजेंसी से कहा कि कंपनी भारत और इसके बाजार को लेकर बहुत उत्साहित है। उन्होंने कहा, 'भारत दुनिया भर में हमारे सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। यह वास्तव में हमारे लिए दूसरा घर है। हम लगभग दो दशकों से यहां हैं। वहां

हमारे हजारों कर्मचारी हैं। यह अविश्वसनीय प्रतिभा और नवाचार दोनों का एक स्रोत है जो वास्तव में दुनिया भर में गूगल उत्पादों को बनाने और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करते हैं। भाटिया ने कहा कि भारत एक गतिशील बाजार है जहां आप इंटरनेट के उपयोग और नए छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप दोनों में तेज वृद्धि हो रही है।

पिछले नौ वर्षों में भारत में डिजिटल विस्तार की कहानी अविश्वसनीय

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत के डिजिटल विस्तार की एक अविश्वसनीय कहानी रही है। यहां इंटरनेट के उपयोग के मामले में एक विस्फोट हुआ है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ा है और डिजिटल-फर्स्ट व्यवसायों के मामले में हम वृद्धि का अनुभव कर रहे हैं। हम अधिक यूनिकॉर्न, अधिक स्टार्टअप, अधिक कंपनियां देख रहे हैं जो पहले डिजिटल रूप से सोच रहे हैं। भाटिया ने कहा, ₹आप एक ऐसी सरकार देख रहे हैं जो वास्तव में डिजिटलीकरण, डिजिटल नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझती है। उन्होंने कहा कि भारत में एक पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है जो वैश्विक डिजिटल नेटवर्क में देश की उपस्थिति को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी की शुरुआत से ही डिजिटल-फर्स्ट मानसिकता रही है। आप देख सकते हैं कि उन्होंने किस तरह से सरकार को डिजिटल तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। आप आधार जैसी चीज को देखें। यह, निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटक है जो सरकार के नेतृत्व का परिणाम रहा है। भाटिया ने 2005 से 2007 तक उप अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया।

19 जून से खुल रही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सीरीज:1 ग्राम सोने के लिए चुकाने होंगे 5,876 रुपए

23 जून तक कर सकेंगे निवेश

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की आठवीं सीरीज के लिए सोने का दाम तय कर दिया है। इस बार के लिए सोने की कीमत 5,926 रुपए प्रति 1 ग्राम तय की है। इसमें ऑनलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से निवेश किया जा सकता है। जो इनके लिए ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल पेमेंट के जरिए भुगतान करेंगे, उन्हें प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी उन्हें 1 ग्राम के लिए 5,876 रुपए चुकाने होंगे। ये स्कीम 19 से 23

जून 2023 तक खुलेगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9% शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। ऑनलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से इसमें निवेश किया जा सकता है। एसजीबी में निवेश पर 2.50% का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है। भारतीय बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड यानी आईबीजेए के पब्लिश्ड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है। यहां हम आपको सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के बारे में बता रहे हैं ताकि आप भी इसमें निवेश करके फायदा कमा सकें...सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है।

पेरिस में मिले दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्ति- एलोन मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट, तस्वीरें वायरल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दुनिया के शीर्ष दो सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपने परिवार के कुछ चुनिंदा लोगों के साथ पेरिस में लंच किया। इस दौरान मस्क की मां मेय मस्क और अरनॉल्ट के साथ उनके दो बेटे एंटोनी और एलेक्जेंडर अरनॉल्ट भी थे।एलन मस्क यूरोपीय देश फ्रांस की राजधानी पेरिस में भाग लेने गए थे। ये इवेंट 14 जून से लेकर 17 जून तक पेरिस में आयोजित किया जा रहा है। इस एनुअल कॉन्फ्रेंस को पब्लिसिस ग्रुप एसए और लेस इकोस द्वारा आयोजित किया जाता है, जो कि एलवीएमएच के स्वामित्व वाली कंपनी है। एलन मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट इस वार्षिक कॉन्फ्रेंस में ऑफिशियल स्पीकर थे। इसके अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और सेल्सफोर्स के सह-संस्थापक मार्क बेनिओफ भी स्पीकर की लिस्ट में शामिल थे।

इन तस्वीरों में एलन मस्क

बर्नार्ड अरनॉल्ट एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के पास 233 अरब डॉलर की संपत्ति है और वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। एलएमवीएच के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट के पास करीब 202 अरब की संपत्ति है और दुनिया के अमीरों की सूची में उनका नाम दूसरे नंबर पर आता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि- **432000** सूर्योदय- 05-46 सूर्य अस्त- 18-48
भोग्य कलि वर्ष- **426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885124**
दिशाशूल - पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस • **10 -06** तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - आषाढ कृष्ण पक्ष , रविवार **June 18**
नक्षत्र - मृगशिरा - **18- 06** - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - गण्ड - **00 - 58** - तक उप - वृध्दि
करण- नाग - **10 -06** - तक उप- किंस्तुघन
विशेष:- व्रत -त्योहार - **देवकार्ये अमावस्या**

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	01-50 बजे
चंद्र-	मिथुन में	वृष--	03-34 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	05-34 बजे
बुध-	वृष में	कर्क...	07-48 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	09-59 बजे
शुक्र-	कर्क में	कन्या..	12-05 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	14-11 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	16-21 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	18-34 बजे
		मकर..	21-10 बजे
		कुंभ...	22-31 बजे
		मीन...	00-09 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:13 से 18:51 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	05:46 - 07:22 अशुभ	शुभ	18:48 - 20:13 शुभ
चंचल	07:22 - 09:00 शुभ	अमृत	20:13 - 21:34 शुभ
लाभ	09:00 - 10:39 शुभ	चंचल	21:34 - 22:56 शुभ
अमृत	10:39 - 12:17 शुभ	रोग	22:56 - 00:17 अशुभ
काल.	12:17 - 13:56 अशुभ	काल	00:17 - 01:39 अशुभ
शुभ.	13:56 - 15:34 शुभ	लाभ	01:39 - 03:00 शुभ
रोग	15:34 - 17:13 अशुभ	उत्पात	03:00 - 04:22 अशुभ
उत्पात	17:13 - 18:48 अशुभ	शुभ	04:22 - 05:46 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अपने निराशावादी रवैये के कारण आप कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह महसूस करने का सही समय है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को मंद कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित परिवर्तन देखेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर और स्वास्थ्य को त्याग देते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। परिवार के सदस्यों के प्रति आपका दबंग रवैया बेकार की बहसें ही शुरू करेगा और आलोचना का कारण भी बन सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

कुछ आघातों का सामना करने के लिए आपको अत्यधिक साहस और शक्ति दिखाने की आवश्यकता है। आप अपने आशावादी रवैये से इन पर आसानी से काबू पा सकते हैं। मनोरंजन और भोग विलास पर अधिक खर्च न करें। एक सुखद और शानदार शाम के लिए आपके घर मेहमानों की भीड़ उमड़ रही है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

सामाजिकता का डर आपको परेशान कर सकता है। इसे दूर करने के लिए अपने स्वाभिमान को प्रोत्साहित करें। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुकेंगे। नया रिश्ता लंबे समय तक चलने वाला और अत्यधिक लाभकारी होगा। कुछ गलतफहमियों के कारण आज आपके प्रेमी के साथ आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

गर्दन/पीठ में लगातार दर्द रहने की संभावना है। इसे नज़रअंदाज़ न करें, खासकर जब यह सामान्य कमजोरी के साथ हो। आज आराम करना बेहद जरूरी होगा। वित्तीय समस्याएं रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देती हैं। उचित संवाद और सहयोग से जीवनसाथी के साथ संबंध बेहतर होंगे।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

अच्छा स्वास्थ्य के रूप में आज एक विशेष दिन आपको कुछ असाधारण करने में सक्षम करेगा। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। आज जब आपको पता चलेगा कि जिस पर आपने हमेशा भरोसा किया है, वह आपके साथ बहुत ईमानदार नहीं है, तो आप खिन्न महसूस करेंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

हवा महल बनाने में अपना समय बर्बाद मत करो। बल्कि कुछ सार्थक करने के लिए अपनी ऊर्जा का संरक्षण करें। अगर आप अपने पत्ते अच्छी तरह से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त पैसा कमाएंगे। रिश्तेदारों और दोस्तों से अप्रत्याशित उपहार और उपहार। अतीत की सुखद यादें आपको व्यस्त रखेंगी।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

यदि आपका बच्चा परीक्षा में अच्छा नहीं कर पाता है तो उसे डांटे नहीं। बल्कि आपको उसे अगली बार अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। आपको याद रखना चाहिए कि सभी एक जैसे नहीं होते। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने अभिनव विचार का प्रयोग करें। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आपका सबसे प्रिय सपना साकार होगा। लेकिन अपनी उत्तेजना को क़ाबू में रखें क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। आर्थिक कठिनाइयाँ आलोचना और तर्क-वितर्क का कारण बन सकती हैं- ऐसे लोगों को ना कहने के लिए तैयार रहें जो आपसे बहुत अधिक उम्मीद रखते हैं।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

अपने वजन पर नजर रखें और ज्यादा खाने से बचें। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस समय आपको पैसों से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु व्यवहार से आपको चिढ़ा सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की जरूरत नहीं है अन्यथा स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। याद रखें कि जो ठीक नहीं हो सकता उसे सहना चाहिए। आज किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आप अपने व्यापार में अच्छा कर सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

गैस की समस्या वाले रोगियों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। जो लोग काफी समय से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन की प्राप्ति हो सकती है जिससे जीवन की कई परेशानियां पल भर में दूर हो जाएंगी।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हम बहनों ने डॉक्टरी का सपना देखा, तीनों नीट पास

पत्थरबाजी होती तो लगता पढ़ाई छूटेगी, चिनार के पेड़, डल झील छूटने का लगता डर

नई दिल्ली, 17 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'कश्मीर' कहने को तो ये धरती का स्वर्ग है। खूबसूरत वादियां, ऊंचे पहाड़ और रूह को सुकून देने वाला मौसम। लेकिन इन सब के बीच कश्मीर की एक स्याह हकीकत भी है। जिनसे हम कश्मीरियों को दो-चार होना पड़ता है।

कश्मीर में जब अशांति होती, महीनों हमारा स्कूल बंद रहता। इंटरनेट बंद होता, घर से बाहर जाने पर भी डर लगता था।

लेकिन इन चुनौतियों के बीच हम तीन बहनों ने नीट क्वालिफाइ किया है। अब हम तीनों डॉक्टर बनेंगी।

ये कहना है तूबा बशीर का। जिन्होंने तमाम चुनौतियों के बीच नीट परीक्षा पास की है। डॉक्टर बनने जा रहीं तूबा ने अपनी और अपनी बहनों रुतबा और अर्बिश के इस सफर को याद किया है। आज के 'ये मैं हूं' में कहानी तूबा और उनकी बहनों की।

तीन बहनें एक साथ बनेंगी डॉक्टर

हम जुड़वां बहनें हैं और एक मेरी चचेरी बहन। हम तीनों बचपन से साथ पढ़े और खेले। बचपन में हम तीनों ने मिलकर डॉक्टर बनने का सपना देखा।

इसके लिए हम तीनों ने साथ पढ़ाई की। अभी हमारा रिजल्ट आया और हम तीनों ने अच्छे नंबर्स के साथ नीट क्वालीफाई कर लिया है। मुझे 720 में से 645 नंबर मिले। मैं अपने शहर की टॉपर बनी। उम्मीद है कि एम्स या किसी दूसरे अच्छे मेडिकल कॉलेज में मेरा एडमिशन हो जाएगा।

सफर नहीं था आसान, कई बार लगता पढ़ाई छूट जाएगी

मेरा जन्म श्रीनगर में हुआ। हमारा घर श्रीनगर के डाउन टाउन इलाके में है। पापा की बेकरी शॉप है। मम्मी हाउसवाइफ हैं।

दुर्भाग्य से हमारा इलाका पूरे देश में दंगे-फसाद के लिए जाना गया। हर शुक्रवार इस इलाके में पत्थरबाजी और विरोध प्रदर्शन होते थे। हमारे घर के आसपास का इलाका ऐसा लगता मानो कोई जंग का मैदान हो। न चाहते हुए भी हमें इस जंग के मैदान से रोज गुजरना पड़ता।

घर से निकलकर स्कूल और कोचिंग जाना भी जंग जीतने की तरह था। कई बार तो महीनों स्कूल बंद रहते। हम तीनों बहनें घर पर बैठ माहौल ठीक होने की दुआ करतीं। इससे ज्यादा हम कुछ कर भी नहीं सकते थे।

कई बार तो ऐसा भी लगा कि मानों अब पढ़ाई छूट जाएगी। हफ्ते भर की छुट्टी के बाद वापस पढ़ाई की रिदम पकड़नी मुश्किल होती है। यहां तो महीनों की बात थी।

देश के बाकी लोगों से पहले ही हम झेल चुके थे लॉकडाउन

2020 में देश में कोविड के चलते लॉकडाउन लगा तो लोग परेशान हो गए। स्कूल, कॉलेज जाने वाले बच्चों की पढ़ाई रूक गई। फिर उनकी ऑनलाइन क्लास शुरू हुई।

लेकिन मैं और मेरी बहनें जिस तरह के लॉकडाउन को झेलती आई हैं; उसमें ऑनलाइन क्लास का भी ऑप्शन नहीं था। फसाद की वजह से हमारे यहां अक्सर कर्फ्यू जैसी स्थिति होती और इंटरनेट भी बंद रहता। इस दौरान मैं और मेरी बहनें अपने धुंधले

पड़ते सपनों को किसी तरह जिंदा रखते हुए दिन गिनती थीं।

मन के किसी कोने में एक उम्मीद की किरण थी कि एक दिन कश्मीर में हालात ठीक होंगे और हम अपने सपनों के पूरा करने में कामयाब होंगे।

शुक्र है पिछले दो सालों में कश्मीर की स्थिति पहले से कुछ बेहतर हुई है। जो चुनौतियां हमें स्कूल के दौरान झेलनी पड़ी थी, नीट की तैयारी में ऐसा कुछ नहीं हुआ। हम तीनों बहनों ने इसी मौके का फायदा उठाकर अपने सपने की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाया।

बहनों के साथ मिलकर हॉस्पिटल खोलना चाहती हूं

बचपन में जब हम तीन बहनों ने मिलकर डॉक्टर बनने का सपना देखा था; तब हमें इसके बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं था। बस इतना जानते थे कि अच्छे से पढ़ेंगे तो डॉक्टर बन जाएंगे। पापा और दोनों चाचा भी ऐसा ही कहकर हमें प्रोत्साहित करते।

बाद में हम तीनों ने फैसला किया कि डॉक्टर बनने के बाद मिलकर एक ऐसा हॉस्पिटल खोलेंगे जहां गरीबों और मजबूर महिलाओं को आसानी से कम कीमत पर इलाज मिले।

सपने बड़े हैं मगर कश्मीर से निकलते हुए डर भी लगता है

मेरे सपने बड़े हैं। नीट में मेरी रैंक भी अच्छी आई है। देश के किसी भी नामी मेडिकल कॉलेज में मेरा एडमिशन हो सकता है।

लेकिन सच कहूं तो मुझे कश्मीर से बाहर निकलते हुए डर भी लगता है। मेरी बहनों का भी यही हाल है। लगता है कि ये वादियां, ये मौसम, ये चिनार के पेड़, अपनी डल झील, कश्तियां, कश्मीरी जायका और सबसे बढ़कर ठंडे कश्मीर में अपनों के गर्म रिश्तों का एहसास। इन सबसे दूर होने की बात सोचकर भी सिहरन सी होती है।

लेकिन दूसरी ओर, मेरे और मेरी बहनों के सपनों, गरीबों और महिलाओं के लिए हॉस्पिटल का सवाल है।

अभी मेरे घरवाले हमारे रिजल्ट की खुशियां मना रहे हैं। लेकिन अंदर ही अंदर मैं अपने डर और सपनों के बीच लड़ रही हूं। देखती हूं, कौन जीतता है?

घर में कोई डॉक्टर नहीं था और दिल के कई मरीज थे

हमारे पापा बिजनेसमैन हैं। बाकी दो चाचा में से एक बैंक मैनेजर और दूसरे टीचर हैं। इन सब को देखकर ही हम बहनों को कुछ अच्छा करने की सीख मिली। घर में इतने सारे प्रोफेशनल्स हों तो प्रेरणा मिलती ही है।

लेकिन मैंने देखा कि मेरे परिवार या रिश्तेदारी में दूर-दूर तक कोई डॉक्टर नहीं है। जबकि हमारे घर में ही कई लोगों को दिल की बीमारियां है। तभी मैंने सोचा कि डॉक्टर और उसमें भी कार्डियोलॉजिस्ट यानी दिल की डॉक्टर बनूंगी। बहनें गायनाकोलॉजिस्ट बनना चाहती हैं।

किताबों से दोस्ती की, कुछ शौक छोड़ने पड़े

मुझे ऑनलाइन गेम खेलना बहुत पसंद है। साथ ही मुझे फिल्में भी पसंद हैं। शाहरुख खान मेरे पसंदीदा एक्टर हैं। उनकी फिल्म डीडीएलजे मैं कई बार देख चुकी हूं।

लेकिन अपने आप को पिछले 2 सालों से इन शोक से दूर ही रहे। मैंने जब मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी शुरू की, तो धीरे-धीरे अपने सभी शौक से दूरी बना ली। किताब से दोस्ती की और पढ़ाई को अपना एकमात्र मकसद बना लिया।

अब रिजल्ट आ गया है। अभी बधाइयां लेना और शुक्रिया कहने में बिजी हूं। इनसे फारिग होऊं तो शाहरुख की कोई फिल्म देखूंगी और फोन पर गेम भी खेलूंगी।

बहनों के साथ को देती हूं कामयाबी का श्रेय

किसी भी कामयाबी और नाकामी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। इसी तरह हम तीनों बहनों की कामयाबी के भी कई वजहें हैं। जाहिर तौर पर सबने काफी मेहनत की। हमें घरवालों और टीचर्स का पूरा साथ मिला।

लेकिन इन सब से बढ़कर हम तीन बहनों का आपसी रिश्ता हमारी सबसे बड़ी ताकत बना। हम तीनों अक्सर साथ में पढ़ती थीं। इसका भी मुझे काफी फायदा मिला।

पुरुष आयोग बनाने को लेकर विश्व हिन्दू तख्त ने लिखा गृहमंत्री अमित शाह को पत्र

विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख शांडिल्य ने अमित शाह को भेजे पत्र में कहा : यौन शोषण व पोक्सो एक्ट का कोई भी दुरूपयोग न करें इसको लेकर संसद में कानून आएं

* अगर यौन शोषण व पोक्सो के आरोप फर्जी पाएं जाते है तो उतना ही सजा शिकायत देने वाली महिला को भी दी जाए
* पुरुष समाज पर यौन शोषण व पोक्सो एक्ट के तहत झूठे आरोप लगाने पर महिला समाज पुरुषों के समर्थन में उतरे

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)। जिस तरह देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला आयोग है इसी तरह देश में पुरुषों को सुरक्षा व सरंक्षण देने के लिए पुरुष आयोग का गठन किया जाए इसको लेकर विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख एवं एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने देश के गृहमंत्री को पत्र लिखा है और साथ ही इस बारे अमित शाह से मुलाकात के लिए भी शांडिल्य ने पत्र में समय माँगा। शांडिल्य ने कहा महिलाएं समाज में पुरुषों के समान भागेदारी चाहती है और भागेदारी मिलनी भी चाहिए लेकिन जो महिलाएं पुरुष समाज को बदनाम करने के लिए उनकी छवि को सामाजिक तौर पर खत्म करने के लिए उनका राजनीतिक कैरियर खराब करने के लिए या किसी प्रभाव में यौन शोषण व पोक्सो के फर्जी आरोप लगाते है ऐसी कुप्रथा को रोकने के लिए महिलाओं को पुरुषों के पक्ष में जनांदोलन तैयार करना चाहिए।

विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य आज अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे उन्होंने कहा जिस तरह देश के गृहमंत्री अमित शाह ने 370 खत्म कश्मीर से एक झंडा एक विधान बना दिया उसी तरह गृहमंत्री अमित शाह व कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल कानून लेकर आयें कि यौन शोषण व पोक्सो के खतरनाक आरोप किसी भी पुरुष पर फर्जी व लालच के तहत ना लगे इसको लेकर सख्त कानून बने और आरोप फर्जी साबित होने पर महिला को भी उतनी ही सजा मिलनी चाहिए जितनी पोस्को या यौन शोषण के आरोप साबित होने पर होती है ताकि यौन शोषण व पोक्सो जैसे झूठे आरोप लगाने वाली महिलाएं देश की अन्य महिलाओं को बदनाम न कर सकें। शांडिल्य ने कहा जैसे 370 खत्म होने से देश मजबूत हुआ उसी तरह पुरुष समाज को बचाने के लिए व पुरुषों की सुनवाई देश में हो और उनके ऊपर कोई फर्जी आरोप ना लग सके इसको लेकर पुरुष आयोग तुरंत गठित किया जाए। इससे निश्चित तौर पर पुरुष समाज पर फर्जी आरोप लगने बंद होंगे। शांडिल्य ने देश के गृहमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि वह देश के तमाम पुलिस महानिदेशकों व

देश के तमाम राज्यों के गृह सचिवों के माध्यम से अमित शाह रिपोर्ट मंगवाए कि देश में कितने यौन शोषण व पोस्को के आरोप झूठे पाए गेर और आरोप लगाने वाली महिलाओं के खिलाफ उन राज्यों की पुलिस ने क्या कारवाई की।

विश्व हिन्दू तख्त जितना सम्मान महिलाओं का करेगा उतना ही सम्मान पुरुष समाज का भी करेगा क्योंकि पुरुष भी किसी बहन के भाई, किसी माँ के बेटे, किसी पत्नी के पति, किसी बेटी के बाप है और इस तरह का ही रिश्ता समाज में महिलाओं का पुरुषों के साथ है लेकिन अमाज की कुछ गन्दी मछलियां देश में ना केवल महिलाओं को बदनाम कर रही है बल्कि पुरुष समाज व महिला समाज में खाई पैदा कर रही है। वीरेश शांडिल्य ने गृहमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि आईपीसी की धारा 182 व 211 जो झूठा मुकदमा दर्ज करवाने वालों के खिलाफ उपयोग होती है इनधाराओं को संगीन धाराओं में तब्दील कर इसे सख्त किया जाए और संसद में कानून लाकर इनमे बदलाव किया जाए। आज स्तिथि यह हो गई है कि गरीब से गरीब व बड़े से बड़ा आदमी ऐसे आरोपों से बचाव के लिए अपने घरों में सीसीटीवी कैमरे का इस्तेमाल करने लगा है। शांडिल्य ने कहा महिला समाज को भी ऐसे आरोपों से भारी नुक्सान हो रहा है। अगर देर रात महिला को सडक पर लिफ्ट चाहिए तो अकेली महिला को कोई भी आज के समय में लिफ्ट नहीं देता क्योंकि पुरुष समाज में आज के समय में डर का माहौल बन चुका है क्योंकि यौन शोषण जैसे आरोप जब लगते है तब व्यक्ति के अकेले का नुकसान नहीं बल्कि उसकी सात पीढियों का नुक्सान हो जाता है।

विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने कहा हद्द की बात तो यह है कि देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायधीश एचएल दत्तु,अशोक गांगुली,स्वतंत्र कुमार,रंजन गोगोई पर यौन शोषण के आरोप लगे और यहीं नहीं अभिनेता जितेन्द्र पर तो 50 साल पुराना यौन शोषण का आरोप लगा और बॉलीवुड जगत भी मी टू के फर्जी आरोपों से अछूता नहीं है। ऐसे में गृहमंत्री अमित शाह को समय रहते पुरुष आयोग का गठन कर इस मामले में गंभीर संज्ञान लेना चाहिए। विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने कहा जो कुछ 6 बार के सांसद बृज भूषण शरण सिंह के साथ हुआ है और जो उनकी इज्जत देश की मीडिया ने चीर हरण किया उसको लेकर भी मोदी सरकार गंभीर चिंतन करें और मीडिया की लक्ष्मण रेखा भी तय करें। शांडिल्य ने कहा जिस तरह कभी दहेज के झूठे मुकदमे दर्ज होते थे उससे भी ज्यादा झूठे मुकदमे अब यौन शोषण व पोक्सो के दर्ज होने लग गए है जो पुरुष व महिला समाज सहित भारतीय संस्कृति के लिए एक बहुत बड़ी खतरे की घंटी है और इस समस्या को केंद्र सरकार के साथ-साथ देश की महिलाओं को आगे आकर खत्म करना होगा।

आरटीआई कार्यकर्ता सिकंदर नवाज खान के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

हजारीबाग, 17 जून (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले के आरटीआई कार्यकर्ता सिकंदर नवाज खान हत्याकांड में कोर्ट का फैसला आ गया। आरोपी गणेश सोनार को अदालत ने उम्रकैद और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सिकंदर की हत्या हजारीबाग के चौपारण में वर्ष 2018 में धारदार हथियार से कर दी गई थी। हजारीबाग के अपर जिला और सत्र न्यायाधीश चतुर्थ कुमार पवन की अदालत ने कई महीनों तक चली लंबी सुनवाई के बाद गवाहों और सबूतों के आधार पर मुख्य आरोपी को आईपीसी की धारा 302 के तहत दोषी मानते हुए गुरुवार को यह फैसला सुनाया।

वारदात 15 नवंबर 2018 की है। सिकंदर नवाज खान शाम चार बजे चाय पीने चौपारण स्थित अपने कार्यालय गया था। उसी समय गणेश सोनार और उसके दो पुत्रों रौशन सोनार एवं सूरज सोनार ने फरसे से उसपर हमला कर दिया। घटना में सिकंदर गंभीर रूप से घायल हो गया था।

आरटीआई कार्यकर्ता हत्याकांड में सजा का ऐलान

सिकंदर को उस वक्त मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान सिकंदर नवाज खान की मौत हो गई थी। घटना के बाद मृतक के भाई नदीम खान ने चौपारण थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसी केस में न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाहों की गवाही हुई। अभियोजन पक्ष से लोक अभियोजक भरत राम और बचाव पक्ष से राजकुमार राजू ने दलीलें पेश की। आरटीआई कार्यकर्ता सिकंदर खान भ्रष्टाचार के कई मामलों को उजागर करने को लेकर पूरे झारखंड में चर्चा में रहे थे। हालांकि उनपर भी ब्लैकमेलिंग सहित कई आरोप लगे थे और कुछ मामलों में उन्हें जेल जाना पड़ा था।

अभी पड़ेगी भीषण गर्मी, चलेगी लू

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच कई शहरों के लिए लू का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव के कोई आसार नहीं हैं। उत्तर-पश्चिमी गर्म हवाओं की वजह से अगले 2 दिनों के लिए रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, बिलासपुर, मुंगेली, रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और महासमुंद जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां भीषण गर्मी के साथ लू चल सकती है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के लगभग सभी जिलों में सुबह से ही तेज गर्मी पड़ रही है।

गर्म हवा के थपेड़ों से लोगों का बुरा हाल है। दिन में जितनी गर्मी का अहसास हो रहा है, रातें भी उतनी ही गर्म हैं। शुक्रवार को राजनांदगांव, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, दुर्ग, रायगढ़, जांजगीर, मुंगेली, धमतरी और जशपुर जिले में लू के हालात बने हैं। जशपुर जिले का नाम प्रदेश के सबसे ठंडे इलाकों में शुमार है लेकिन यहां भी लू चल रही है। यहां तापमान 42.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है वहीं एक-दो जगहों पर हीट वेव भी चली है।

पारा शिक्षकों को बातचीत के लिए सीएम सचिवालय बुलाया

सरकार ने नियमावली के वादे अब तक नहीं किए लागू वादाखिलाफी से नाराज शिक्षकों ने आंदोलन का उठाया कदम

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। राज्य के 50 हजार से अधिक पारा शिक्षक (सहायक अध्यापक) सरकार की वादाखिलाफी से नाराज हैं। इस नाराजगी की वजह से वे एक बार फिर आंदोलन की राह पकड़े हैं। राज्य के विभिन्न जिलों के पारा शिक्षक आज सीएम हेमंत सोरेन आवास का घेराव कर रहे हैं। अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सभी पारा शिक्षक मोराहाबादी में जुटे और सीएम हाउस घेरने निकले। इस बीच पारा शिक्षकों को मोरहाबादी टीओपी के पास रोक दिया गया। इसके बाद सीएम सचिवालय बातचीत के लिए बुलाया गया। पारा शिक्षक संघ की ओर से 10

सदस्यीय टीम सीएम सचिवालय गयी है। वहां सीएम के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे के साथ बातचीत होगी। पारा शिक्षकों का यह घेराव कार्यक्रम एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले किया जा रहा है। मोर्चा के विनोद बिहारी महतो, संजय कुमार दुबे, ऋषिकेष पाठक आदि ने बताया कि राज्यभर के पारा शिक्षक हेमंत सोरेन सरकार की वादाखिलाफी से नाराज हैं। पारा शिक्षकों का कहना है कि पिछले साल शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने उनसे जो वादा किया था, सरकार ने आज तक उसे पूरा नहीं किया। ऐसे में पारा शिक्षकों ने एक बार फिर से सड़क पर उतरने का फैसला किया है। इसी कड़ी में आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास घेरा जा रहा है। एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने अपनी मांगों को पूरा करने के लिए रणनीति तैयार कर रखी है।

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने सिविल कोर्ट में किया सरेंडर

10 हजार के दो बेल बॉन्ड पर मिली जमानत, चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकी देने का है आरोप

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। मुंबई बेस्ड अभिनेत्री अमीषा पटेल रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर किया। उन पर चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकी देने से संबंधित मामला चल रहा है। सूचना के मुताबिक पहले वह नहीं आने वाली थी, लेकिन रांची आकर उन्होंने सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। उन्होंने रांची सिविल कोर्ट के सिविल जज सीनियर डिविजन डीएन शुक्ला की कोर्ट में सरेंडर किया। कोर्ट ने उन्हें 10 हजार के दो बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी है।

अप्रैल महीने में हुई सुनवाई के दौरान उन्हें समन जारी कर कोर्ट में हाजिर होने को कहा गया था पर वो हाजिर नहीं हुई थीं। जिसके बाद रांची सिविल कोर्ट से वारंट जारी किया।

यह मामला साल 2018 का है। झारखंड रांची के रहने वाले फिल्म निर्माता अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ

मामला दर्ज कराया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ने उनके साथ धोखाधड़ी की थी।

अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकी देने का आरोप लगाया है। इसी मामले में अमीषा पटेल को उपस्थिति के लिए समन जारी हुआ था। लेकिन कई बार समन के बावजूद वह अदालत में खुद या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित नहीं हो रही थीं।

सीजेएम कोर्ट में दायर हुआ था केस

रांची के अरगोड़ा के रहने वाले अजय कुमार सिंह ने यह केस 17 नवंबर 2018 को रांची सीजेएम कोर्ट में दायर किया था। जिसमें आरोप लगाया है कि म्यूजिक मेकिंग के नाम पर अमीषा पटेल ने उनसे ढाई करोड़ रुपये लिए थे। पैसे लेने के बाद भी उन्होंने म्यूजिक मेकिंग की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

अमीषा पटेल पर ढाई करोड़ रुपए ऐंठन का आरोप

साथ ही अमीषा पटेल पर फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह से ढाई करोड रुपए ऐंठने का भी आरोप लगाया है। दोनों के बीच जो कांट्रैक्ट हुआ था, उसके अनुसार जब फिल्म जून 2018 में रिलीज नहीं हुई तो अजय ने अमीषा से पैसे की मांग की। काफी टालमटोल के बाद अक्तूबर 2018 में ढाई करोड़ एवं 50 लाख रुपए के दो चेक दिए, जो बाउंस हो गए। इसके बाद अजय सिंह ने रांची सिविल कोर्ट में मुकदमा किया है।

आईएएस पूजा सिंघल के पति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

अब 23 जून को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक झा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अभिषेक आईएएस पूजा सिंघल के पति है। झारखंड कैडर की अधिकारी पूजा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केस दर्ज है। पूजा पर आरोप है कि उन्होंने 18.07 करोड़ का गबन किया है।

सर्वोच्च न्यायालय की वेकेशन बेंच ने कहा कि अभिषेक पर लगे आरोप काफी गंभीर है। इसलिए उन्हें अभी जमानत नहीं दी जा सकती है। न्यायाधीश विक्रम नाथ और न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानउल्लाह ने कहा कि अच्छा होगा कि आप पहले सरेंडर करें फिर जमानत याचिका दायर करें। इसपर अभिषेक के वकील ने कहा कि वह एक व्यापारी हैं। उनकी बेटी को एक गंभीर बीमारी है, इसलिए उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की। इससे पहले उनकी पत्नी को भी दो बार बेटी के देखभाल के लिए जमानत दी गई है। अधिवक्ता की दलीलों पर न्यायाधीश अमानउल्लाह ने कहा कि पूजा को अंतरिम जमानत देने वाली बेंच में वह भी शामिल थे। उन्हें मामले के सारे तथ्य पता है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 23 जून तक स्थगित कर दी है। बता दें, तीन जनवरी और 10 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय ने पूजा सिंघल को बेटी के देखभाल के लिए जमानत दी थी। अभिषेक ने 18 मई को झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका के लिए आवेदन किया था। सर्वोच्च न्यायालय 12 जून को सुनवाई करने के लिए राजी हुआ था। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत कार्रवाई कर रही है। मामले में ईडी एक दर्जन से अधिक भूमि के सौदों की जांच कर रही है। इनमें से एक रक्षा भूमि भी है।

साल 1932 की शुरुआत से ही जमीन के कागजात और दस्तावेज बनाने में मामले में भू-माफिया, बिचौलिए और नौकरशाहों सहित एक समूह के बीच सांठगांठ का आरोप है। पूजा सिंघल को 21 अप्रैल को रांची के ईडी दफ्तर में पेश होने के लिए कहा गया था।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट, उड़ गई घर की छत

कोरबा, 17 जून (एजेंसियां)। कोरबा जिले के मुड़ापार बस्ती में गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक घर में भीषण आग लग गई। सिलेंडर ब्लास्ट के कारण घर की छत उड़ गई। घटना शुक्रवार रात 10 बजे की है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात 10 बजे पति-पत्नी, दो बच्चे और बच्चों की नानी घर पर खाना खा रहे थे। इस दौरान गैस सिलेंडर के पाइप से रिसाव होने लगा और उसमें आग लग गई। आग ने तेजी से पूरे गैस सिलेंडर को अपनी चपेट में ले लिया। परिजनों ने गैस सिलेंडर में लगी आग पर काबू पाना चाहा, लेकिन वे असफल रहे। इसके बाद तुरंत सभी परिवारवाले घर से बाहर भागे। जैसे ही परिजन शोर मचाते हुए घर से बाहर निकले, वहां आसपास के लोग भी पहुंच गए। कुछ ही देर के बाद गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि घर की छत उड़ गई। वहीं घर के सामानों में भी आग लग गई।

लोगों ने तुरंत घटना की सूचना मानिकपुर चौकी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी।

पेपर लीक मामले में पूर्व सचिव बडोनी को आयोग की क्लीन चिट, नौ माह से नियम विरुद्ध लटकाया मामला

देहरादून, 17 जून (एजेंसियां)। स्नातक स्तरीय समेत कई भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सचिव संतोष बडोनी को आयोग ने क्लीन चिट दे दी है। आयोग ने सचिवालय प्रशासन के पत्र का लिखित में जवाब दिया कि किसी भी भर्ती के पेपर लीक में बडोनी की संलिप्तता सामने नहीं आई है। पुलिस, एसटीएफ और आयोग ने सभी भर्तियों की गहराई से जांच कराने के बाद ये जवाब भेजा है। इसके बावजूद सचिवालय प्रशासन ने दोबारा जवाब मांगा, तो आयोग अब फिर वही जवाब भेजेगा। दरअसल, पिछले साल आयोग की स्नातक स्तरीय, वन दरोगा, सचिवालय रक्षक सहित कई भर्तियों के पेपर लीक हुए थे।

' मैं कुएं में कूद जाऊंगा'

कांग्रेस में शामिल होने की सलाह पर गडकरी ने दिया ये जवाब

नागपुर, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं बीजेपी के सीनियर नेता नितिन गडकरी अपने बयानों के चलते अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। इस बार उन्होंने कहा है कि एक नेता ने उन्हें एक बार कांग्रेस में शामिल होने की सलाह दी थी, जिसके जवाब में उन्होंने कहा था कि वह उस पार्टी का सदस्य बनने के बजाय कुएं में कूद जाएंगे। गडकरी ने दावा किया कि कांग्रेस के 60 साल के शासन में हुए कार्यों की तुलना में बीजेपी की सरकार ने पिछले नौ साल में देश में दोगुना काम किया है।

शुरुआती दिनों से लेकर अब तक के सफर की बात की

नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर महाराष्ट्र के भंडारा में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा में अपने कार्य के शुरुआती दिनों को याद किया और पार्टी के अब तक के सफर को लेकर बात की।

कांग्रेस के दिवंगत नेता श्रीकांत जिचकर ने दी थी सलाह

उन्होंने कांग्रेस के दिवंगत नेता श्रीकांत जिचकर द्वारा एक बार उन्हें दी गई सलाह को भी याद किया। गडकरी ने कहा, 'जिचकर ने एक बार मुझसे कहा था-'आप एक बहुत अच्छे पार्टी कार्यकर्ता और नेता हैं। यदि आप कांग्रेस में शामिल हो जाते हैं, तो आपका भविष्य बहुत उज्ज्वल रहेगा', लेकिन मैंने उनसे कहा था कि मैं कांग्रेस में शामिल होने के बजाय कुएं में कूद जाऊंगा, क्योंकि मेरा भाजपा और उसकी विचारधारा में मजबूत भरोसा है तथा मैं इसके लिए काम करना जारी रखूंगा।'

हमें अतीत से सीखना चाहिए-गडकरी

गडकरी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के लिए काम करते समय युवावस्था में उनमें मूल्यों को स्थापित करने के लिए संघ की भी सराहना की। उन्होंने कांग्रेस के बारे में कहा कि पार्टी बनने के बाद से कई बार टूट चुकी है। उन्होंने कहा, 'हमें अपने देश के लोकतंत्र के इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। हमें भविष्य के लिए अतीत से सीखना चाहिए। अपने 60 वर्ष के शासन के दौरान कांग्रेस ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, लेकिन अपने निजी लाभ के लिए उसने कई शैक्षणिक संस्थान खोले।'

गडकरी ने पीएम मोदी की तारीफ की

गडकरी ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। गडकरी ने कहा, 'कांग्रेस अपने 60 साल के शासन में जितना काम नहीं कर पाई, भाजपा सरकार ने उससे दोगुना काम पिछले नौ साल में किया है।' केंद्रीय मंत्री ने याद किया कि कुछ दिन पहले जब वह उत्तर प्रदेश में थे, तब उन्होंने लोगों से कहा था कि 2024 के अंत तक उत्तर प्रदेश की सड़कें अमेरिका जैसी हो जाएंगी।

अखिलेश यादव और ओवैसी मामले में अगली सुनवाई 7 जुलाई को

वाराणसी, 17 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी के हेट स्पीच मामले में पहले रिजेक्ट की गई एप्लीकेशन के पुनर्निर्माण याचिका पर आज यानी शनिवार को सुनवाई हुई। कोर्ट में अखिलेश यादव और ओवैसी की तरफ से उनके वकील प्रस्तुत हुए। दोनों ने कोर्ट से इस प्रकरण में समय मांगा। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 7 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले में कमीशन की कार्यवाही के दौरान परिसर में मिले कथित शिवलिंग को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद असदुद्दीन ओवैसी की तरफ से भड़काऊ बयानबाजी की गई थी। इसी मामले को लेकर केस चल रहा है। आज इस मामले में दोनों नेताओं के वकील कोर्ट में प्रस्तुत हुए। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 7 जुलाई का समय दिया है।

पंडित नेहरू से नफरत के कारण

म्यूजियम का नाम बदला तो भड़के संजय राउत, कहा- इतिहास को मिटाना चाहते हैं ये

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में स्थित नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदलकर प्रधानमंत्री म्यूजियम एंड लाइब्रेरी कर दिया गया है। इस फैसले को लेकर अब राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस के विरोध के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) ने भी म्यूजियम का नाम बदलने की निंदा की है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग इतिहास को मिटाना चाहते हैं। राउत ने कहा, मैं इस बात से सहमत हूं कि म्यूजियम में दूसरे प्रधानमंत्रियों को स्थान मिलना चाहिए। इस देश में प्रधानमंत्री और भी हुए हैं, अटल जी, इंदिरा जी, लाल बहादुर शास्त्री, सभी ने देश के लिए काम किया है। उस म्यूजियम में ऐसा सेक्शन होना चाहिए जिसमें दूसरे प्रधानमंत्रियों के काम को भी जगह मिले, लेकिन म्यूजियम का नाम बदलने की जरूरत नहीं है।

जिन्होंने देश बनाया, उन्हें मिटाना चाहते- संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा कि पंडित नेहरू ने देश को बनाने में येगदान दिया है उन्होंने आजादी की लड़ाई में भी योगदान दिया था। उन्हीं के नाम पर ये पंडित जवाहर लाल नेहरू प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम हो सकता था लेकिन आप लोग (बीजेपी) इतिहास को खत्म करना चाहते हो। जो हमारे पुराने हीरो हैं, जिन्होंने देश बनाया उन सबको मिटाना चाहते हो। राउत ने कहा, पंडित नेहरू से नफरत के कारण ये किया गया है।

नेहरू जी के सामने मोदी जी का कद छोटा- कांग्रेस

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने कहा, नेहरू जी के सामने मोदी जी का व्यक्तित्व आज भी बहुत छोटा है। वो सोचते हैं कि नेहरू जी का नाम बोर्ड से हटाने से नेहरू जी का व्यक्तित्व कम हो जाएगा। नेहरू जी वो व्यक्ति हैं, जिन्हें देश के लोग ऑर्टिटेक्ट ऑफ मॉडर्न इंडिया मानते हैं। 1947 में नेहरू जी ने आईआईटी, आईआईएम, डीआरडीओ, इसरो, भाखड़ा नांगड़ा बांध और एम्स की परिकल्पना की। गौरव बल्लभ ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और आपने छोटे मन का परिचय देश के सामने दिया है। बोर्ड से तो पंडित जी का नाम भले मिटा दो लेकिन 140 करोड़ लोगों के मन से उनका नाम नहीं मिटा सकेंगे।

ओडिशा में कोयले से लदा ट्रक पलटा, दो महिलाओं की मौत

कोरापुट, 17 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के कोरापुट जिले में कोयले से लदे एक ट्रक के पलट जाने से कम से कम दो महिलाओं की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम जिले के जेपोर सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरिनीपुट के पास स्थित पावर हाउस चाक के निकट हुई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान ब्रजलक्ष्मी राव और राजेश्वरी बेहिया के रूप में हुई है, जो कोरापुट के टिकीरा क्षेत्र की रहने वाली थीं। पुलिस के मुताबिक, घटना कल शाम करीब साढ़े पांच बजे उस समय हुई जब दोपहिया वाहन पर सवार होकर तीन महिलाएं जेपोर से कोरापुट जा रही थीं और कोयले से लदा एक ट्रक जेपोर की ओर जा रहा था।

मुस्लिम महिलाओं से नरेंद्र मोदी करेंगे 'मन की बात', विधायक आकाश सक्सेना को जिम्मेदारी; ऐसी है तैयारी

रामपुर, 17 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में इस बार मुस्लिम महिलाएं भी स्क्रीन पर नजर आएंगी। इसके लिए रामपुर नगर विधानसभा का चयन किया गया है। जिसका प्रभारी बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना और बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर वासित अली को बनाया गया है। मन की बात कार्यक्रम से मिलेगा रामपुर की महिलाओं को सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 102वां एपिसोड रविवार को आएगा। इस बार यह प्रसारण रामपुर के लिए खास साबित होने वाला है। क्योंकि, एक बार फिर प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में रामपुर को स्थान दे सकते हैं। दरअसल, इस बार इस कार्यक्रम के लिए उत्तर प्रदेश में सिर्फ दो विधानसभाओं को शामिल किया गया है। जिसमें रामपुर की नगर विधानसभा और ललितपुर की जोखरा विधानसभा शामिल हैं। इस कार्यक्रम के प्रभारी के रूप में नगर विधायक आकाश सक्सेना को जिम्मेदारी दी गई है। विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के दौरान स्क्रीन पर रामपुर की मुस्लिम महिलाएं नजर आएंगी। यह कार्यक्रम रविवार को सुबह ग्यारह बजे रंगोली मंडप में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति कर रहा है। अब उन्होंने रामपुर की मुस्लिम महिलाओं को सम्मान देकर रामपुर का गौरव बढ़ाने का कार्य किया है।

बंगाल के बीरभूम में फिर बम मिलने से हड़कंप

आज शांतिनिकेतन से 28 क्रूड बम हुए बरामद

कोलकाता, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव हो रहे हैं, जिसमें हर बार की तरह ही इस बार भी हिंसा देखने को मिल रही है। इस बीच पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में लगातार दूसरे दिन बम मिलने से हड़कंप मच गया। शनिवार को बीरभूम स्थित शांतिनिकेतन से 28 क्रूड बम बरामद हुए हैं। ये बम दो बाल्टियों में रखे हुए थे। पुलिस ने सभी बमों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन बम मिलने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। एक दिन पहले भी बीरभूम में टीएमसी के दफ्तर के पीछे एक घर से 20 बम बरामद हुए थे।

बम की सूचना मिलने पर सीआईडी की टीम मौके पर पहुंची थी और इन बमों को डिफ्यूज किया। चुनाव के चलते पश्चिम बंगाल जंग का मैदान बना हुआ है और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से हिंसा की खबरें आ रही हैं। 16 जून को राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 24 परगना जिले में हिंसा प्रभावित भंगोर का दौरा किया था। भंगोर में नामांकन को लेकर हुई झड़प के बाद हिंसा भड़क गई थी। दौरान के बाद राज्यपाल ने कहा था कि राजनीतिक हिंसा खत्म होनी चाहिए। चुनाव में जीत वोट की गिनती के आधार पर होनी चाहिए न कि शवों के आधार पर पश्चिम बंगाल में होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर कोलकाता हाई कोर्ट ने 15 जून को राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया था कि सभी जिलों में 48 घंटों के भीतर केंद्रीय बल तैनात किया जाए।

डीलर मोनसन मावुंकल नौकरानी की बेटी के साथ करता रहा दुष्कर्म, केरल की अदालत ने ठहराया दोषी

कोच्चि, 17 जून (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने शनिवार को विवादास्पद स्वयंभू प्राचीन वस्तुओं के व्यापारी मोनसॉन मावुंकल को कुछ साल पहले एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का दोषी पाया। बता दें कि एर्नाकुलम के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो) ने मावुंकल को 2019 के बाद से अपनी नौकरानी की बेटी से कई बार दुष्कर्म करने का दोषी पाया है। दुर्लभ और ऐतिहासिक प्राचीन वस्तुओं के कब्जे का दावा करने वाले चेरथला के मूल निवासी मावुंकल को जिला अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है, जो विभिन्न लोगों से 10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले की जांच कर रही है। मावुंकल को उसके खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में 25 सितंबर, 2021 को गिरफ्तार किया गया था। वह तब से जेल में है और अब करीब 10 मामलों में आरोपी है।

गुजरात में अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर हिंसक विरोध के बाद एक की मौत, 174 हिरासत में

जूनागढ़, 17 जून (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ में अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर भीड़ और पुलिस के बीच हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और 174 अन्य को हिरासत में ले लिया गया। कथित तौर पर जूनागढ़ नगर निगम द्वारा एक स्थानीय मस्जिद को पांच दिनों के भीतर दस्तावेज जमा करने की मांग करने वाले एक बेदखली नोटिस के संबंध में रात को विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। नोटिस मस्जिद के खिलाफ लगाए गए अवैध निर्माण के आरोपों के संबंध में था। पांच दिन की अवधि बीत जाने के बाद भी मस्जिद से जवाब नहीं मिलने पर निगम ने अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाया। शुक्रवार शाम नगर निगम की एक टीम जैसे ही निर्माण स्थल पर गिराने का नोटिस जारी करने पहुंची, विरोध में करीब 500 से 600 लोगों की भीड़ जमा हो गई। जूनागढ़ के पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वाससमसेट्टी ने कहा कि स्थिति रात करीब 10.15 बजे बिगड़ गई। जब भीड़ ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया और कई वाहनों में आग लगा दी।

तेजी से बिगड़ते हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। वाससमसेट्टी ने कहा, इस घटना में पुलिस कर्मी घायल हो गए। कुल 174 लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रथमदृष्टया पथराव के कारण एक नागरिक की मौत हुई है, लेकिन यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा। जांच जारी है। हिंसा के फैलने के बाद, व्यवस्था बहाल करने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया था।

27 मई, 2023 को जूनागढ़ में स्थानीय अधिकारियों ने विरोध के बावजूद अतिक्रमणों को हटाने का अभियान चलाया था। 18 अतिरिक्त धार्मिक स्थलों के साथ 176 अवैध मजारों को तक नष्ट कर दिया गया है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि शहर के उपरकोट खंड के भीतर अतिक्रमण हटाने के अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए लगभग आठ बुलडोजर लाए गए थे। यह ऑपरेशन जूनागढ़ में उपरकोट किले के नवीनीकरण के राज्य सरकार के फैसले के अनुरूप है, इस पहल पर 70 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अतिक्रमण की गई जमीन पर अवैध रूप से बने आवासों को भी तोड़ा गया है।

नौरादेही अभयारण्य में दो बाघों में हुए टेरिटरी संघर्ष में एन-2 टाइगर की मौत

सागर, 17 जून (एजेंसियां)। सागर जिले के नौरादेही अभयारण्य में दो टाइगर के टेरेटरी संघर्ष में हुआ था। इसमें टाइगर एन-2 की इलाज के दौरान मौत हो गई है। संघर्ष के बाद एन-2 टाइगर काफी कमजोर दिख रहा था। वीडियो में भी दिख रहा था कि वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा था। बता दें कि करीब एक हफ्ते पहले हुए दो बाघों में संघर्ष में एन-2 घायल हुआ था। इसका पन्ना टाइगर रिजर्व के डॉक्टरों द्वारा इलाज किया जा रहा था। इलाज के बाद के एन-2 के स्वास्थ्य में सुधार आया था, लेकिन सुबह वन विभाग की पेट्रोलिंग टीम ने एन 2 को देखा जो कि मृत पाया गया। जिसकी सूचना वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और टाइगर एन 2 के पोस्टमार्टम के लिए टीम को पन्ना से बुलाया जा रहा है। डॉक्टर की पैनल के द्वारा टाइगर का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद ही उसकी मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा कि टाइगर की मौत कैसे हुई।

नौरादेही एसडीओ सेवाराम मलिक ने बताया कुछ दिन पहले टाइगर एन-2 और एन-3 में टेरिटरी फाइटिंग हुई थी। इसमें तीन दिन से टाइगर एन-2 का इलाज किया जा रहा था। शनिवार सुबह पेट्रोलिंग में यह मृत पाया गया है। बता दें कि प्रदेश के सबसे बड़े नौरादेही अभयारण्य में टेरिटरी को लेकर बाघों के बीच पहली बार पांच साल में संघर्ष देखने को मिला था। नौरादेही में बाघ एन-2और एन-3 से बीच घमासान लड़ाई हुई थी।

बिहार में महागठबंधन को झटका कुंतल कृष्ण ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

सीएम नीतीश के नेतृत्व पर उठाए सवाल

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश सरकार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार को एक और झटका लगा है। पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन मांझी के मंत्री पद से इस्तीफे पर सियासत अभी थमा भी नहीं है कि कांग्रेस प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कुंतल कृष्ण ने सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भी सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के तेजतर्रार प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे का एलान किया है। कांग्रेस ने 2014 में सीवान के महाराजगंज उपचुनाव में कुंतल कृष्ण को टिकट दिया था। हालांकि, वे हार गए थे। पार्टी को अलविदा कहते हुए कुंतल कृष्ण ने नीतीश कुमार के नेतृत्व का विरोध किया।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने हमेशा कांग्रेस का विरोध किया है। वहीं, कांग्रेस ने नीतीश कुमार के आगे आत्मसमर्पण कर दिया है। पटना में 23 जून को विपक्षी दलों की महाबैठक से पहले प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण के इस्तीफा से कांग्रेस में भी खलबली मच गई है। एक तरफ नीतीश कुमार विपक्ष के सभी दलों को भाजपा के खिलाफ एकजुट करने में जुटे हैं। वहीं, उनके अपने खेमे में ही दरार पड़ रही है।

मानसून में देरी से देश में होगी 'महंगाई की बारिश

खाने-पीने के सामान की कीमतों पर दिख सकता है अल-नीनो का असर: रिपोर्ट

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। हर साल मानसून आमतौर पर इस समय करीब आधे भारत को अपने आगोश में ले लिया करता था।लेकिन इस बार मानसून रेंग रेंग कर आगे बढ़ रहा है। अब तक मानसून की सामान्य बारिश के मुकाबले आधी बारिश ही हुई है। इतना ही नहीं, केरल जहां से देश में मानसून प्रवेश करता है, वहां पर भी सामान्य से काफी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। मानसून की ये देरी खरीफ के मौसम की बुवाई पर भी असर डाल रही है। यदि मानसून की गति जल्द न सुधरी तो भारत में महंगाई का नया दौर शुरू हो सकता है। जर्मनी की ब्रोकरेज फर्म डॉयचे बैंक ने कहा कि मानसून आने में देरी होने से काबू में आती दिख रही मुद्रास्फीति में तेजी आ सकती है।

मानसून में देरी से भड़केगी महंगाई की आग

डॉयचे बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत में अभी तक बारिश सामान्य से 53 प्रतिशत कम हुई है। इसके अलावा जुलाई में आम तौर पर खाद्य उत्पादों के दाम बढ़ते रहे हैं। ऐसी स्थिति में मुद्रास्फीति के मोर्चे पर ढिलाई बरतने की कोई भी गुंजाइश नहीं है। ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2023-24 में मुद्रास्फीति के 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। वहीं रिजर्व बैंक का अनुमान 5.1 प्रतिशत मुद्रास्फीति का है। उसने कहा कि चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत या उससे नीचे तभी रह सकती है जब जुलाई एवं अगस्त के महीनों में खाद्य उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी न हो।

अल-नीनो की मजबूती करेगी इकोनॉमी को कमजोर

रिपोर्ट के मुताबिक, अल-नीनो के हालात बनने और मानसून आने में देरी होने से हालात मुद्रास्फीति के नजरिये से चिंताजनक हो सकते हैं। देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन में विलंब होने से खरीफ सत्र की फसलों की बुवाई देर से हुई है। हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में खुदरा मुद्रास्फीति के साथ थोक मुद्रास्फीति में भी गिरावट आई है।

उत्तर पश्चिम भारत में अगले हफ्ते भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लिए राहत की खबर दी है। बिपरजॉय के राजस्थान में आने के बाद इसका असर यूपी और मध्य प्रदेश में दिखेगा। 20 जून को दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों में बारिश का अनुमान जताया गया है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी अगले हफ्ते के अंत तक तेज बारिश की संभावना है।

चक्रवात के राजस्थान पहुंचने के चलते वहां के कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है और 18 और 19 जून को दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में भारी बारिश की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम बंगाल और सिक्किम में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। असम और मेघालय में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है।

पति ने चरित्र संदेह में पत्नी की हत्या की, सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उतारा मौत के घाट

शहडोल, 17 जून (एजेंसियां)। शहडोल जिले में चरित्र संदेह को लेकर पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पति ने कुल्हाड़ी से महिला के सिर पर वार किया और उसे मौत के घाट उतार दिया। उसके शव को घर से 50 मीटर दूर ले जाकर सड़क पर फेंक दिया था। पुलिस रात को पेट्रोलिंग कर रही थी, तब खून से लथपथ लाश बलपुरवा स्थित सड़क पर मिली। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की गई। कोतवाली थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि मृतक महिला हंसा गुप्ता पति पंकज गुप्ता, 30 वर्ष, का शव उसके घर से महज 50 मीटर की दूरी पर सड़क पर खून से लथपथ मिला। पुलिस की रात को पेट्रोलिंग कर रही टीम ने यह देखा। उसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई।

यूनिवर्सिटी में मारपीट, गाड़ियों में की तोड़फोड़

दो छात्राओं से शुरू हुआ विवाद, एनएसयूआई और एबीवीपी के कार्यकर्ता आपस में भिड़े

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में एडमिशन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही हंगामे का सिलसिला भी शुरू हो गया है। शनिवार को यूनिवर्सिटी कैंपस में डीएसडब्ल्यू (डीन स्टूडेंट वेलफेयर) ऑफिस के बाहर मारपीट और एनएसयूआई के राहुल मेहला की गाड़ियों के साथ तोड़फोड़ की गई। इस दौरान 4 छात्रों को चोटें भी आई हैं। इसके बाद नाराज छात्रों ने कुलपति सचिवालय में धरना शुरू कर दिया है। दरअसल, दोपहर 12:30 एनएसयूआई के कार्यकर्ता छात्र संघ महासचिव अरविंद के कार्यालय के बाहर खड़े थे। तभी वहां मौजूद दो छात्रा आपस में लड़ने लगी। इसके कुछ ही देर बाद छात्र नेता हेमंत पुजारी की गाड़ी में बैठ कुछ छात्र मौके पर पहुंचे। जिन्होंने राहुल मेहला के समर्थकों के साथ मारपीट शुरू कर गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। इस पूरे घटनाक्रम में दो छात्राएं और एक छात्र भी गंभीर घायल हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद दोपहर लगभग 1:30 बजे एनएसयूआई के कार्यकर्ता कुलपति सचिवालय पहुंचे। आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। फिलहाल बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता कुलपति सचिवालय में मौजूद है और धरना जारी है।

छात्र नेता राहुल मेहला ने बताया- आज हम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की बैठक में मौजूद थे। तभी सूचना मिली कि डीएसडब्ल्यू ऑफिस के बाहर खड़ी गाड़ियों के साथ छात्र संघ महासचिव अरविंद छाबड़ा के समर्थकों ने तोड़फोड़ की है। इसके बाद जैसे ही हम मौके पर पहुंचे। तब तक अरविंद के समर्थक भाग खड़े हुए।

छात्राओं ने लगाया छेड़छाड़ का आरोपी

मौके पर मौजूद छात्राओं ने बताया- उनके साथ अरविंद के समर्थकों ने छेड़छाड़ की। साथ ही यूनिवर्सिटी के दो छात्रों के साथ मारपीट भी की है। ऐसे में जब तक यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा दोषी छात्रों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। हम कुलपति सचिवालय में ही अपना धरना जारी रखेंगे।

छात्र नेता संजय चौधरी ने कहा- यूनिवर्सिटी महासचिव अरविंद का कार्यकाल पूरा हो गया है। बावजूद इसके वह अपना कार्यालय खाली नहीं कर रहे हैं। बल्कि उनके कार्यालय में असामाजिक तत्वों द्वारा नशा किया जाता है।

यूनिवर्सिटी कैंपस में अरविंद के समर्थकों ने ही वाइन शॉप पर जाने के लिए राहुल की गाड़ी की चाबी मांगी थी। जब राहुल के साथियों ने उन्हें चाबी नहीं दी। तो अरविंद के समर्थकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिसमें एक छात्र का हाथ भी टूट गया है। वही यूनिवर्सिटी की दो आम छात्राओं के साथ भी अश्लील हरकतें की गई है। जिसे एनएसयूआई कार्यकर्ता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अरविंद छाबड़ा बोले- बेवजह विवाद में घसीटा जा रहा

महासचिव अरविंद छाबड़ा ने कहा कि एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा बेवजह मुझे इस पूरे विवाद में घसीटा जा रहा है। मैं आज नागौर हूं। हालांकि कुछ एनएसयूआई के कार्यकर्ता ही आपस में मेरे और निर्मल के कार्यालय के बाहर झगड़ने लग गए थे। जिसे वहां मौजूद मेरे कुछ समर्थकों ने रोकने की कोशिश की थी। लेकिन अब इस पूरे विवाद को लेकर सिर्फ हाईलाइट होने के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि इस पूरे विवाद से मैं कोसों दूर हूं।

जयपुर हेरिटेज की मेयर सहित 50 पार्षदों ने इस्तीफा दिया

सीएम को भेजा; अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर, एडिशनल कमिश्नर को बंधक बनाया

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही कांग्रेस सरकार की परेशानी भी बढ़ने लगी है। जयपुर के नगर निगम हेरिटेज की मेयर सहित 50 पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है और अपनी ही सरकार के खिलाफ 16 घंटे से धरने पर हैं।

इससे पहले शुक्रवार शाम को निगम के अतिरिक्त आयुक्त के साथ पार्षदों और मेयर की जमकर बहसबाजी हुई और गुस्साए पार्षदों ने आयुक्त को कमरे में बंद कर दिया। मेयर मुनेश गुर्जर का आरोप है कि आयुक्त मनमानी करते हैं और अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं।

गुर्जर ने कहां की अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र वर्मा जनता के काम और सफाई जैसे मुद्दों को लेकर लगातार काम में भी ढिलाई बरत रहे हैं। जिससे शहर की सफाई व्यवस्था चौपट हो रही है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऐसे में अगर जल्द से जल्द सरकार ने अतिरिक्त आयुक्त को निलंबित नहीं किया तो मेरे साथ नगर निगम के पचास पार्षद बोर्ड और पार्षद पद से इस्तीफा देंगे। हालांकि, इसके बाद देर शाम मेयर ने 50 पार्षदों के साथ अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दिया।

कमरे में ही बंधक बनाया

दरअसल, नगर निगम के

पार्षदों को उनके इलाकों में पांच अस्थायी कर्मचारी दिए जाते हैं। इसके लिए अतिरिक्त आयुक्त के निर्देशन में गठित टीम टेंडर प्रकिया निकलने वाली थी। पार्षदों का आरोप है कि राजेन्द्र वर्मा पिछले 15 दिनों से टेंडर नोटशीट पर साइन नहीं कर रहे हैं।

जबकि क्षेत्र में मानसून को देखते हुए कर्मचारियों की आवश्यकता है। 15 दिन बाद शुक्रवार को 50 पार्षद महापौर के पास गए और टेंडर नोटशीट पर साइन कराने की बात कही।

इस पर महापौर मुनेश गुर्जर ने अतिरिक्त आयुक्त वर्मा को अपने ऑफिस में बुलाया। लेकिन वर्मा के नहीं आने पर सभी पार्षद उनके कक्ष में गए और उन्हें जबरन महापौर के कक्ष में ले आए। जहां वर्मा ने एक बार फिर साइन नहीं करने की बात कही। इसके बाद वर्मा की महापौर और पार्षदों से बहस हो गई।

जिससे नाराज पार्षदों ने राजेंद्र वर्मा को महापौर कक्ष में बंद कर दिया। हालांकि, इसके कुछ देर बाद मंत्री महेश जोशी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद वर्मा महापौर के कमरे से निकल सके। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी ने वह निगम से देर रात घर के लिए रवाना हुए।

महापौर मुनेश गुर्जर ने कहा कि अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र वर्मा लगातार अपने काम में लापरवाही बरत रहे हैं। जब मैंने पार्षदों के साथ उनसे बात करनी चाही। तो उन्होंने मेरे साथ अभद्र भाषा और तू तड़ाक से बात करना शुरू कर दिया। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करूंगी। मैंने वर्मा की शिकायत मंत्री महेश जोशी और मुख्यमंत्री तक पहुंचाई है।

हमें हेरिटेज में इस तरह के अधिकारियों की जरूरत नहीं है। ऐसे में जब तक सरकार वर्मा को नहीं हटाएगी। मैं पार्षदों के साथ यही धरने पर बैठी रहूंगी। हमने मुख्यमंत्री को भी अपने मांग पत्र के साथ त्याग पत्र भी भेज दिया है। जिसमें मेरे साथ 50 पार्षदों ने भी साइन किए हैं।

अतिरिक्त आयुक्त बोले: मैंने अभद्र भाषा का उपयोग नहीं किया

इस पूरे मामले पर जब हमने नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र वर्मा से बात की। तो उन्होंने कहा कि मैंने किसी तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया है। बल्कि कुछ पार्षदों ने मेरे साथ बदतमीजी की है। पार्षद जिस नोट शीट पर मेरे साइन करवाना चाहते हैं। उस पर फिलहाल कमेटी का निर्णय नहीं हुआ है। ऐसे में कमेटी के निर्णय के बाद ही इस पर साइन करूंगा।

जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा कि नगर निगम में हुए विवाद के बाद में हेरिटेज मुख्यालय पहुंचा था। जहां पार्षदों और अधिकारी दोनों से बातचीत कर दोनों का पक्ष सुना है। मैं दोनों पक्षों की बात उच्च स्तर पर रखूंगा। ताकि जल्द ही इस समस्या का समाधान हो सके।

बता दें कि शुक्रवार शाम 4:00 बजे बाद नगर निगम में कांग्रेसी पार्षद इकट्ठा होना शुरू हो गए थे। इसके बाद पार्षद अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र वर्मा के कक्ष में पहुंचे। जहां उन्होंने अस्थाई सफाई कर्मचारियों की फाइल पर साइन करने की मांग की। वर्मा ने जब पार्षदों की बात नहीं मानी। तो शाम लगभग 5:30 बजे पार्षदों ने वर्मा की महापौर मुनेश गुर्जर से शिकायत कर दी।

विजय बैंसला बोले- जनरल सीट पर रिजर्व को टिकट क्यों

कहा- जहां एमबीसी 50 हजार, वहां 1200 वोट वाले को टिकट देती हैं पार्टियां

दौसा, 17 जून (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों में गुर्जर समेत एमबीसी समाज को राजनीतिक हिस्सेदारी देने की मांग को लेकर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला मुखर हैं। बैंसला ने कहा जब हम प्रदेश की 37% विधानसभाओं को इफेक्ट करते हैं तो हमें उतना प्रतिनिधित्व तो मिलना ही चाहिए।

वे बांदीकुई के मानोता गांव में आयोजित कार्यक्रम से लौटते वक्त दौसा में मीडिया से मुखातिब हो रहे थे।

उन्होंने कहा हमें तो वहां भी टिकट नहीं दिया जा रहा, जहां हम 50 हजार की तादात में हैं। उस सीटी पर भी ऐसे व्यक्ति को टिकट दे दिया जाता है जिसके पास महज 1200 वोट हैं।

बैंसला ने कहा यह बहुत गंभीर विषय है और इस पर राजनीतिक दलों को विचार करना चाहिए नहीं तो इस बार विधानसभा व लोकसभा चुनावों में यह मुद्दा गूंजेगा और मुखर भी होगा। उन्होंने कहा प्रदेश में एमबीसी वर्ग को भी राजनीतिक पार्टियां उचित प्रतिनिधित्व दें।

एक और जहां चुनाव में हमें मौका मिले तो वहीं पार्टियों के संगठनों में भी जगह मिलनी चाहिए।

जनरल सीट पर रिजर्व कैटेगिरी को टिकट क्यों

विजय बैंसला ने बड़ा बयान देते हुए कहा राजनीतिक दल सामान्य सीटों पर रिजर्व कैटेगरी के कैंडिडेट को चुनाव लड़ाएगी तो फिर सामान्य श्रेणी के लोग कहां जाकर चुनाव लड़ेंगे। रिजर्व कैटेगरी पर जब रिजर्व को मौका मिल रहा है तो फिर सामान्य सीट पर सिर्फ सामान्य को ही मौका मिलना चाहिए।

बैंसला ने उदाहरण देते हुए कहा प्रदेश में दौसा, महुवा व देवली-उनियारा जैसी कई ऐसी सीट हैं, जो सामान्य होते हुए भी राजनीतिक दलों ने रिजर्व कैटेगरी के लोगों को पार्टी का उम्मीदवार बनाया और यह मुद्दा इस बार चुनावों में भी उभरकर सामने आएगा।

रावण और दुर्योधन जैसे अहंकारी भी चले गए

सीकर सांसद बोले - उनका राजपाट नहीं रहा, कांग्रेस का भी नही रहेगा

सीकर, 17 जून (एजेंसियां)। सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और श्रीमाधोपुर विधायक दीपेंद्र सिंह पर तंज कसा है। सांसद ने कहा है कि अहंकार तो रावण और दुर्योधन का भी नहीं बचा, वे भी दुनिया से चले गए। उनका राजपाठ भी नहीं रहा, इस सरकार का भी नहीं रहेगा। दरअसल आज सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती सीकर के श्रीमाधोपुर विधानसभा क्षेत्र के थोई क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के सभी मोर्चों की संयुक्त बैठक में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे।

सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में केंद्र सरकार के 9 साल पूर्ण होने पर उनके द्वारा किए गए कार्यों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और बीते 4.5 साल में प्रदेश में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए काले कारनामों को उजागर करने के लिए हमें जन-जन तक

पहुंचना है। इसी के तहत आज सभी मोर्चा की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी सीनियर कार्यकर्ता और नेता उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया है कि मोदी के कामों को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

सांसद ने कहा कि पेयजल जैसी योजनाओं में जो घोटाले हुए हैं उनके कैट ने जांच के आदेश दिए हैं। प्रदेश में भ्रष्टाचार और बलात्कार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सांसद ने कहा कि 2 हजार रुपए का नोट आज भी 2 हजार में चल रहा है। कांग्रेस के लोगों को चिंता इस बात की है कि उनके लोगों के पास तिजोरी में 2 हजार के नोट पड़े हैं। अब वही लोग बुरी तरह से फंस गए हैं क्योंकि यदि उन नोटों को निकाले तो इनकम टैक्स सवाल पूछेगा कि कहां से लाए और घर में रखेंगे तो वह कूड़ा बन जाएगा।

इसलिए 2 हजार का नोट याद आया क्योंकि हो सकता है गोविंद सिंह डोटासरा के पास 10- 20 करोड़ रुपए 2 हजार के नोट के रूप में पड़ा हो। इसीलिए उन्हें तकलीफ हो रही है। सांसद ने कहा कि 2 हजार के नोट को बैंक भी ले रहा है। पीएम मोदी का उद्देश्य यह है कि धीरे-धीरे नोट छापना बंद करो और छोटे छोटे नोट लेकर आओ जिससे कि भ्रष्टाचार कम हो। सांसद ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक में अहंकार है। सांसद ने कहा कि थोई तो अत्याचार का गढ़ बना हुआ है। यहां हर रोज मेरे पास करीब 5 से 10 लोगों का फोन आता है। जो कहते हैं कि कभी पुलिस प्रताड़ना करती है तो कभी पानी में हेराफेरी की जाती है, कहीं रास्तों में बदमाशी की जाती है।

सांसद ने कहा कि यह अहंकार लंबे समय तक चलने वाला नहीं है। रावण और दुर्योधन जैसे अहंकारी भी दुनिया से चले गए। उनका भी राजपाठ नहीं रहा है तो यह राजपाठ भी जाएगा।

श्रीमाधोपुर के पूर्व विधायक झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि आमजनता वर्तमान सरकार के कुशासन से त्रस्त है। आने वाले 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ विजय प्राप्त करेगी। लोकसभा में भी 25 की 25 सीटें बीजेपी को मिलेगी।

13 वर्षीय नाबालिग से गैंगरेप

परिजनों ने कराया मामला दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

सीकर, 17 जून (एजेंसियां)। सीकर जिले के दांतारामगढ़ थाना क्षेत्र में एक 13 वर्षीय नाबालिग से गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद नाबालिग के परिजन पुलिस थाने पहुंचे और एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया। घटना गुरुवार देर रात की बताई जा रही है। दांतारामगढ़ थानाधिकारी सोहन लाल ने बताया है कि थाना क्षेत्र की 13 वर्षीय नाबालिग के साथ गैंगरेप करने की रिपोर्ट नाबालिग के परिजनों ने पुलिस थाने में पहुंचकर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में परिजनों ने एक नामजद व्यक्ति व एक अन्य के खिलाफ उनकी बेटी के साथ गैंगरेप करने के आरोप लगाए हैं। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण सीओ जाकिर अख्तर पुलिस थाने पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। फिलहाल इस मामले में पुलिस टीम नाबालिग का मेडिकल बोर्ड से मेडिकल करवा रही है। साथ ही पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है और आरोपियों को राउंडअप करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जयपुर में सड़क पर एक गलती पड़ेगी भारी

4 कि.मी दूर वाहन पर भी नजर रखेगा ट्रैफिक पुलिस का जवान

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालकों को कंट्रोल करने के लिए शहर में चार मुख्य चौराहों पर मिनी कंट्रोल रूम बना दिए हैं। इन कंट्रोल रूम पर लगे एलईडी में कंट्रोल रूम से 2 से 4 किलोमीटर दूर के वाहनों पर नजर रखी जा रही है। मुख्य मकसद यह है कि ट्रैफिक नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालकों को पकड़ा जाए। इससे दुर्घटना में कमी लाई जा सके।

यह मिनी कंट्रोल रूम नारायण सिंह सर्किल, त्रिमूर्ती चौराहा, धोबी घाट, स्टेशन रोड पर बनाए गए हैं। इस मिनी कंट्रोल रूम में चार एलईडी लगी हुई हैं। इसे आधा दर्जन कैमरों और लाउड स्पीकर से जोड़ा गया हैं। ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों और वाहन चालक को उसकी गलती माइक पर बोल कर समझा सकती है। एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक मुस्तफा अली जैदी ने बताया- इस कंट्रोल रूम में रहने वाले जवान की नजर हर समय नियमों को तोड़ने वाले वाहन चालकों पर रहती है। अधिकांश बार वाहन चालकों को समझाइश के बाद छोड़ दिया जाता है, लेकिन कई वाहन चालक ऐसे भी मिलते है जो पुलिस से ही उलझ जाते हैं। ऐसे में वाहन चालकों को उनकी गलती के बारे में बताया और दिखाया जाता है। इसके बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाती हैं। मिनी कंट्रोल रूम का मुख्य फायदा यह है कि चौराहे पर खड़े ट्रैफिक पुलिसकर्मी को अब वाहन चालक की हरकत चौराहे से पहले ही दिख जाती हैं। इससे के खिलाफ एक्शन लेने में मदद मिलती हैं।

मिनी कंट्रोल रूम को चौराहे के पास में बनाया गया हैं। इन मिनी कंट्रोल रूम में एक से तीन एलईडी,माइक लगा रखा हैं। इस सिस्टम से बाहर लगे आधा दर्जन कैमरों को अटैच किया हुआ हैं। मुख्य मार्ग पर लाउड स्पीकर भी लगाए गए हैं। इससे कंट्रोल रूम से बैठा हुआ व्यक्ति माइक पर अनाउंस कर के लोगों को वाहन चलाने के दौरान की जा रही लापरवाही के बारे में बता सके। अगर कोई वाहन एम्बुलेंस को रास्ता नहीं दे रही तो उसे माइक पर बोल कर हटाने के निर्देश दिए जा सकेंगे। दुर्घटना होने पर वाहन चालकों को माइक पर अनाउंस कर उस जगह से दूर रहने के निर्देश भी दिए जा सकते हैं।

पूर्व मंत्री सैनी का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बयान

बोले- गहलोत को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं, राजस्थान पर 4.5 लाख करोड़ रुपये का हुआ कर्ज

बड़ी सादड़ी, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा जश्न मनाया जा रहा है। इसे लेकर शुक्रवार को बड़ीसादड़ी के रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म पर भाजपा का कार्यक्रम हुआ।

इस दौरान पूर्व मंत्री प्रभूलाल सैनी ने कहा कि अशोक गहलोत को एक पल भी सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं है। जब विधायक दल ने त्याग पत्र दे दिए, तब भी उनके वेतन भत्ते और सभी सरकारी सुविधाएं बरकरार है। पूरे कार्यकाल में सिर्फ सरकार बचाए रखने के जतन करते रहे। अधिकारियों और भ्रष्ट नेताओं के साथ मिलीभगत का खुला खेल चलता रहा और अंत में जाने से पहले राहत देने के नाम पर आहत किया जा रहा है। जबकि सरकार चाहे तो एक ही क्लिक में सभी को राहत दी जा सकती थी। उन्होंने कहा कि सीएम गहलोत के कार्यकाल में राजस्थान पर साढ़े चार लाख करोड़ रुपए का कर्ज हो गया है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व बड़ीसादड़ी से नीमच रेल लाइन के टेंडर होकर कार्य चालू करवा दिया जाएगा और जब नीमच तक जुड़ेंगी, तो बड़ीसादड़ी से देश के हर कोने में जाने के लिए सीधी रेल मिलेगी।

उन्होंने आग्रह किया कि मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता के मध्य ले जाने के लिए आभार मोदी सरकार अभियान चलाए और नमो एप सहित सोशल मीडिया पर चलाए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम दक, विधायक ललित ओस्तवाल, जिला उपाध्यक्ष मिठूलाल जाट, उप जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह ने विचार व्यक्त किए।

सड़क हादसे में कंधे से अलग हुआ हाथ

एसएमएस में डॉक्टरों ने 6 घंटे में वापस जोड़ा, युवक को मिली नई जिंदगी

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में शुक्रवार को एक बड़ा ऑपरेशन करके युवक को नई जिंदगी दी गई। हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने रोड एक्सीडेंट में कंधे से अलग हुए हाथ को पूरी तरह जोड़ दिया। इस तरह का ऑपरेशन एसएमएस हॉस्पिटल में पहली बार हुआ है।

एसएमएस हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि बंगाल के रहने वाले 26 साल के नियामत का ऑपरेशन किया गया। पिछले सप्ताह आगरा बाइपास पर एक ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान बाइक चालक तेजी से रोड साइड पर लगे लोहे के बैरियर से जा टकराया। एक्सीडेंट इतना खतरनाक था कि उसका एक हाथ कंधे से कटकर अलग हो गया था। इसके बाद उसे

एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में लाए। जहां से उसे प्लास्टिक सर्जरी डिपार्टमेंट के डॉक्टरों के पास शिफ्ट किया गया। प्लास्टिक सर्जरी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. सुनील श्रीवास्तव के साथ उनकी टीम डॉ. प्रदीप गुप्ता, डॉ. राहुल, डॉ. भूमिका और डॉ. राजकुमार समेत अन्य ने मरीज को देखने को बाद सर्जरी करने का निर्णय किया। इस सर्जरी में ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट डॉ. वंदना, डॉ. प्रियंका, डॉ. आंचल और डॉ. सचिन को शामिल किया। दोपहर करीब 12 बजे सर्जरी शुरू की, जो शाम 6 बजे जाकर पूरी की।

डॉक्टरों ने बताया- एसएमएस में इस तरह कंधे से पूरा हाथ अलग होना और उसे वापस जोड़ने का केस पहली बार सामने आया है। पहली बार की गई सर्जरी में डॉक्टरों को सफलता मिली।

17कि.मी की स्पीड से जोधपुर-पाली की तरफ बढ़ा बिपरजॉय

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में 'बिपरजॉय' अब कहर बरपाने लगा है। चक्रवाती तूफान के असर से शनिवार सुबह से ही बाड़मेर, माउंट आबू, सिरोही, उदयपुर, जालोर, जोधपुर और नागौर में मूसलाधार बारिश हो रही है। 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। बिपरजॉय 17 कि.मी प्रति घंटा की स्पीड से जोधपुर-पाली की तरफ आगे बढ़ रहा है। बाड़मेर में बाढ़

के हालात बन गए हैं। यहां एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। उधर, खराब मौसम के चलते पाली के जैतारण थाना क्षेत्र में 11 केवी बिजली लाइन का तार गिरने से बंजाकुडी गांव की 16 साल की पूजा कुमावत की मौत हो गई। इस हादसे में एक बछड़ी भी करंट से झुलसकर मर गई।

पिछले 24 घंटे के दौरान जालोर, सिरोही और रेगिस्तानी जिले बाड़मेर में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। माउंट आबू में रिकॉर्ड 8.4 इंच पानी बरसा। मौसम केंद्र जयपुर ने सिरोही और जालोर में भी बाढ़ के हालात की आशंका जताई है।

किशोर के अपहरण का खुलासा, एक नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

आरोपियों ने किशोर के पिता से मांगी थी दो करोड़ रुपए फिरौती

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की एसओटी मलकाजगिरी और मलकाजगिरी थाने की पुलिस ने मिलकर एक किशोर के अपहरण के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में एक किशोर समेत सुनकेसुला रवि, पसिका महिपाल, कटकूरी दिलीप को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इस मामले के एक आरोपी सुनकेसुला शिवा फरार है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक कार, पांच मोबाइल फोन, एक चाकू आदि बरामद किया है। डीसीपी मलकाजगिरी डी.जानकी ने बताया कि सनकेसुला शिव वर्तमान में मलकजगिरी थाने के अंतर्गत सप्तगिरि कॉलोनी के आनंद बाग में रह रहा हैं। वह शेयर बाजार में पैसा लगाता है और ऑनलाइन ट्रेडिंग करता है। वह ऑनलाइन कारोबार में और पैसा चाहता है। सनकेसुला शिवा के चचेरे भाई सनकेसुला रवि, रवि के साथ घनिष्ठ परिचित थे। वह भी शेयर बाजार में निवेश करता है और ऑनलाइन ट्रेडिंग का कारोबार करता है।

लेकिन उन्हें नुकसान हुआ और उन्होंने दूसरों से लगभग (4) लाख की राशि उधार ली, और उसे पूरा करने में असमर्थ रहे। ऐसे में दोनों आरोपितों ने अपने मोहल्ले से किसी बच्चे का अपहरण कर आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई।अपनी योजना के अनुसार, उन्होंने तिरुमाला नगर, रोड नंबर 1, सप्तगिरी कॉलोनी के रहने वाले एक 13 साल को किशोर को चुना। अभियुक्तों ने महबूबाबाद के पसिका महिपाल और कटकूरी दिलीप को भी अपहरण की योजना में शामिल कर लिया। इस प्रक्रिया के दौरान, उन्होंने उसी इलाके के एक लड़के को भी उसी पैसे का लालच देकर अपने गिरोह में शामिल कर लिया। इस अपराध के घटित होने के लगभग दो दिन पूर्व सभी अभियुक्तों ने अपने मोबाइल फोन से पीड़ित लड़के की तस्वीर साझा की और टोह ली। आगे उनकी योजना के अनुसार 15 जून की शाम स्कूल से लौटने के बाद जब पीड़ित लड़का घर से खेलने के लिए निकला तो जेसीएल और सुनकेसुला रवि एक साथ लड़के के पास गए और गेंद खरीदने के बहाने से उसे बहला फुसलाकर अपने साथ लेकर भाग गए। उसे अन्य आरोपियों के पास ले गए जो कुछ दूर एक कार में इंतजार कर रहे थे। फिर आरोपी पसिका महिपाल और कटकूरी दिलीप ने पीड़ित लड़के और जेसीएल को अपनी कार में उठा लिया, जेसीएल को तारनाका में छोड़ दिया और इधर-उधर घूमते हुए महबूबाबाद के पास नरसिम्हुलापेटा लेकर चले गए। बाद में, आरोपी व्यक्तियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए और अपनी कॉल को अंतर्राष्ट्रीय कॉल दिखाने के लिए पीड़ित लड़के के पिता को कुछ ऐप का उपयोग करके फोन करना शुरू कर दिया और लड़के को छोड़ने के लिए (2) करोड़ की राशि की मांग की। उन्होंने उसे यह भी धमकी दी कि यदि वह उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज कराते है, तो वे लड़के को मार देंगे, लेकिन इससे पहले, पीड़ित लड़के के पिता आर. श्रीनिवास द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर, यह मामला दर्ज किया गया। इस मामले की जांच के दौरान, पुलिस ने जोरदार प्रयास किए, मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी सबूतों सहित सभी सुरागों का सत्यापन किया और पहचान की कि आरोपी व्यक्तियों का ठिकाना वारंगल जिले के पलाकुर्ती में था। तदनुसार, पुलिस टीमें पलकुर्ती के लिए आगे बढ़ीं, आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा, पीड़ित लड़के को बचाया।

पुरी रथ यात्रा के लिए विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुरी में 20 जून से शुरू हो रही रथयात्रा के दौरान भीड़ कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने कुछ विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। इसके अनुसार सिकंदराबाद-मालतीपतपुर (07058) ट्रेन 18 जून, मालतीपतपुर-सिकंदराबाद (07059) ट्रेन 19 जून, काचीगुडा-मालतीपतपुर (07069) ट्रेन 21 जून और मालतीपतपुर-काचीगुड़ा (07070) ट्रेन 22 जून को चलेगी। एससीआर के अधिकारियों ने कहा कि इन विशेष ट्रेनों में एसी II कम III टियर, एसी II टियर, एसी III टियर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

इस बीच, दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर-भद्रक खंड के बहानागा स्टेशन पर मरम्मत कार्य के कारण कुछ ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। रद्द की गई ट्रेनों में 18 जून को चलने वाली शालीमार-हैदराबाद (18045), हैदराबाद-शालीमार (18046) और गुवाहाटी-सिकंदराबाद (02605) और 19 जून को चलने वाली सिकंदराबाद-अगरतला (067030) ट्रेनें शामिल हैं।

रेलवे अधिकारियों ने नागरिकों से कार्यक्रम में बदलाव पर ध्यान देने और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने का अनुरोध किया।

सज्जनार ने महबूबाबाद के ड्राइवर व कंडक्टर को किया सम्मानित

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाना सुनिश्चित करना कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाने और मानवता के साथ-साथ बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने महबूबाबाद डिपो के कंडक्टर के. नगैया और ड्राइवर डी. कोमुरैया की बस में दिल का दौरा पड़ने से मरने वाले यात्री के शव को संभालने और उसी बस में पीड़ित के घर ले जाने के लिए सराहना की और उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए ऐसी घटनाओं के होने पर कर्मचारियों में प्रतिक्रिया देने की क्षमता होना आवश्यक है। 14 जून को खम्मम से महबूबाबाद की बस में यात्रा करते समय एक यात्री के. हुसैन (52) को दिल का दौरा पड़ा। एंबुलेंस स्टाफ ने हुसैन के शव को उनके घर ले जाने से मना कर दिया। उस समय, नगैया और कोमुरय्या ने उच्चाधिकारियों की अनुमति से और रिश्तेदारों की मदद से शव को आरटीसी बस में हुसैन के घर स्थानांतरित कर दिया।

दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा रविवार 18 जून 2023 को किंग कोटी स्थित भारतीय विद्या भवन में आयोजित हिंदू राष्ट्र पर प्रेरक भाषण में मुख्य प्रवक्ता गुजरात की शेरनी, गुजरातियों की शान शिंगाला निवासी समाज सेविका काजल हिंदुस्तानी का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत करते हुए सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी, अरविंद पटेल, राजेश रामाणी, हेतल सामानी, अल्पा वोरा, पूजा जस्सानी एवं अन्य।

यूबीआई में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद-कोटी द्वारा केन्द्रीय कार्यालय उपभवन हैदराबाद में क्षेत्र की शाखाओं में हिंदी में कामकाज बढ़ाने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कल्याण वर्मा क्षेत्र प्रमुख हैदराबाद कोटी, क्षेत्र के दोनों उप क्षेत्र प्रमुख जे. जुम्मीलाल तथा आर. रघुनाथ रेड्डी, मुख्य प्रबंधक-परिचालन पीआरआर श्रीनिवास तथा शाखाओं से स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति रही। क्षेत्र प्रमुख ने अपने अभिभाषण में तकनीकी में भारतीय भाषाओं की स्थिति पर चर्चा की और किस प्रकार यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया में हिंदी के लिए अलग पोर्टल है। उसका प्रयोग हम राजभाषा के प्रयोग के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें इन तकनिकी में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। हमें बैंक के व्यवसाय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उपक्षेत्र प्रमुख जे. जुम्मीलाल ने बैंक के उत्पाद के शीर्षकों पर चर्चा की और कहा कि हिंदी किस प्रकार आज व्यवसाय से जुड़ रही है। हमें छोटे-छोटे कार्यों में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। उप क्षेत्र प्रमुख आर. रघुनाथ रेड्डी ने कम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य करने पर जोर दिया। क्षेत्र के राजभाषा प्रभारी काम्बले साहेबराव ने कार्यशाला का संचालन किया और राजभाषा नीति -नियम, कोर राजभाषा सोल्यूशन, हिंदी टाइपिंग, पत्राचार पर सत्र लिए। मुख्य प्रबंधक पीआरआर श्रीनिवास ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यशाला का समापन किया।

भंडारा चौक रिकाब गंज पर राहगीरों के लिए राम रस सेवा आयोजित

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रतिदिन हैदराबाद नगर में बढ़ती गर्मी व तापमान में नगरवासियों एवं राहगीरों को आराम दिलाने के उद्देश्य से रिकाब गंज क्षेत्र भंडारा चौक (एसोसीएशन के सामने) में रामरस सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह रामरस सेवा छांछ सेवा कार्यक्रम पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में प्रखर अग्रवाल, श्रीनिवास, अंजनी व अन्य कि उपस्थिति में बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया जिसका स्थानीय लोगों तथा राहगीरों ने बड़े हर्ष के साथ लाभ उठाते हुए आनंद का अनुभव किया।

हिंदी नगर में प्रदूषित पानी समस्या को सुलझाया गया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय बस्ती वासियों द्वारा गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ को गोशामहल विधानसभा क्षेत्र जामबाग प्रमंडल के हिंदी नगर में प्रदूषण का पानी आने की जानकारी दी गई। इसके बाद श्री गौड़ ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और हिंदी नगर वाटर वर्क्स के प्रबंधक शेखर गरी को उन क्षेत्रों में ले गए, जहां प्रदूषण पानी आ रहा था और समस्या को उनके ध्यान में लाया। मैनेजर तुरंत कर्मचारियों व मजदूरों की मदद से कई मैनहोल भरा। उन्होंने तत्काल प्रतिक्रिया के लिए बस्ती के लोगों की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया। जैसे ही शेखर ने उसे बताया कि कुछ गड़बड़ है, उसने कहा कि वह दिन-रात काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुबनपुरा, युसूफ बाबा दरगाह व जांबाग प्रमंडल के अन्य क्षेत्रों में यदि कोई समस्या है, तो एस्टीमेट बनाकर कार्य के समाधान में सहयोग कर रहे हैं। आनंद कुमार गौड ने याद दिलाया कि हिंदी नगर में वाटर वर्क्स के कुछ दिन पहले से बारिश आ रही है, पेड़ों पर तार लगे हुए हैं, इसे तुरंत अधिकारियों के ध्यान में लाया गया और समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि वह गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे और कोई समस्या होगी तो उसका समाधान करेंगे। कार्यक्रम में बस्ती के लोग रमेश, अनवर, राजू, युबुर, बलराजू, रवि, सुरेश, केशव, कुलदीप, जितेन्द्र, भानु, कृष्णा, रमेश, सरवरभाई, मियाभाई, अनिल सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

घटकेसर स्थित शांतिबाई मुलैवा के चार धाम यात्राकर नगर पधारने पर मुलेवा परिवार द्वारा आयोजित सुन्दरकान्ड में भजन प्रस्तुत करते हुए चैनसुख सोलंकी, ओमप्रकाश भाटी, आयोजक राजुराम-सुमनदेवी मुलैवा। कार्यक्रम का लाभ लेते हुए कोरेमुला सीरवी समाज अध्यक्ष कालुराम काग, पूर्व अध्यक्ष प्रभुराम परिहारियां, डायाराम लचेटा, जयराम सीरवी, अर्जुनलाल बर्फा, राजु शर्मा, चन्द्रप्रकाश गेहलोत व अन्य।

कांग्रेस के वरिष्ठ वयोवृद्ध नेता वी. हनुमंत राव का सम्मान करते हुए कांग्रेस नेता आदि अविनाश व अन्य।

अरविंद कुमार ने प्रतिष्ठित 'ग्रीन एप्पल अवार्ड्स' प्राप्त किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की ओर से, नगर प्रशासन और शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव, अरविंद कुमार ने प्रतिष्ठित 'ग्रीन एप्पल अवार्ड्स' प्राप्त किया। पुरस्कार समारोह 16 जून, 2023 को प्रतिष्ठित सेंट पॉल कैथेड्रल, लंदन में हुआ। तेलंगाना ने लंदन स्थित स्वतंत्र गैर-लाभकारी संस्था 'द ग्रीन ऑर्गेनाइजेशन' से 'इंटरनेशनल ब्यूटीफुल बिल्डिंग्स' के लिए पांच 'ग्रीन एप्पल अवार्ड' जीते। भवन डिजाइन और जीर्णोद्धार में तेलंगाना की उत्कृष्ट उपलब्धियों को यदागिरिगुट्टा मंदिर, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय भवन, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज, एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर, और मोज़म जाही मार्केट के लिए पुरस्कारों से मान्यता प्राप्त है।

डुप्लीकेट केबल वायर बेचने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर की टास्क फोर्स, सेंट्रल ज़ोन टीम, हैदराबाद, ने सुल्तान बाज़ार पुलिस के साथ मिलकर जैन मार्केट, कोटि, हैदराबाद में स्थित 'श्री बालाजी एंटरप्राइजेज' नाम की एक दुकान पर छापा मारा।

दुकान में डुप्लीकेट फिनोलेक्स केबल तार मिले। पुलिस ने इस मामले में मुकुल दुगर निवासी काचीगुडा, हैदराबाद को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी व्यक्ति को जब्त संपत्ति के साथ आगे की जांच के लिए एसएचओ, सुल्तान बाजार पीएस को सौंप दिया गया।

हजरत इनायत अली बाबा दरगाह में उर्स उत्सव

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हजरत इनायत अली बाबा (आरएच) दरगाह उर्स उत्सव न्यू बोइनपल्ली कृष्णा रेड्डी कॉलोनी में शुक्रवार रात आयोजित किया गया। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप मुख्य अतिथि थे और उन्होंने चादर चढ़ाकर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बोलते हुए, जम्पना प्रताप ने कहा कि यह सराहनीय है कि हिंदू मुस्लिम एक साथ आए हैं और धार्मिक सद्भाव के प्रतीक के रूप में दरगाह उर्स का आयोजन किया है। कार्यक्रम में तुम्मला, मुकेश यादव, जेवी सुमंत, राजेश, अजय, कृष्णा, बिपिन यादव ने भाग लिया।

अत्तापुर में राजस्थानी समाज की जनगणना का पहला चरण सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजस्थानी नवजागृति मंच द्वारा एक अप्रैल से अत्तापुर निवासी सभी राजस्थानी परिवारों कि जनगणना कार्यक्रम का आयोजन प्रतिदिन किया जा रहा है।

संस्था के मंत्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि श्री राजस्थानी नव जागृति मंच के तत्वाधान में प्रति दस वर्षों में आयोजित की जाने वाली राजस्थानी समाज अत्तापुर कि जनगणना का प्रथम चरण सम्पन्न हुआ। जनगणना प्रथम चरण में भरत नगर से प्रारम्भ कर अत्तापुर ग्राम, तेजस्वी नगर, मारुती नगर,राम बाग, हुडा कॉलोनी क्षेत्र में निवासी राजस्थानी परिवारों की जनगणना सम्पन्न की गई, जिसमें 800 राजस्थानी परिवारों की सूची तैयार की गई। अब दूसरे चरण में पांडूरंगा नगर, साईं हिल्स, बालाजी हिल्स, वासुदेव रेड्डी नगर, सीबीआईटी कॉलोनी, सिखारा अपार्टमेंट, पर्ल काउंटी की जनगणना की जाएगी। विभिन्न क्षेत्र में प्रतिदिन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बृजभूषण सिंह के...

आज यहां किसी पर महंगाई का कोई असर नहीं दिख रहा है। पीएम मोदी का रथ कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि उनका रथ जनता चला रही है। उनका रथ हिंदू-मुस्लिम अमीर गरीब सब मिलकर चला रहे हैं। 2024 के चुनाव में अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल साथ हैं, इस सवाल पर बृजभूषण सिंह ने कहा कि इससे पहले भी गठबंधन हो चुके हैं। नेताओं का गठबंधन होता है, लेकिन जनता का नहीं।

सांसद बृजभूषण ने आगे कहा कि हमने देवीपाटन और फैजाबाद मंडल देखा है। किसी मुस्लिम ने अगर एक कुएं में पानी पी लिया तो उस कुएं से पानी पीने वाले हिंदू भी मुसलमान हो जाते थे। हम लोगों ने एक बंटवारा झेला है। दोबारा बंटवारा नहीं झेलना है। जो लोग हिंदू मुस्लिम की बात करते हैं वो गलत लोग हैं।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ...

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट बोले, हालात सीरिया जैसे, पूर्व आर्मी चीफ ने भी चिंता जताई

हिंसा के बीच पूर्व आर्मी चीफ वीपी मलिक ने पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दखल देने की अपील की है। दरअसल, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एल निशिकांत सिंह ने गुरुवार सुबह ट्वीट करके राज्य के हालात सीरिया-लेबनान जैसे बताए थे। इसी को लेकर वीपी मलिक ने ऐसा बयान दिया है।

लेफ्टिनेंट जनरल ने लिखा, मैं मणिपुर का एक साधारण भारतीय हूं, जो सेवानिवृत्त जीवन जी रहा है।

राज्य अब स्टेटलेस है। जिंदगी और संपत्ति को कोई भी, कभी भी खत्म कर सकता है। जैसे लीबिया, लेबनान, नाइजीरिया, सीरिया में होता है। ऐसा लगता है कि मणिपुर को अपनी ही आग में उबलने के लिए छोड़ दिया गया है। क्या कोई सुन रहा है? इस पर चिंता जाहिर करते हुए वीपी मलिक ने कहा कि एक सैन्य अधिकारी का ऐसा कहना बहुत दुख की बात है। राज्य के हालात पर सरकार के टॉप लेवल को तुरंत ध्यान देना चाहिए।

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर चल रही जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी। इसी बीच इंटेलिजेंस ने दावा किया है कि कुछ लोग पुलिस की वर्दी में राज्य में दाखिल हो सकते हैं। इन लोगों ने एक दर्जी को वर्दी सिलने का ऑर्डर दिया है।

हैदराबाद के कॉलेज में बुर्का...

लोग जो चाहें वो पहन सकते हैं, लेकिन अगर आप यूरोपीय परिधान पहनेंगे तो यह सही नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि हमें अच्छे कपड़े पहनने चाहिए। औरतें खासतौर से, कम कपड़े पहनने से परेशानी होती है।

ज्यादा कपड़े पहनने से लोगों को सुकून रहता है। ये कहीं भी नहीं लिखा कि बुर्का नहीं पहना जा सकता है। हम इस घटना पर एक्शन लेंगे।

कर्नाटक में हिजाब विवाद जनवरी के शुरूआत में उडुपी के ही एक सरकारी कॉलेज से शुरू हुआ था, जहां मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनकर आने से रोका गया था। स्कूल मैनेजमेंट ने इसे यूनिफॉर्म कोड के खिलाफ बताया था। इसके बाद अन्य शहरों में भी यह विवाद फैल गया।

मुस्लिम लड़कियां इसका विरोध कर रही हैं, जिसके खिलाफ हिंदू संगठनों से जुड़े युवकों ने भी भगवा शॉल पहनकर जवाबी विरोध शुरू कर दिया था। एक कॉलेज में यह विरोध हिंसक झड़प में बदल गया था, जहां पुलिस को सिचुएशन कंट्रोल करने के लिए टियर गैस छोड़नी पड़ी थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

दलीप ट्रॉफी 28 जून से, 28 आईपीएल स्टार्स खेलेंगे

इन्हीं में से टेस्ट का नया बैच तैयार करेंगे सिलेक्टर्स, वेस्टइंडीज टूर में मिल सकता है मौका

ऋतुराज गायकवाड का परफॉर्मेंस

IPL 2023	फर्स्ट क्लास	लिस्ट ए
मैच - 16	मैच- 28	मैच -72
रन - 590	रन- 1941	रन - 4034
स्ट्राइक रेट - 147.50	100/50 - 6/9	100/50 - 15/16

तिलक वर्मा का प्रदर्शन

IPL 2023	फर्स्ट क्लास	लिस्ट ए
मैच- 11	मैच- 7	मैच -25
रन- 343	रन- 409	रन - 1236
स्ट्राइक रेट 164.11	100/50 - 1/2	100/50 - 5/5

रिंकू सिंह का प्रदर्शन

IPL 2023	फर्स्ट क्लास	लिस्ट ए
मैच - 14	मैच- 40	मैच -50
रन 474	रन- 2875	रन - 1749
स्ट्राइक रेट - 149.52	100/50 - 7/19	100/50 - 1/16

साई सुदर्शन का परफॉर्मेंस

IPL 2023	फर्स्ट क्लास	लिस्ट ए
मैच- 8	मैच- 7	मैच -11
रन- 362	रन- 572	रन - 664
स्ट्राइक रेट 141.40	100/50 - 2/1	100/50 - 3/2

यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन

IPL 2023	फर्स्ट क्लास	लिस्ट ए
मैच - 14	मैच - 11	मैच - 32
रन - 625	रन - 1845	रन - 1511
स्ट्राइक रेट - 163.61	100/50 - 9/2	100/50 - 5/7

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लगातार दो फाइनल गंवाने के बाद बीसीसीआई सिलेक्टर्स अब नया बैच तैयार करने में जुटे हैं। यही कारण है कि भारतीय टेस्ट टीम की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में दमदार प्रदर्शन करने वाले युवाओं को दलीप ट्रॉफी के लिए जोनल टीमों में चुना गया है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि आंकड़े बता रहे हैं।

मौजूदा सीजन की बात करें तो इस पर दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने जा रही 6 जोनल टीमों में 28 आईपीएल स्टार हिस्सा ले रहे हैं। इस स्टोरी में देखेंगे दलीप ट्रॉफी का शेड्यूल, आईपीएल में प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले खिलाड़ियों का करियर और पिछले सीजन में प्रदर्शन और ये भविष्य की टीम इंडिया में कहां फिट बैठ सकते हैं। शुरुआत करते हैं मौजूदा सीजन के शेड्यूल से...

28 जून से 12 जुलाई तक आयोजन, 6 टीमें हिस्सा लेंगी

दलीप ट्रॉफी 28 जून से 12 जुलाई तक बेंगलुरु के कई वेन्यू पर खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट के साथ बीसीसीआई के डोमेस्टिक सीजन की शुरुआत भी हो जाएगी। इस प्रतियोगिता में नार्थ, साउथ, ईस्ट, वेस्ट, सेंट्रल और नार्थ-ईस्ट जोन की टीमें खेली जाएंगी। पहला प्लेऑफ मुकाबला नार्थ जोन और ईस्ट जोन के बीच खेला जाएगा। खिताबी मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 12 जुलाई को होगा।

इन आईपीएल स्टार्स पर रहेगी नजरें...

1. ऋतुराज गायकवाड : 600 से ज्यादा रन बनाए

ऋतुराज गायकवाड वेस्ट जोन में चुने गए हैं। गायकवाड ने डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए डेवोन कॉन्वे के साथ लाजवाब ओपनिंग की है। दोनों ने मौजूदा सीजन में पहले विकेट के लिए 849 रन बनाए हैं। गायकवाड ने 28 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 1941 रन हैं। इनमें 6 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। ऐसे में गायकवाड ओपनिंग के अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

2. तिलक वर्मा : प्रभावी पारियां खेलीं, मिडिल ऑर्डर पर खेलते हैं

तिलक वर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में छोटी लेकिन अहम पारियां खेलीं। उन्होंने मुंबई इंडियंस की ओर से 11 मुकाबलों में 42.88 के एवरेज से 343 रन बनाए हैं। तिलक के बल्ले से एक अर्धशतक भी आया।

तिलक वर्मा ने 7 फर्स्ट क्लास मुकाबले खेले हैं। इनमें उनके बल्ले से 409 रन निकले हैं। उनके बल्ले से 1 शतक और दो अर्धशतक आ चुके हैं।

साउथ जोन से खेल रहे तिलक आईपीएल के बाद इस टूर्नामेंट में भी प्रभाव छोड़ सकते हैं।

3. रिंकू सिंह : गुजरात के खिलाफ 5 छक्केसे चर्चा में आए

सेंट्रल जोन से खेल रहे रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से मैच फिनिशर की भूमिका में खेलने उतरे थे और अपने छक्कों के कारण पिछले सीजन में सबसे ज्यादा चर्चा में रहे। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में यश दयाल के आखिरी ओवर में 5 छक्के जमाकर अपनी टीम को जिताया था। रिंकू ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में 59.25 के एवरेज से 474 रन बनाए हैं। रिंकू ने 40 फर्स्ट क्लास मैच में 2875 रन बनाए हैं। इनमें 7 सेंचुरी और 19 हाफ सेंचुरी शामिल हैं।

रिंकू फर्स्ट क्लास में भी करीब 60 की बेहतरीन औसत से खेलते हैं। ऐसे में वे डेज फॉर्मेट में भी अपनी फॉर्म कायम रखना चाहेंगे। वे बड़े शॉर्ट खेलने के लिए जाने जाते हैं।

4. बी साई सुदर्शन : आईपीएल में तीन फिफ्टी जमाई, 50+ का एवरेज

फाइनल के टॉप स्कोर साई सुदर्शन को साउथ जोन में चुना गया है। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज सुदर्शन ने आईपीएल के पिछले सीजन में 362 रन बनाए हैं। इस सीजन में सुदर्शन का एवरेज 51.71 का रहा है। उनके बल्ले से 5 फिफ्टी आई हैं।

साई सुदर्शन ने 7 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 572 रन बनाए हैं। इनमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन टॉप-मिडिल ऑर्डर पर बल्लेबाजी करते हैं। उन पर भी सिलेक्टर्स की नजर रहेगी।

5. यशस्वी जायसवाल: फर्स्ट क्लास में 80+ का एवरेज

राजस्थान रॉयलस के ओपनर यशस्वी जायसवाल को वेस्ट जोन में चुना गया है। वे आईपीएल 2023 के टॉप बैटर्स में से एक रहे हैं। उन्होंने 14 मुकाबलों में 48.08 के एवरेज से 625 रन बनाए हैं। पिछले सीजन में यशस्वी के बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक आए हैं। जायसवाल ने 15 फर्स्ट क्लास मैचों में 1845 रन बनाए हैं। इनमें उनका एवरेज 80.21 का रहा है। उनके नाम 9 सेंचुरी और 2 हाफ सेंचुरी हैं। यशस्वी राजस्थान की ओर से ओपनिंग करते हैं और सफल भी रहे हैं। ऐसे में सिलेक्टर्स उनमें भविष्य का ओपनर देख सकते हैं।

6 प्रभसिमरन सिंह : 150.42 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग

आईपीएल के पिछले सीजन में प्रभसिमरन सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उन्होंने पंजाब किंग्स की ओर से ओपन करते हुए सेंचुरी जमाई थी। प्रभसिमरन ने पिछले सीजन में 25.57 के एवरेज और 150.42 के स्ट्राइक रेट से 358 रन बनाए हैं।

प्रभसिमरन सिंह ने 11 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 689 रन हैं। फोर डे फॉर्मेट में प्रभसिमरन 49.21 के एवरेज से रन बनाते हैं। उनके नाम तीन सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी है। प्रभसिमरन नॉर्थ जोन से खेलते नजर आएंगे।

7 यश ठाकुर : पिछले आईपीएल सीजन में हर 15वीं बॉल पर विकेट चटकाया

सेंट्रल जोन की टीम से खेल रहे यश ठाकुर ने लखनऊ की ओर से पिछले IPL सीजन में 13 विकेट चटकाए। वे हर 15वीं बॉल पर विकेट ले रहे थे, हालांकि उनकी इकोनॉमी 9.07 की रही।

यश ठाकुर ने 13 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 37 विकेट चटकाए हैं। वे एक दफा 5 विकेट होल भी हासिल कर चुके हैं। यश एक बॉलिंग ऑप्शन हो सकते हैं।

चिराग-सात्विक सुपर-1000 के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय

इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में साउथ कोरिया के पेयर को तीन गेम में हराया

जकार्ता, 17 जून (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले जा रहे इंडोनशिया ओपन में भारत के सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी ने इतिहास रच दिया। मेंस डबल्स जोड़ी सुपर-100 रेटिंग वाले टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली जोड़ी बन गई है। सात्विक-चिराग ने सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया के कांग मिन और सियो सेउंग-जे को तीन गेम में 17-21, 21-19 और 21-18 से हराया। बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट की ग्रेड से डिसाइड होती है। BWF वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट में सुपर 1000, 750, 500, 300 और सुपर 100 मुकाबले होते है। रैंकिंग

के हिसाब से विनर को पॉइंट मिलते है। जैसे सुपर 1000 मुकाबले के विनर को 12 हजार पॉइंट्स मिलते है। वहीं, सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले को 5 हजार 500 पॉइंट्स मिलते है।

सबसे ज्यादा 13 हजार पॉइंट्स वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलिंपिक जीतने पर मिलते है। टोटल पॉइंट्स आधार पर वर्ल्ड रैंकिंग तय होती है। विनर के अलावा, फाइनलिस्ट, सेमीफइनलिस्ट से ले कर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले शटलर्स को भी ग्रेड और पायदान के हिसाब से पॉइंट्स दिए जाते है। सात्विक-चिराग की जोड़ी को शुरूआती गेम में हार का सामना करना पड़ा। पेयर पहला गेम 18-21 से हार गया। इसके बाद जोड़ी ने शानदार वापसी कर लगातार दो गेम जीते। पूरे मैच के दौरान, सात्विक और चिराग दोनों कोरियाई खिलाड़ियों की सर्विस को चैलेंज करने में नाकाम रहे। फाइनल में सर्विस पर ध्यान देना होगा। दूसरे गेम में कोरियाई जोड़े ने भारतीय जोड़ी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 19-21 से सात्विक-चिराग ने मैच जीत लिया। तीसरा गेम बहुत नजदीकी रहा। दोनों टीमों ने अटैकिंग गेम खेला। भारतीयों को अपने डिफेंस में आई कमी को पूरा करने की जरूरत है। हालांकि, तीसरा गेम भी भारतियों के पक्ष में ही गया। सात्विक और चिराग अपने पहले वर्ल्ड टूर सुपर 1000 फाइनल में इंडोनेशिया के प्रमुद्य कुसुमवरदाना और येरेमिया एरिच योचे याकूब रामबिटन और मलेशिया के हारून चिया और वूई यिक सोह के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे।

अर्जुन अवॉर्डी गुरबचन रंधावा का इस्तीफा

भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन की चयन समिति का अध्यक्ष पद छोड़ा, बोले- अब 100% नहीं दे पाऊंगा

अमृतसर, 17 जून (एजेंसियां)। भारत के महान एथलीट और देश के पहले अर्जुन अवॉर्डी गुरबचन सिंह रंधावा ने भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 18 साल सेवाएं देने के बाद इस्तीफे का फैसला किया। ओलंपियन रंधावा ने हाल ही में एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर स्वेच्छा से अपना पद छोड़ने के अपने फैसले की जानकारी दी। 85 वर्ष के रंधावा ने कहा कि अब वह अपना 100 प्रतिशत समय नहीं दे सकते और युवा खिलाड़ियों को जिम्मेदारी सौंपने का मौका आ गया है। गुरबचन सिंह रंधावा के कार्यकाल में भारतीय एथलेटिक्स ने कई मील के पत्थर स्थापित किए, जिसमें नीरज चोपड़ा के रूप में भारत के पहले ओलिंपिक चैंपियन एथलीट भी शामिल हैं।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पदक जीता। इसके अलावा एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम्स, सेफ गेम्स, एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के पहले अर्जुन अवॉर्डी एथलीट गुरबचन सिंह

रंधावा ने कहा कि एथलिटक्स उनके खून में है और उन्हें खुशी है कि जो सपना मिल्खा सिंह, पीटी उषा जैसे एथलीटों ने पूरा नहीं किया, वह नीरज चोपड़ा ने पूरा किया।

एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीता था रंधावा ने 1962 जकार्ता एशियाई खेलों में डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ 1964 के टोक्यो ओलिंपिक खेलों में 110 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। रंधावा को देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री भी मिल चुका है। वह टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय खेल टीम के ध्वजवाहक भी थे।

6 जून, 1939 को अमृतसर जिले के गांव नंगली (मेहता) में ओलंपियन रंधावा का जन्म हुआ था। रंधावा सीआरपीएफ से कमांडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए।

पहलवान साक्षी मलिक का नया दावा: 2 बीजेपी नेताओं ने धरना देने को कहा, परमिशन भी दिलाई; मेडल बहाते तो हिंसा होती

पानीपत, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण और रेसलर्स विवाद में अब पहलवान साक्षी मलिक ने एक नया दावा किया है। साक्षी मलिक ने कहा कि हमें धरना देने के लिए BJP नेता बबीता फोगाट और तीर्थ राणा ने कहा था। इन दोनों नेताओं ने उन्हें कहा था कि बृजभूषण के खिलाफ अपनी आवाज उठाओ। यही नहीं, जंतर-मंतर पर धरने की परमिशन भी बबीता फोगाट और तीर्थ राणा ने ही दिलाई थी। साक्षी ने परमिशन लेटर भी दिखाया।

साक्षी और उनके पति सत्यव्रत कादियान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर द ट्रुथ टाइटल से अपना एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें ये दावे किए। उन्होंने खुद ही सवाल बताए और फिर उनके जवाब दिए।

साक्षी का यह दावा इसलिए अहम है, क्योंकि बृजभूषण समेत BJP ये कहती रही कि धरने के पीछे हरियाणा से राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा हैं। वहीं बबीता फोगाट खुद भी रेसलर्स के धरने में राजनीति होने की बात कहती रही। वहीं तीर्थ राणा भी हरियाणा के सोनीपत से ही भाजपा के जिला अध्यक्ष हैं। साक्षी ने ये भी कहा कि हरिद्वार में इस तरह का माहौल बना दिया गया कि अगर हम

मेडल बहाने जाते तो हिंसा होने का खतरा था।

हमारे अंदर एकता की कमी थी। हम कभी एक साथ हो ही नहीं पाए। दूसरा कारण है नाबालिग लड़की, जिसने अपना बयान बदल दिया। हम तो एकजुट हैं, इसके बाद भी उन्होंने डर की वजह से बयान बदल दिए।

28 मई को होने वाली संसद पर महिला महापंचायत की कॉल हमारी नहीं महम में हुई पंचायत में बुजुर्गों व खाप प्रतिनिधियों ने दी थी। फैसले के बाद हमें पता लगा कि इसी दिन नई संसद भवन का उद्घाटन भी है। बुजुर्गों का मान-सम्मान रखते हुए संसद भवन कूच किया था।

जब हम हरिद्वार में मेडल बहाने गए थे, वहां तंत्र से जुड़ा एक व्यक्ति बजरंग के पास आया और उसे साइड में ले गया। वहां बजरंग से कहा कि तुम्हारे मुद्दे पर ऊपर बात चल रही है। मेडल विसर्जित मत करो। 7 बजे तक बजरंग को रोके रखा। इसके बाद वहां भीड़ जुट गई और ऐसा माहौल बना कि डल बहाने जाते तो वहां हिंसा हो सकती थी। इसलिए हमने फैसला बदला

हमें भी सुनने में आ रहा है कि कई खापें हमसे नाराज हैं। मेरी सभी से हाथ जोड़कर विनती है कि हमसे जो गलती हुई है, उसे माफ कर दो। संयुक्त किसान मोर्चा, भाई चंद्रशेखर रावण, सत्यपाल मलिक, महिला संगठनों, छात्र संगठनों का दिल से धन्यवाद। तीरथ राणा और बबिता फोगाट का भी धन्यवाद, जिन्होंने पहलवानों को आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया और सरकार से बात कराई।

रूट ने टेस्ट शतक में ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा

एशेज के पहले टेस्ट में जड़ा अपना 30वां शतक

लंदन, 17 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने शुक्रवार से शुरू हुए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 152 गेंदों पर नाबाद 118 रन की पारी खेली। यह उनके टेस्ट क्रिकेट का 30वां शतक है। इसके साथ ही उन्होंने ब्रैडमैन के 29 शतकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले उन्होंने भारत के विराट कोहली और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को पीछे छोड़ा था। दोनों के 28-28 शतक हैं। सचिन तेंदुलकर टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने

जो रूट की शतकीय पारी

रन - 118* | बॉल - 152 | 4/6 - 7/4

वाले बैटर

1948 तक टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले सर डॉन ब्रैडमैन ने अपने करियर में कुल 29 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने में सचिन तेंदुलकर सबसे ऊपर हैं। उनके नाम 51 शतकों का रिकॉर्ड है। रूट अब संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर आ गए हैं। एक्टिव क्रिकेटर्स में उनसे ऊपर सिर्फ स्टीव स्मिथ हैं, जिनके नाम 31 टेस्ट शतक दर्ज हैं। वहीं वे सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में इंग्लैंड के दूसरे बैटर हैं। उनसे ज्यादा एलिस्टर कुक ने 33 शतक लगाए हैं।

इंग्लैंड ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉले और बेन डकेट ने

पाकिस्तान के वर्ल्ड कप खेलने पर असमंजस

पीसीबी चेयरमैन बोले- भारत जाना है या नहीं सरकार तय करेगी

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। एशिया कप विवाद थमने के बाद अब पाकिस्तान के वनडे वर्ल्ड कप खेलने पर विवाद खड़ा होता नजर आ रहा है। हाइब्रिड मॉडल पर एशिया कप के आयोजन पर सहमति के बाद पाकिस्तान भारत में होने जा रहे वर्ल्ड कप खेलने से आनाकानी करने लगा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट नजम सेठी ने कहा है, 'पाकिस्तान की वर्ल्ड कप में हिस्सेदारी सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी।' शुक्रवार को जब मीडिया ने सेठी से पाकिस्तान के वर्ल्ड कप खेलने भारत आने पर सवाल किया तो उन्होंने कहा, 'मेरे पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है। हमने ICC को लिखा है कि हम भारत यात्रा पर स्वीकृति या अस्वीकृति नहीं दे सकते हैं। यह फैसला हमारी सरकार लेगी, ठीक

वैसे जैसे भारत सरकार करती है। हम अहमदाबाद में खेलेंगे या नहीं, यह बाद की बात है। समय आने पर तय किया जाएगा कि हम जाएंगे या नहीं।' सेठी के इस बयान के बाद पाकिस्तान के भारत आने पर असमंजस की स्थिति बन गई है। इससे पहले भारत ने ICC को वर्ल्ड कप का शेड्यूल ड्रॉफ्ट भेजा था, जिस पर भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में प्रस्तावित किया गया है।

नजम ने शुक्रवार दोपहर को बयान में कहा था, 'हमारे फैंस 15 साल में पहली बार टीम इंडिया को पाकिस्तान में खेलते देखना पसंद करते, लेकिन हम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की स्थिति को समझते हैं। पीसीबी की तरह ही बीसीसीआई को भी बॉर्डर पार करने के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होती है।' सेठी ने आगे कहा, 'एशिया कप पाकिस्तान आ रहा है, सितंबर में। यही हमारा वादा था और हमने अपना वादा निभाया है। आखिरी बार साल 2008 में पाकिस्तान में दो से अधिक टीमें एकसाथ खेली थीं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें बड़ी मेहनत करनी पड़ी। बड़ी अफवाहें उड़ीं।

महिला खिलाड़ियों को कपड़े उतार कर साबित करना पड़ा जेंडर

खेलों में इंटरसेक्स जेंडर में फंसता है पेंच, इनके जननांग अंदर और बाहर अलग-अलग

स्टॉकहोम, 17 जून (एजेंसियां)। स्वीडन की एक पूर्व महिला फुटबॉलर की किताब ने सनसनी मचा दी है। इस किताब में पूर्व स्वीडिश फुटबॉलर नीला फिशर ने लिंग जांच के बारे में दहला देने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 2011 के वर्ल्ड कप से पहले पूरी स्वीडिश टीम की लिंग जांच की गई। इसके लिए उन्हें डॉक्टर्स के सामने अपने पूरे कपड़े उतारने पड़े थे। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अफवाह थी कि कुछ टीमों में पुरुष खिलाड़ी महिला बनकर खेल रहे हैं। फिशर के खुलासे के बाद पूरी दुनिया में इस तरह हुए जेंडर टेस्ट की आलोचना हो रही है। साल 2011 का वर्ल्ड कप जर्मनी में हुआ था। इसी दौरान अफवाह फैली कि अलग-अलग देशों की टीम में पुरुष खिलाड़ी भी शामिल हैं। जिसके बाद जर्मनी और दूसरे कुछ देशों में टूर्नामेंट का विरोध हुआ और जांच की मांग की गई। जिसके बाद टूर्नामेंट कराने वाली 'फीफा' ने जेंडर टेस्ट का यह रास्ता अपनाया। इसमें टीम की सभी महिला खिलाड़ियों को डॉक्टर्स की मौजूदगी में अपने प्राइवेट पार्ट्स दिखाने पड़े।

फिशर के मुताबिक पूरी स्वीडिश टीम के कपड़े उतरवाकर जांच की गई। बावजूद इसके टीम में कोई पुरुष खिलाड़ी नहीं पाया गया। एक-एक कर डॉक्टर्स ने सभी खिलाड़ियों के प्राइवेट पार्ट देखे और उनके महिला होने का प्रमाणपत्र जारी किया।

जोधपुर महाराजा और महारानी ने स्नूकर लीग का फाइनल मैच देखा

जोधपुर, 17 जून (एजेंसियां)। उम्मेद भवन पैलेस में खेली जा रही जोधपुर युवराज शिवराज सिंह के निर्देशानुसार बड़ा बापजी स्नूकर लीग 2023 की थीम मारवाड़ी भाषा थी के विजेता आशीष भंडारी और उपविजेता अनिरुद्ध गांधी रहे। जोधपुर महाराजा गजसिंह और जोधपुर महारानी हेमलता राज्ये के आतिथ्य में खेला गया बड़ा बापजी स्नूकर लीग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार गुर्जर ने बताया की महाराजा और महारानी अति व्यस्त कार्यक्रम होते हुए भी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिए पधारे और खेल का आनंद लिया साथ ही खेल के दौरान खिलाड़ियों के अच्छे शाट्स की तारीफ भी करते रहें। महाराजा साहिब महारानी साहिबा ने खेल के दौरान बीच बीच में पूरे स्नूकर लीग की जानकारी लेकर सभी खिलाड़ियों और दर्शकों के खेल भावना की तारीफ कर भविष्य में

विजेता और उपविजेता को अपने खेल को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की शुभकामनाएं भी दी। महाराजा गजसिंह ने सभी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को बड़ा बापजी स्नूकर लीग के प्रसार प्रचार के लिए आभार व्यक्त किया सभी दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते हुए महारानी हेमलता राज्ये ने स्नूकर लीग की समाप्ति पर दर्शकों के आग्रह पर तस्वीरे भी खिंचवाई। जोधपुर महाराजा और महारानी साहिबा ने विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी के साथ इनामी नकद राशि भी प्रदान की साथ ही लीग में सहयोग करने के लिए उम्मेद भवन पैलेस के महाप्रबंधक मनु शर्मा और उनकी टीम को बड़ा बापजी स्नूकर लीग के स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए चीफ रेफरी अरुण खुड़ियाल को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद दिया। बड़ा बापजी स्नूकर लीग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार गुर्जर ने जोधपुर युवराज शिवराज सिंह द्वारा बड़ा बापजी लीग आयोजित करवाने के लिए खिलाड़ियों की ओर से आभार प्रकट किया।

भविष्य की तैयारी के लिए कदम उठा रही है भारतीय वायुसेना : द्रौपदी मुर्मू

वायु सेना अकादमी के इतिहास में पहली बार संयुक्त स्नातक परेड की मुख्य अतिथि बनी राष्ट्रपति

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) समग्र सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है, जिसमें एक नेटवर्क-केंद्रित भविष्य के युद्ध क्षेत्र में एक उच्च प्रौद्योगिकी युद्ध लड़ने की चुनौतियां भी शामिल हैं। वायु सेना अकादमी (एएफए) के इतिहास में पहली बार, भारत की राष्ट्रपति शनिवार को आयोजित संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) के मुख्य अतिथि और समीक्षा अधिकारी थी। उन्होंने डुंडीगल में वायु सेना अकादमी में सफल कैडेटों की परेड की समीक्षा की। कैडेटों को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि देश के रक्षा बल मिलकर भूमि सीमाओं, बड़े समुद्र तट और क्षेत्रीय जल और विशाल हवाई क्षेत्र की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा, "सशस्त्र बलों के प्रत्येक अधिकारी को रक्षा तैयारियों के एक एकीकृत परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखना होगा।" वर्ष 1948, 1965 और 1971 में शत्रुतापूर्ण पड़ोसी के साथ युद्धों में देश की रक्षा करने में भारतीय वायु सेना के वीर योद्धाओं द्वारा निभाई गई महान भूमिका स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई है। उन्होंने जोर देकर कहा, "उन्होंने कारगिल संघर्ष में और बाद में बालाकोट में आतंकवादी ठिकाने को नष्ट करने में समान संकल्प और कौशल का प्रदर्शन किया।" आईएएफ भी मानवीय सहायता और आपदा राहत में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। हाल ही में तुर्की और सीरिया में आए भूकंप के दौरान खराब मौसम के बावजूद चिकित्सा सहायता और आपदा राहत प्रदान करने के लिए भारतीय वायु सेना हरकत में आई। मुर्मू ने याद दिलाया, 'इससे पहले, काबुल में फंसे 600 से अधिक भारतीयों और अन्य नागरिकों को एयरलिफ्ट करने का सफल निकासी अभियान, जिसमें शत्रुतापूर्ण वातावरण में उड़ान भरना और उतरना शामिल था, भारतीय वायु सेना की उच्च क्षमताओं का प्रमाण है।' उन्होंने कहा कि राफेल लड़ाकू विमान और चिनूक हैवी लिफ्ट हेलिकॉप्टरों को शामिल करने से भारतीय वायु सेना का आधुनिकीकरण भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करता है। संयुक्त स्नातक परेड में फ्लाइंग ब्रांच में कुल 119 आईएएफ प्रशिक्षुओं और ग्राउंड ड्यूटी शाखा में 75 प्रशिक्षुओं ने कमीशन प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, आठ अधिकारियों, भारतीय नौसेना और भारतीय तट रक्षक प्रत्येक के साथ-साथ दो वियतनामी प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपना उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। परेड ने भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं में फ्लाइट कैडेटों के लिए 211 पायलट कोर्स और 211 ग्राउंड ड्यूटी ऑफिसर्स कोर्स के प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित किया। राष्ट्रपति ने कैडेटों की छाती पर 'विंग्स' और 'ब्रेवेट्स' को उस शाखा के आधार पर पिन किया, जिसमें उन्हें कमीशन दिया जा रहा है। परेड के बाद पिलाटस पीसी-7 ट्रेनर एयरक्राफ्ट द्वारा एरोबेटिक प्रदर्शन, पीसी-7 के फॉर्मेशन द्वारा फ्लाईपास्ट, सुखोई एसयू-30 द्वारा एरोबेटिक शो और हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम 'सारंग' और सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा सिक्रोनस एरोबेटिक डिस्प्ले किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी, तेलंगाना की मंत्री सत्यवती राठौड़ और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी मौजूद थे।

भाजपा से जुड़े दो गुटों में झड़प

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबोवली में भाजपा से जुड़े दो गुटों में झड़प के बाद हल्का तनाव व्याप्त है। बीजेपी के स्थानीय कैडर में चल रहा मतभेद शनिवार को यहां तब सामने आया जब यहां दो गुट आपस में भिड़ गए। पदयात्रा के दौरान एक गुट द्वारा हमला किया गया। इस घटना में कुछ कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया। दोनों गुटों ने एक दूसरे के खिलाफ गच्चीबोवली थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

निः शुल्क आधार दस्तावेज़ अपडेट की समय सीमा बढ़ी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में एक घोषणा में, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने मुफ्त आधार दस्तावेज़ अपडेट की समय सीमा बढ़ा दी है। व्यक्तियों के पास अब 14 सितंबर, 2023 तक अपनी पहचान के प्रमाण और पते के प्रमाण के दस्तावेज़ों को बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन अपडेट और अपलोड करने का समय है। पहले, समय सीमा 14 जून, 2023 निर्धारित की गई थी। जनसांख्यिकीय जानकारी की सटीकता बनाए रखना महत्वपूर्ण है, और यूआईडीएआई आधार धारकों को अपने विवरण अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अपडेट प्रक्रिया शुरू करने के लिए, व्यक्ति आधिकारिक वेबसाइट https://myaadhaar.uidai.gov.in पर जा सकते हैं और सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ऑनलाइन अपडेट मुफ्त रहते हुए, सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) में अपडेट के लिए 25 रुपये का सामान्य शुल्क लिया जाएगा।

1- ईएमई केंद्र में अग्निवीर सत्यापन परेड आयोजित

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निवीरों के पहले बैच के सत्यापन परेड के अवसर पर 1 ईएमई केंद्र, सिकंदराबाद के सेंट्रल परेड ग्राउंड ने पारंपरिक सैन्य सम्मान के साथ एक शानदार रूप धारण किया। ब्रिगेडियर सुरेश जी, कमांडेंट 1 ईएमई केंद्र ने सत्यापन परेड की समीक्षा की और कुल तिरानबे अग्निवीरों को प्रमाणित किया गया। अग्निवीरों के गौरवान्वित माता-पिता ने समारोह की शोभा बढ़ाई और उन्हें भारतीय सेना की परंपरा के अनुसार 'गौरव पदक' से सम्मानित किया गया वर्ष 2022-23 के लिए ईएमई कोर के अग्निवीरों के पहले बैच का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण 01 जनवरी 2023 को 1 ईएमई केंद्र में शुरू हुआ और 10 मार्च 2023 को समाप्त हुआ, जिसके बाद अग्निवीरों ने चार अलग-अलग तकनीकी प्रशिक्षणों में अपना अग्रिम सैन्य प्रशिक्षण शुरू किया। ईएमई के कोर की स्थापना, 1 ईएमई केंद्र जूनियर कमीशंड अधिकारियों के लिए प्रमुख तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान/अन्य रैंक तकनीकी प्रशिक्षण प्रतिष्ठान में से एक है। चौदह सप्ताह के अग्रिम सैन्य प्रशिक्षण के पूरा होने के बाद, अग्निवीरों को 17 जून 2023 को प्रमाणित किया गया। सत्यापन एक समारोह है जिसमें अग्निवीर राष्ट्रीय ध्वज, रेजिमेंटल रंगों और धार्मिक पवित्र पुस्तकों (अपने धर्म के अनुसार) को छूकर निष्ठा की शपथ लेते हैं। तत्पश्चात अग्निवीरों का प्रशिक्षित सैनिकों के रूप में स्वागत किया गया। अग्निवीरों का सत्यापन ड्यूटी के आह्वान पर फील्ड आर्मी में नियोजित/तैनात किए जाने की उनकी तैयारियों को भी दर्शाता है। यह उन माता-पिता के लिए सम्मान और गर्व की बात थी, जो कठिनाइयों और सेवा शर्तों के बावजूद स्वेच्छा से अपने बच्चों को भारतीय सेना में भर्ती कराते हैं। आह्वान किए जाने पर सर्वोच्च बलिदान देना एक सैनिक का कर्तव्य है। अग्निवीरों के माता-पिता को राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के सम्मान में 'गौरव पदक' देकर सम्मानित किया गया। सत्यापन परेड को प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षकों, 1 ईएमई केंद्र के कर्मचारियों और अग्निवीरों के माता-पिता ने देखा। समारोह का समापन भारत माता की जयकारा के साथ हुआ।

विपक्ष को मुंहतोड़ जवाब दे बीआरएस कैडर : केटीआर

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल में मंत्री केटीआर ने बीआरएस कैडर से विपक्ष के कीचड़ उछालने का मुकाबला करने का आग्रह किया। काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क (केएमटीपी) में शनिवार को यंगोन कॉर्पोरेशन के ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने नवंबर या दिसंबर में होने वाले आगामी आम चुनावों के महत्व पर जोर दिया और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर पर भरोसा जताया। मुख्यमंत्री के रूप में हैट्रिक के लिए राव की क्षमता है। मंत्री ने भारत के सबसे बड़े टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए जमीन हासिल करने के लिए पार्कल विधायक चल्ला धर्म रेड्डी के प्रयासों की भी सराहना की। धर्मा रेड्डी के समर्पण के बारे में बोलते हुए, उन्होंने लोगों से प्रतिबद्धता का प्रतिफल देने का आग्रह किया। पाँच साल तक, हमने आपके लिए मेहनत की है। अब, हमारा समर्थन करने की आपकी बारी है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय ने सभी परीक्षाएं स्थगित कीं

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने तेलंगाना शिक्षा दिवस के मौके पर तेलंगाना राष्ट्र अवतार दशाब्दी उत्सव के मद्देनजर 20 जून को होने वाली अपनी सभी परीक्षाओं को शनिवार को स्थगित कर दिया। सभी स्थगित परीक्षाओं के लिए पुनर्निर्धारित समय-सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.osmania.ac.in/ पर नियत समय में पोस्ट की जाएगी।

सूचना

बहनगा बाजार (बालासोर) रेल दुर्घटना में मृतकों के सभी रिश्तेदारों/परिजनों के लिए

भारतीय रेल एतद्द्वारा बहनगा बाजार, जिला-बालासोर (ओडिशा) में दिनांक 02.06.2023 को 12841 शालीमार-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और 12864 एसएमवीबी हावड़ा एक्सप्रेस रेल दुर्घटना में मृतकों के रिश्तेदारों/परिजनों से अनुरोध करता है कि वे आगे आएं और अपना डीएनए सैम्पल दें जिससे अज्ञात शवों का दावा करने के लिए मृतक के साथ उनकी पहचान और रिश्तेदारी को सत्यापित किया जा सके।

.....

स्थान
एकादमिक ब्लॉक (कमिटी रूम),
एम्स, भुवनेश्वर

कृपया निम्नलिखित व्यक्तियों से संपर्क करें:

139
भारतीय रेल हेल्पलाइन

श्री दिगम्बर पाधी, सहा. कार्मिक अधिकारी
मो. 8455887604
श्री विश्वनाथ पाधी, सहा. वाणिज्यिक अधिकारी
मो. 8455885967
श्री बी. तपन कुमार, जन सम्पर्क अधिकारी
मो. 8455885040
श्री विकास कुमार, जन सम्पर्क प्रबंधक
मो. 8455885041
भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर सहायता के लिए
0674-2534027
पूर्व तट रेलवे कन्ट्रोल रूम पर सहायता के लिए
भुवनेश्वर - 8455885999
और खुर्दा रोड - 8455887999

PUB0656 A0927

भारतीय रेल

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.